Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-285

तेलंगाना से लेकर असम, बहराइच से लेकर बंगाल तक बवाल

देशभर में दुर्गा पूजा पर इस्लामी कट्टरपंथियों का हमला

बहराइच में दंगाइयों ने हिंदू युवक को घसीट कर गोली मारी

हैदराबाद के देवी मंदिर में की तोड़फोड़, देवी की प्रतिमा तोड़ी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नवरात्र की शुरुआत और दुर्गा पूजा के दरम्यान पूरे देश में अराजक इस्लामिक तत्वों ने हिंदू आस्था पर जगह जगह हमला किया, हिंसा की और हत्याएं कीं। लेकिन संबंधित प्रदेशों की सरकारें मुंह ताकती रह गईं। जिन प्रदेशों में कांग्रेस या अन्य दल की सरकारें हैं, वहां दंगाइयों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया, लेकिन जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं वहां भी पुलिस ने कट्टरपंथी उपद्रवियों पर कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की, जिस वजह से कई लोगों को जान गंवानी पड़ी।

इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिंदुओं को निशाना बनाया। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला किया। कहीं जुलूस के रास्तों को लेकर विवाद किया तो कहीं विसर्जन यात्रा में भजन बजाए जाने पर बवाल किया गया। उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा प्रतिमा पर पथराव कर मूर्ति क्षतिग्रत की गई। उपद्रवी एक युवक को घसीट कर गलियों में ले गए और उसे बुरी तरह पीटा और काटा और आखिर में गोली मारकर हत्या कर दी। हिंसा में करीब दर्जनभर लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल, तेलंगाना से लेकर झारखंड और असम तक पथराव और हिंसा की घटनाएं हुई है। यह हिंसा हिंदुओं के त्यौहार नवरात्र के साथ ही प्रारंभ हो गई थी।

बहराइच में हिंसा, हिंदू युवक की हत्या

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान रविवार 13 अक्टूबर को मुस्लिम उपद्रवियों ने भीषण हिंसा की। विसर्जन जुलूस में शामिल हिंदू श्रद्धालुओं पर पत्थर और गोलियां बरसाई गईं। जिस मकान से गोलियां चलाई गईं, वह सलमान का घर है। रामगोपाल मिश्रा नाम के 22 साल के युवक को घसीट कर गोली मारी गई। रामगोपाल मिश्रा हत्याकांड में मुस्लिम समुदाय के 6 लोग नामजद किए गए हैं। हिंदू युवक की हत्या के बाद जिले के कई हिस्सों में तोड़फोड़ और आगजनी हुई है। थोड़े समय के लिए प्रतिमाओं का विसर्जन भी रुका रहा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले में कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

कौशाम्बी में विसर्जन यात्रा पर हमला

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में मां दुर्गा के विसर्जन जुलूस पर हमला हुआ। इस हमले में जुलूस में शामिल महिला श्रद्धालुओं को भी निशाना बनाया गया। हमले के दौरान तलवारें लहराई गईं और पत्थरबाजी हुई। घटना में कई श्रद्धालुओं को चोटें आने की खबर है। शनिवार को हुए इस हमले में मुस्लिम समुदाय के लगभग एक दर्जन लोग शामिल थे, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश हुई। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बलरामपुर में दुर्गा पूजा पंडाल पर हमला

उत्तर प्रदेश के ही बलरामपुर में दुर्गा पूजा के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पंडाल में घुसकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोपियों में कलीम, अरबाज़, इमरान और मुख़्तार शामिल हैं, जिन्होंने महिला श्रद्धालुओं से अभद्रता की और पंडाल में लगे भगवा ध्वज को नोचकर नाली में फेंक दिया। महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण उत्सव में बाधा डालने का एक स्पष्ट उदाहरण है। हिंदू संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की। ▶10पर

जम्मू कश्मीर में नई सरकार के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ

जम्मू कश्मीर से हटा राष्ट्रपति शासन

छह साल बाद वापस हुआ राष्ट्रपति शासन, अधिसूचना जारी

पर उमर के गले की फांस बनेगा पांच सदस्यों का मनोनयन

श्रीनगर, 14 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया है। इसकी अधिसूचना देर रात जारी की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया। ज्ञात हो कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र को राष्ट्रपति शासन हटाने की सिफारिश भेजी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 19 अक्टूबर तक तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अधिसूचना को मंजूरी दी। अब उपराज्यपाल नई सरकार के गठन के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को जल्द न्यौता दे सकते हैं। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के गठन का रास्ता तो साफ हो गया है, पर जम्मू कश्मीर विधानसभा में पांच सदस्यों को मनोनीत करने वाला मामला उमर सरकार के गले की फांस भी बनने वाला है। पांच सदस्यों को मनोनयन के मसले पर कांग्रेस पार्टी ने आज सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फिलहाल कोई दखल देने से इन्कार कर दिया।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 और 239ए के साथ, जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में 31 अक्टूबर, 2019 का आदेश जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से ठीक पहले निरस्त माना जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में यह कहा गया है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। नेकां-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें हासिल की हैं।

पर सबसे बड़ी चिंता सरकार की उप राज्यपाल के उस अधिकार की है जिसके तहत वे पांच सदस्यों को मनोनीत करेंगें और इन सभी सदस्यों को चुने गए विधायकों की ही तरह पूर्ण अधिकार होंगे। इस मामले पर आज कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में पहुंची। इस याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने साफ इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि पहले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएं। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने कहा कि वह इस मामले पर विचार करने के इच्छुक नहीं है और याचिकाकर्ता को पहले जम्मू-कश्मीर ▶10पर

भारत ने कनाडा से उच्चायुक्त और राजनयिकों को वापस बुलाया

- छह कनाडाई राजनयिक किए निष्कासित
- सभी को 19 अक्टूबर तक छोड़ना होगा देश
- निज्जर मामले में कनाडा के बयान पर सरकार सख्त

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने कनाडा में घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारतीय उच्चायुक्त और राजनयिकों को किसी आपराधिक मामले में जांच के सिलसिले में तलब किए जाने के मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय उच्चायुक्त एवं राजनयिकों को वापस बुलाने तथा भारत से कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने कनाडा उच्चायोग के प्रभारी को आज शाम तलब कर उन्हें दो टूक शब्दों में कहा कि उनके देश की एजेंसियों द्वारा अपने घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने से उनकी सुरक्षा को खतरा बढ़ गया है लिहाजा भारत सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके कुछ घंटे बाद आज रात नई दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग के तैनात छह वरिष्ठ राजनयिकों को निष्कासित करने का फरमान जारी किया। जिन 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है, उनमें कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, फर्स्ट सेकेट्री मैरी कैथरीन जोली, फर्स्ट सेकेट्री लैन रॉस डेविड ट्राइट्स, फर्स्ट सेकेट्री एडम जेम्स चुइप्का, फर्स्ट सेकेट्री पाउला ओरजुएला शामिल हैं। उन्हें शनिवार, 19 अक्टूबर को मध्य रात्रि के पहले भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।

विदेश मंत्रालय ने इससे पहले जारी एक बयान में कहा कि कनाडाई उच्चायोग के प्रभारी को आज शाम सचिव (पूर्व) द्वारा तलब किया गया था। उन्हें बताया गया कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को आधारहीन निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कनाडा उच्चायोग के प्रभारी को यह रेखांकित किया गया कि उग्रवाद और हिंसा के माहौल में, जस्टिन ट्रूडो सरकार के कार्यों ने ▶10पर

आर्थिक संकट दूर करने के लिए आंध्र सरकार की 'शराब-पहल'

दारू से नायडू कमाएंगे 20 हजार करोड़

अमरावती, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आर्थिक संकट से उबरने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार शराब के धंधे से पैसा कमाने का जुगाड़ निकाल रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी शराब के धंधे से पैसा कमाने की कोशिश की थी, लेकिन शराब नीति घोटाला ही केजरीवाल को ले डूबा। लेकिन आंध्र प्रदेश की राजनीतिक नब्ज समझने वाले जानकारों का कहना है कि केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले के जरिए धन हड़पने की साजिश की थी, लेकिन चंद्रबाबू नायडू की सरकार शराब से सरकारी राजस्व कमाने का रास्ता अख्तियार कर रही है। शराब से कमाया हुआ धन सीधे राजकोष में जाएगा, जिससे राज्य की आर्थिक किल्लत दूर

खुलेंगे नए लिकर स्टोर, खूब सस्ती दारू भी मिलेगी

होगी। आंध्र प्रदेश सरकार नए लिकर स्टोर खोल कर राजस्व कमाने का फार्मूला अख्तियार कर रही है। नकदी की कमी से जूझ रहे आंध्र प्रदेश को शराब की बिक्री से लगभग 20,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। राजस्व महकमे से जुड़े एक आला अधिकारी ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार को शेष वित्तीय वर्ष के दौरान लाइसेंस शुल्क और शराब की बिक्री से लगभग 20,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने 3,396 दुकानों के लिए गैर-वापसीयोग्य आवेदन शुल्क के रूप में 1,800 करोड़ रुपए कमाए हैं। एक बार लॉटरी के आधार पर आउटलेट आवंटित होने के बाद, विजेता को छह किस्तों में 50 लाख रुपए से 85 लाख रुपए तक की लाइसेंस फीस का भुगतान करना होगा।

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट से आजम खान को मिला करारा झटका

पद के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला है: चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के बड़े मुस्लिम नेता आजम खान को करारा झटका दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपी के रामपुर में स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की जमीन संबंधित लीज रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य

जौहर विवि की जमीन लीज रद्द करने का आदेश सही

न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने यूपी सरकार द्वारा भूमि लीज रद्द किए जाने के खिलाफ मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारी समिति की याचिका खारिज कर दी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने लीज शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए ट्रस्ट को आवंटित 3.24 एकड़ भूखंड का पट्टा रद्द कर दिया था। सरकार का कहना है कि यह भूमि मूल रूप से एक शोध संस्थान के लिए आवंटित की गई थी, लेकिन वहां एक स्कूल चलाया जा रहा था।

▶10पर

चिराग पासवान और थावरचंद गहलोत को जेड श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को गृह मंत्रालय ने जेड स्तर की सुरक्षा देने का फैसला किया है।

इससे पहले चिराग पासवान को एसएसबी के कमांडो की सुरक्षा मिली हुई थी। जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलने के साथ ही अब उन्हें सीआरपीएफ के जवान सुरक्षा देंगे। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भी केंद्र सरकार की तरफ से जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया गया है। वह भी चिराग पासवान की तरह ही सीआरपीएफ जवानों के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। जेड श्रेणी की सुरक्षा में चिराग पासवान और थावरचंद गहलोत के आसपास 22 सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

हरियाणा के नूंह में बसा दिए गए रोहिंग्या मुस्लिम

रोहिंग्या घुसपैठिए पूरी ठसक से चला रहे मदरसे

नूंह, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुस्लिम बहुल मेवात क्षेत्र के नूंह में रोहिंग्या घुसपैठियों की बड़ी आबादी को संरक्षण देकर अवैध रूप से बसा दिया गया है। ये सभी म्यांमार से अवैध रूप से भारत में आए और यहां से नूंह में स्थापित कर दिए गए। इन अवैध घुसपैठियों के रहने वाले अस्थायी आवास बनाया गया है। ये सभी साल 2016 में ही भारत आ गए थे और तभी से यहां रह रहे हैं। रहने के साथ-साथ रोहिंग्या घुसपैठिए मदरसा भी संचालित कर रहे हैं।

मदरसे में पढ़ाने वाले मौलाना यूनुस ने कहा कि यहां 400 से 500 रोहिंग्या रहते हैं। हालांकि, उनकी जुबानी ये संख्या है, लेकिन वास्तविक संख्या कितनी है, ये किसी को नहीं पता। ये वही क्षेत्र है, जहां से हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरन कांग्रेस नेता मामन खान से रिकॉर्ड जीत हासिल की है। मुस्लिम बहुल इस क्षेत्र में उन्हें एकतरफा मत मिले। चुनाव प्रचार के दौरान मामन यहां के हिंदुओं को धमकाते हुए कहा था कि जिन लोगों ने मुस्लिमों के खिलाफ अन्याय किया है, उन्हें कांग्रेस की सरकार बनते ही मेवात छोड़ना पड़ेगा। मामन का नाम 2023 के मेवात दंगों में

स्थानीय संरक्षण में मौज कर रहे 500 घुसपैठिए

आया था। नूंह के नांगली गांव में बांस आदि से छप्पर के रूप में एक अस्थायी ढांचा बनाया गया है, जिस पर लिखा है मदरसा इस्लामिया दारूल उलूम इल्यासिया। यह ढांचा एक बड़े भूभाग पर बनाया गया है। इसमें नमाजी टोपी पहने हुए बहुत सारे बच्चे और किशोर दिखाई देते हैं। इसमें जियाउर रहमान नामका एक व्यक्ति है, जो खुद को मौलवी बताता है। रहमान कहता है कि वह नूंह में रहता है कि मदरसे में बच्चों को पढ़ाने के लिए वह गांव में आता है। रहमान खुद भी म्यामांर (बर्मा) का रहने वाला है। रहमान ने बताया कि साल 2016 से यह मदरसा चल रहा है। यहां पढ़ने वाले सारे बच्चे म्यामांर के ही है। मदरसे में ही बच्चों को खाना भी मिलता है। रात में रहते भी हैं। उसने बताया कि यहां कभी रेड नहीं पड़ी और न ही किसी ने पूछा कि वे कहां के रहने वाले हैं।

रहमान ने बताया कि उसे भारत में किसी तरह का खतरा नहीं है, क्योंकि वह यहां मेहमान के हिसाब से रह रहा है। बर्मा से आया और व्यक्ति मोहम्मद यूनुस नाम का मिला। उसने बताया कि वह बच्चों को अरबी और अंग्रेजी पढ़ाता है। यूनुस ने बताया कि यहां रहने वाले रोहिंग्या मुस्लिमों की आबादी लगभग 400 है। यूनुस ने बताया कि भारत में आने के लिए उन सबों के पास कुछ भी नहीं है। यूनुस ने कहा, न हमारे पास पासपोर्ट है, न वीजा है। हम कैसे-कैसे करके यहां आ गए, यह बहुत मुश्किल काम है। हम ब्लैक में आ गए। ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति मुर्मु अल्जीरिया में मिलीं भारतीय समुदाय से, कहा-आप भारत के सच्चे राजदूत

अल्जीयर्स। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि आप भारत के सच्चे राजदूत हैं। अल्जीरिया में भारतीय समुदाय अपने देश के हितों और सॉफ्ट पावर को आगे बढ़ाने वाला पुल है। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को यहां पहुंचीं हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर हमारी प्राचीन भूमि के मूल्य और संस्कृति को समेटे हुए है। जब भी आप किसी अल्जीरियाई व्यक्ति से मिलते हैं, तो आप उसका परिचय भारत की भावना से कराते हैं। भारत सरकार और भारतीय समाज ने विदेशों में भारत की स्थिति, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में भारतीय समुदाय के योगदान को हमेशा महत्व दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में कल अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

ओपिनियन पोल में कमला हैरिस को बड़ा झटका, ट्रंप की दमदार वापसी

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर रविवार को जारी तीन सर्वेक्षणों में डोनाल्ड ट्रंप पर कमला हैरिस की बढ़त कम हुई है या पूरी तरह से खत्म हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पोल में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन उम्मीदवार राष्ट्रीय स्तर पर 48 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। ये हैरिस के लिए इसलिए झटका है क्योंकि पिछले महीने इसी पोल में उनको ट्रंप पर पांच अंकों की बढ़त मिली थी। पोल में हैरिस 50 और ट्रंप 48 प्रतिशत पर हैं। पिछले महीने इस सर्वेक्षण में हैरिस 52 प्रतिशत और ट्रंप 46 प्रतिशत पर थे।नए पोल में हैरिस को 51 प्रतिशत से 48 प्रतिशत तक बढ़त हासिल है, जबकि पिछले महीने उन्हें चार अंकों का फायदा हुआ था। डेमोक्रेटिक पीर्टी के समर्थकों की इस चिंता इससे भी बढ़ी है क्योंकि हैरिस पार्टी के दो प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों, हिस्पैनिक्स और अफ्रीकी अमेरिकियों के बीच समर्थन बढ़ाने में विफल रही हैं।कमला हैरिस सभी जातियों की महिलाओं के बीच ट्रंप से आगे दिख रही हैं लेकिन उन्हें अफ्रीकी अमेरिकियों और हिस्पैनिक पुरुषों के बीच समर्थन बढ़ाने लिए संघर्ष करना पड़ा है।हैरिस और ट्रंप ने अपना अभियान तेज कर दिया है। रविवार को हैरिस ने उत्तरी कैरोलिना और ट्रंप ने एरिजोना में कार्यक्रम आयोजित किए। हैरिस लगातार अपने अभियानों में ट्रंप पर निशाना साध रही हैं तो ट्रंप भी तमाम वादे कर रहे हैं।

इजराइल की सैन्य ताकत बढ़ेगी, अमेरिका 100 सैनिकों के साथ भेजेगा उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली

वाशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने इजराइल को उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली भेजने का फैसला किया है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए लगभग 100 अमेरिकी सैनिक भी भेजे जाएंगे। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमलों के बाद यह इजराइल में अमेरिकी सेना की पहली तैनाती होगी। यह जानकारी पेंटागन ने दी। खबर के अनुसार, इस कदम से बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए डिजाइन की गई जमीन-आधारित इंटरसेप्टर प्रणाली का संचालन करने वाले अमेरिकी सैनिक मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध के करीब पहुंच जाएंगे। पेंटागन ने यह कदम ईरान के पहली अक्टूबर को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों सहित लगभग 200 मिसाइलें दागने के बाद उठाया है। इस समय ईरान पर इजराइल जवाबी कार्रवाई की योजना बना रहा है। खबर में कहा गया है कि रविवार को जब इस बारे में पूछा गया तो राष्ट्रपति जो बाइडेन ने केवल इतना कहा कि उन्होंने पेंटागन को इजरायल के लिए रक्षा प्रणाली तैनात करने का आदेश दिया है।

ब्रिटेन में कोख में मरे बच्चों का सर्टिफिकेट बनाया जा रहा

लंदन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन ने इन दिनां एक खास मुहिम शुरू की है। वहां कोख में मरे बच्चों का सर्टिफिकेट बनाया जा रहा है। अब तक 50000 से ज्यादा पेरेंट्स ऐसा सर्टिफिकेट बनवा चुके हैं। आप सोच रहे होंगे कि आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ी

दरअसल, इसके पीछे एक खास वजह थी। यह योजना उन परिवारों का दुख कम करने के लिए शुरू की गई थी, जिन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान अपने बच्चे को खो दिया। पहले ऐसे बच्चों के रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नहीं थी। जिससे कुछ पेरेंट्स को लगता था कि उन बच्चों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्हें यूं ही हम नहीं भुला सकते। हम उन्हें नाम देना चाहते हैं। उन्हें याद करना चाहते हैं, ऐसे में हमारे पास कुछ भी नहीं है। ऐसे बच्चों को भी मान्यता मिलनी चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिसकैरेज एसोसिएशन की मुख्य कार्यकारी विक्की रॉबिन्सन ने कहा, यह उन पेरेंट्स की तकलीफ को शेयर करने की एक कोशिश है। हम चाहते थे कि उनके बच्चे की यादें हमेशा उनके साथ रहें। इसलिए यह पहल की गई। इससे उन्हें दुख से उबरने में मदद मिलेगी। बेबी लॉस सर्टिफिकेट योजना को प्रेग्नेंसी लॉस रिव्यू की सिफारिश के बाद लाया गया। जॉर्ज एलियट हॉस्पिटल की मिडवाइफ सामंथा कॉलिंग ने कहा, मैं 1998 से ऐसे तमाम परिवारों के बीच रही हूं, जो अपने बच्चों को खो देते हैं। उनका दर्द असहनीय होता था। अस्पताल से बाहर निकलते वक्त वे अपने बच्चे की कुछ यादें ले जाना चाहते थे। लेकिन हमारे पास कुछ नहीं होता था। अब इन्हें कुछ तो शांति मिलेगी। उन्हें मान्यता मिल रही है कि वे एक और बच्चे के माता-पिता हैं। वह बच्चा वास्तव में मौजूद है। उनके पास है, उनके दिल के करीब है। बेबी लॉस सर्टिफिकेट के लिए वही पेरेंट्स आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने प्रेग्नेंसी के 28 हफ्ते पहले अपने बच्चे को खो दिया।

पहले यह योजना 24 हफ्ते तक के बच्चे के लिए थी। सिर्फ वही लोग सर्टिफिकेट के लिए आवेदन दे सकते हैं जो ब्रिटेन के रहने वाले हों। उम्र कम से कम 16 वर्ष होनी चाहिए। सरोगेट मदर भी इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। बता दें कि बच्चा अगर कोख में मर जाए, तो माता-पिता के लिए जीवनभर उसे भुला पाना कठिन होता है। वर्षों लोग उसकी याद में तड़पते रहते हैं। कुछ लोग भूलने की कोशिश करते हैं, लेकिन गाहे-बगाहे उसकी याद आ ही जाती है। लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी हैं जो उसकी याद को सहेजकर रखना चाहते हैं।

पाकिस्तान खुद अपनी आग में जलने को मजबूर

खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत में हमले और मौतों का सिलसिला जारी

इस्लामाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान इन दिनों अपनी ही सुलगाई आग में झुलसता नजर आ रहा है। पाकिस्तान ने कश्मीर घाटी में जो काम किया अब उसका खामियाजा उसे अपने ही खास प्रांत खैबर पख्तूनख्वाह में देखने को मिल रहा है। इसके चलते पाकिस्तान में बीते दिनों दो आदिवासी गुटों में आपसी भिड़ंत हुई।

जिसमें करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो गई। यह मामला खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत के कुर्रम जिले से संबद्ध बताया गया है।

पाकिस्तान से मिली जानकारी अनुसार इस आपसी भिड़ंत में जहां करीब 11 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं 8 लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। घायलों का इलाज करीब के अस्पताल में हो रहा है।

वैसे तो इस बड़े विवाद की वजह फिलहाल नहीं मालूम चली है, लेकिन समझा यही जा रहा है कि जिस तरह से पाकिस्तान ने पड़ोसी देशों को अस्थिर करने के लिए प्रोपेगंडा रचा और आतंकवादियों का सहारा लिया अब वो उन्हीं से दो-चार हो रहा है।

यहां कुर्रम के डिप्टी कमिश्नर जाविदुल्लाह महसूद के हवाले से बताया गया कि पाकिस्तान और अफगान सीमा के पास कुंज अलिजाई पहाड़ों के नजदीक गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। इसके बाद से ही इलाके में तनाव देखा जा रहा था। इसके बाद ही मामला बढ़ा और कुछ गाड़ियों को रोक कर उन पर हमला कर दिया गया।

क्षेत्र में पुलिस बल लगाया गया है, जो लगातार स्थिति को सामान्य करने की कोशिश में लगा हुआ है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता और नेताओं ने भी शांति बनाए रखने की अपील की है।

पूर्व सांसद और ट्राइबल काउंसिल के सदस्य पीर हैदर अली शाह का इस मामले में कहना था कि दोनो ही पक्षों के बीच समझौता करवाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने गोलीबारी की घटनाओं पर दुख भी व्यक्त किया है।

बूढा हो रहा चीनः 2035 तक 60 से अधिक उम्र के हो जाएंगे 40 करोड़ लोग

बीजिंग।

चीन की बढ़ती बुजुर्ग आबादी ने सरकार और नीति निर्माताओं को चिंतित कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्तमान में चीन की 30 करोड़ से अधिक आबादी 60 वर्ष से ऊपर की है, और यह संख्या 2035 तक 40 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। 2050 तक यह आंकड़ा 50 करोड़ के पार हो सकता है। यह स्थिति चीन के लिए एक गंभीर संकट का कारण बनती जा रही है, क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर बुजुर्ग आबादी के लिए सामाजिक और आर्थिक ढांचा तैयार करना एक चुनौती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन की जन्मदर में जल्द सुधार नहीं हुआ तो यह संकट और भी विकराल हो जाएगा। बीजिंग स्थित युआ पॉपुलेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक हुआंग वेनझेंग ने कहा, यह एक खतरनाक स्थिति है। पेंशन पूल सूख रहा है और हमारी सेना और कामकाजी आबादी बूढ़ी हो रही है।

बढ़ती उम्र के साथ पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ भी तेजी से बढ़ रहा है। चीन का पेंशन फंड लगभग समाप्ति की ओर है, क्योंकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से पेंशन खर्च भी बढ़ गया है। पेंशन पूल को बचाने के लिए हाल ही में चीन ने पुरुषों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 63 और महिलाओं की उम्र 55 से बढ़ाकर 58 कर दी है। हालांकि, इस कदम से कामकाजी लोग नाराज हैं, क्योंकि अधिक समय तक काम करने का दबाव उन पर आ रहा है।राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाल ही में अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बुजुर्गों की देखभाल के लिए विशेष कदम उठाएं और उनकी जरूरतों का ध्यान रखें।

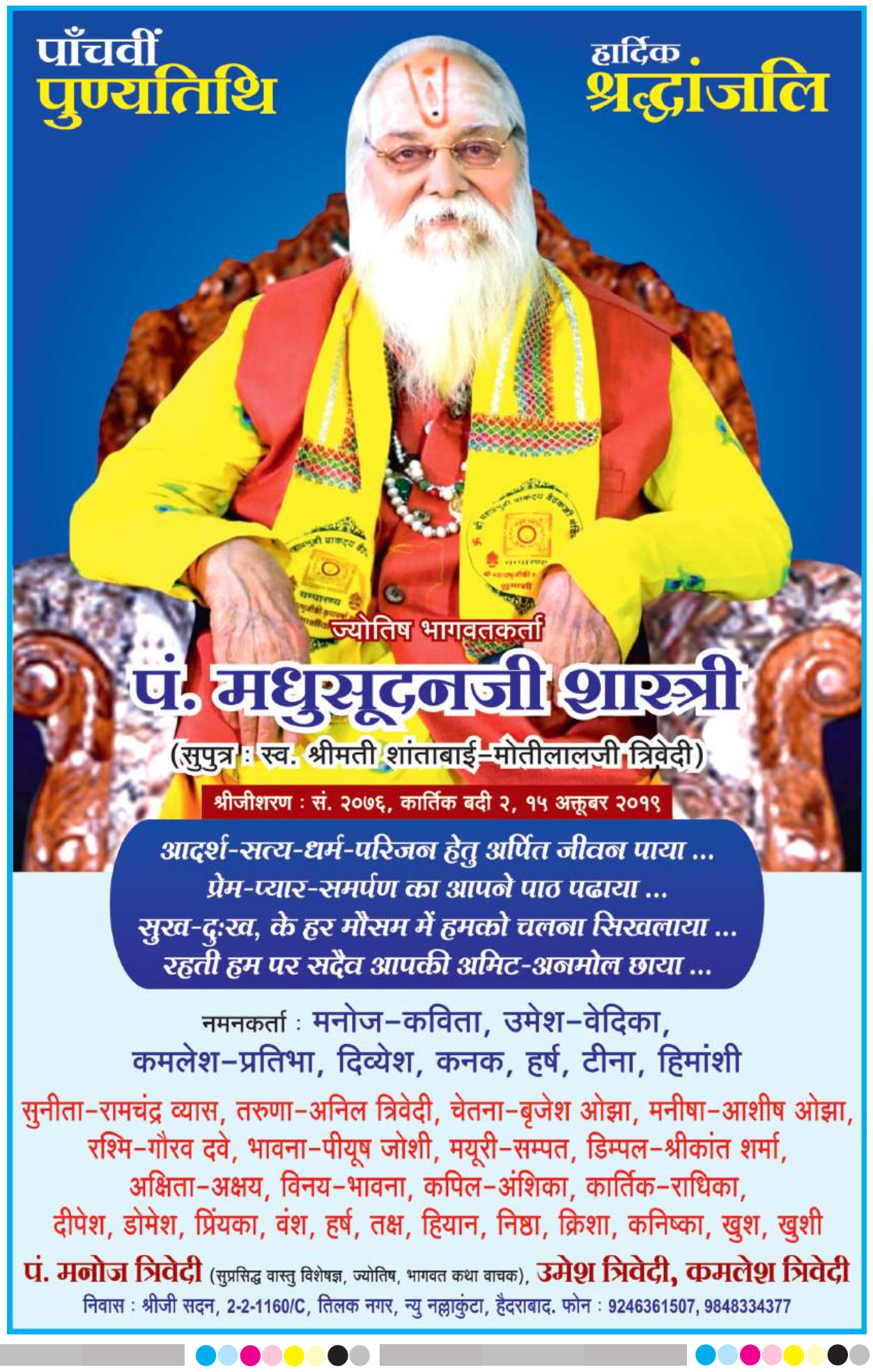

अमेरिका के स्कूलों में हिंसक घटनाएं बढीं, 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली बच्चे गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका की स्कूलों में हिंसक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में अपालेची हाई स्कूल शूटिंग के दौरान दो शिक्षकों और दो छात्रों की शूटिंग के दौरान मौत हो गई। अमेरिका की स्कूलों में आए दिन धमकियां दिए जाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अमेरिका की पुलिस ने पिछले तीन सप्ताह में 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली छात्रों को हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है। जो छात्र गिरफ्तार किए गए हैं। उसमें 10 साल से लेकर 18 साल तक के छात्र शामिल हैं। अमेरिका के कुछ स्कूलों में गन फायर और बम फेंकने की घटनाएं हुई है। हिंसा से संबंधित धमकियां भी दी जाती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से जब यह धमकी दी जाती है। उसके बाद वहां पर भय का वातावरण बन जाता है। अमेरिका में माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डरने लगे हैं। इस स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों ने अपने यहां पर डांस और रात्रि के खेल मैच बंद कर दिये है। अमेरिका में शाम के बाद अब स्कूलों में कोई आयोजन नहीं किये जा रहे हैं।

लंबे अर्से तक जम्मू कश्मीर में रहा है राष्ट्रपति शासन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 अक्टूबर।

जम्मू कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हट गया है। इसके साथ ही प्रदेश में सीमित अधिकारों वाली सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जम्मू कश्मीर में आजादी के बाद से 13 साल से अधिक राष्ट्रपति शासन लागू रहा है। पहली बार इसे 1977 में लागू किया गया था।

वर्ष 1977 में मार्च महीने में तत्कालीन राज्य में उस समय प्रथम बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था जब कांग्रेस ने तत्कालीन शेख अब्दुल्ला की सरकार से अपना समर्थन वापस लिया था। लेकिन तब राज्यपाल शासन के छह माह भी अभी पूरे नहीं हुए थे कि राज्य में चुनाव करवा दिए गए थे क्योंकि तब आतंकवाद की कोई बात नहीं थी। फिर दूसरी बार 1986 में फरवरी माह में राज्य में प्रथम बार होने वाले साम्प्रदायिक दंगों की स्थिति पर तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री जी एम शाह की सरकार से कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के कारण राज्य में राज्यपाल शासन लागू किया गया जिसकी अवधि आठ माह थी।

तत्कालीन राज्य में 5 जनवरी 2019 से पहले भारतीय संविधान की धारा 356 के तहत सीधे राष्ट्रपति शासन लागू नहीं किया जा सकता था। अतः उसके स्थान पर राज्यपाल आप ही जम्मू कश्मीर के संविधान के अनुच्छेद

92 के तहत प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल कर राज्यपाल का शासन लगू कर सकते थे। राज्य में प्रथम छमाही में इसे राज्यपाल का शासन कहा जाता था और बाद में इसे राष्ट्रपति शासन कहा जाता रहा है।

वर्ष 2017 में 51 दिनों तक राज्यपाल का शासन राज्य में रहा था। तब यह क्रम में 6ठा गवर्नर रूल था। फिर 2018 में यह सातवीं बार लगाया गया था। और जम्मू कश्मीर के इतिहास में 2 नवम्बर 2002 को दूसरा अवसर था जब लोकतांत्रिक सरकार के गठन की खातिर राज्यपाल शासन को हटाया गया था। तब 17 दिन पुराने राज्यपाल शासन को 2 नवम्बर 2002 को उस समय हटाया गया था जब गठबंधन सरकार ने शपथ ली थी। हालांकि इससे पूर्व 1977 में जुलाई महीने में उस समय राज्यपाल शासन को कुछ दिनों के बाद हटाया गया था जब शेख अब्दुल्ला सरकार ने शपथ ली थी। इससे पहले 19 जनवरी 1990 को लागू किया गया राज्यपाल शासन तो पौने 7 साल तक चला था।

चौथी बार राज्यपाल शासन इसलिए लागू करना पड़ा था क्योंकि राज्यपाल गिरीश चन्द्र सक्सेना के पास इसके अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं था क्योंकि उनके विकल्प पूरी तरह से सीमित थे। हालांकि राज्य को इस संवैधानिक संकट से बचने की खातिर वे अंतिम समय तक प्रयास करते रहे परंतु सभी अड़ियल रूख अपनाए हुए थे। पहले राज्यपाल ने चार दिनों का अतिरिक्त समय देकर राजनीतिक दलों को यह अवसर प्रदान किया कि वे राज्य में नई सरकार बनाने की खातिर दावा पेश करें। उनके लिए यह बहुत बड़ा संवैधानिक संकट था जिससे निकलने की खातिर उन्होंने अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया था। तब भी पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने यह कह कर नया संवैधानिक संकट खड़ा कर दिया था कि वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री नहीं बने रहने चाहते।

हालांकि जून 2018 में यह कोई पहला अवसर नहीं था कि राज्य में राज्यपाल शासन लागू किया गया था बल्कि इस राज्यपाल शासन से 19 साल पूर्व भी राज्य एक रिकार्ड राष्ट्रपति शासन के दौर से बाहर निकला था। असल में 1990 के आरंभ में तत्कालीन राज्यपाल जगमोहन ने फारूक सरकार को बर्खास्त कर राज्य में 19 जनवरी 1990 को राज्यपाल शासन लागू कर दिया था।

1990 में लागू राष्ट्रपति शासन ने एक नया रिकार्ड बनाया था। तकरीबन पौने सात साल सालों तक यह राज्य में लागू रहा था। यह सिर्फ राज्य का ही नहीं बल्कि देश का भी अपने किस्म का नया रिकार्ड था कि इतनी लम्बी अवधि के लिए किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू रहा हो। यही नहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह प्रथम अवसर था कि जब राज्य में इतनी लम्बी अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल एलके झा ने 26 मार्च 1977 को राज्य में पहली बार राज्यपाल शासन लगाया था, जब कांग्रेस ने शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। मार्च 1986 में कांग्रेस ने जी.एम. शाह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया, जिससे दूसरी बार राज्यपाल शासन लागू होने की स्थिति बन गई। जनवरी 1990 में राज्यपाल शासन तब लगाया गया, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जगमोहन को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया। अक्टूबर 2002 में विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने से इन्कार कर दिया।

यह तब था, जब एनएन वोहरा ने पहली बार राज्यपाल का पद संभाला था। जून 2008 में पीडीपी द्वारा गुलाम नबी आज़ाद के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद फिर से राज्यपाल शासन लगाया गया। जनवरी 2015 में राज्य चुनावों में अपनी पार्टी को बहुमत न मिलने के कारण उमर अब्दुल्ला ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करना बंद कर दिया और राज्य में छठी बार राज्यपाल शासन लागू किया गया। 7 जनवरी 2016 को पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की मृत्यु के बाद सातवीं बार राज्यपाल शासन लगाया गया। 20 जून, 2018 को एनएन वोहरा ने प्रशासन की बागडोर संभाली क्योंकि राज्य में महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी सरकार से भाजपा के समर्थन वापस लेने के फैसले के बाद राज्यपाल शासन लगाया गया था।

रेल जेहाद की छानबीन करेगी एनआईए

चेन्नई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चेन्नई के कावरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास बागमती एक्सप्रेस हादसे को लेकर रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ को रेल जेहाद के पहलू से भी जांच करेगी। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा आयुक्त को मामले की वैधानिक जांच सौंपी गई है। हादसे को लेकर लोको पायलट समेत तमाम जिम्मेदारों से 16, 17 अक्टूबर को चेन्नई में पूछताछ होगी। रेलवे ने कहा कि दुर्घटना या संबंधित मामलों के बारे में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति आयुक्त को साक्ष्य प्रदान कर सकता है।

मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास शुक्रवार को मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे। लूप लाइन

पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। मामले में रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। बेंगलुरु दक्षिणी सर्किल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त एएम चौधरी दुर्घटना की वैधानिक जांच करेंगे। वहीं मामले में एनआईए के अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या दुर्घटना किसी तोड़फोड़ गतिविधि के कारण हुई थी? इसे लेकर एनआईए के एक अधिकारी ने दुर्घटना स्थल का प्रारंभिक निरीक्षण कर लिया है।

रेलवे ने बताया कि सिग्नल एवं टेलीकॉम, इंजीनियरिंग और परिचालन विभाग के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की टीम ने कावराइ-पेट्टई रेलवे स्टेशन पर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद तोड़फोड़ की गंभीर आशंका जताई है। रेलवे पुलिस ने भी दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने हादसे के बारे में बताया था कि जब कर्नाटक के मैसूर से बिहार के दरभंगा तक जाने वाली बागमती एक्सप्रेस ट्रेन का रूट-आंध्र प्रदेश और ओडिशा के रास्ते निर्धारित है।

शुक्रवार को जब ट्रेन कावरापेट्टई स्टेशन से गुजर रही थी, उसी समय एक मालगाड़ी लूप लाइन पर खड़ी थी। उसे प्राथमिकता दी गई। बागमती एक्सप्रेस को बिना रुके मुख्य लाइन से गुजरना था, क्योंकि इस स्टेशन पर निर्धारित स्टॉप नहीं है। मुख्य लाइन के लिए सिग्नल भी दिए जा चुके थे।

धर्मनगरी से अखाड़ा परिषद के संतों का ऐलान

प्रयाग महाकुंभ में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित

जूस बेचने वाले से लेकर खाना बनाने वाले तक की पहचान हो

हरिद्वार, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने प्रयाग कुंभ में गैर हिंदुओं के प्रवेश को वर्जित करने का निर्णय किया है। परिषद के अध्यक्ष व निरंजनी अखाड़े के श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि कहीं थूक कर, कहीं मूत्र कर सनातन संस्कृति को भ्रष्ट करने की चेष्टा की जा रही है। कुंभ से पहले ही उत्तर प्रदेश की सरकार को यह तय करना होगा कि कौन जूस बेचेगा और कौन खाना खिलाएगा। यदि कुंभ में भी इस तरह का कृत्य सामने आया तो सनातनी चुप नहीं बैठेंगे और ऐसे लोगों को नागा संन्यासी दंडित करेंगे।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े की ओर से निकाली गई छड़ी यात्रा को पूजन के बाद हरकी पैड़ी से रवाना करने के बाद श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि हाल ही में कई जगहों से फोटो और वीडियो सामने आए है कि मुस्लिम किस तरह से जेहाद चला रहे हैं। मसूरी और अन्य जगहों के वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि यदि इस तरह का कृत्य किया जा रहा है और मुस्लिम समुदाय के मौलाना चुप्पी साधे हुए हैं, तो यह बेहद चिंतनीय है। हमारे यहां मंदिरों में भी ईश्वर अल्लाह तेरों नाम का भजन सुबह-शाम सुनाया जाता है। जबकि किसी मस्जिद से सामाजिक सौहार्द का ऐसा भजन कभी सुनाई नहीं देता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद अगर कोई हरकत करता है तो उसे नागा संन्यासी देखेंगे।

आंध्र प्रदेश में बनेगी नई मिसाइल परीक्षण रेंज

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश में नई मिसाइल परीक्षण रेंज बनाई जाएगी। भारत सरकार की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बताया जाता है कि नई रेंज आंध्र प्रदेश के नागयालंका क्षेत्र में बनाई जाएगी। इसके बाद देश में मिसाइलों के परीक्षण में तेजी आएगी।

भारत को रक्षा क्षेत्र में मजबूत करने के लिए लगातार सरकार काम कर रही है। जहां एक ओर वैज्ञानिक नई-नई मिसाइल विकसित कर रहे हैं तो दूसरी ओर सरकार रक्षा क्षेत्र में नए प्रस्तावों पर मुहर लगा रही है। बताया जाता है कि नई मिसाइल परीक्षण रेंज में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और डीआरडीओ की सामरिक मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा।

इससे पहले सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने नौसेना, सेना और वायुसेना के लिए दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण और अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की मंजूरी दी थी। इस बैठक में 80,000 करोड़ रुपए के प्रमुख सौदों को पारित किया गया था। 31 ड्रोन में से भारतीय नौसेना को 15 और सेना और वायुसेना को 8-8 ड्रोन मिलेंगे। सेना और वायुसेना इन्हें यूपी में अपने दो स्टेशनों में तैनात करेंगी।

वहीं रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन नई पीढ़ी की मिसाइलों के टेस्ट की तैयारी कर रहा है। डीआरडीओ ने बड़े स्तर पर मिसाइल परीक्षण कार्यक्रम तैयार किया है। इस दौरान पारंपरिक और स्ट्रेटेजिक मिसाइलों का परीक्षण किया जाएगा।

इन परीक्षणों से देश की रक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। बताया जाता है कि ये परीक्षण न केवल मौजूदा मिसाइल सिस्टम के अहम पड़ाव साबित होंगे बल्कि नई पीढ़ी की मिसाइलों की भी नींव रखेंगे। यह पहल डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को जताता है। हाल ही में बदली भू-राजनीतिक परिस्थितियों के चलते ये परीक्षण आवश्यक हो गए हैं। यह परीक्षण कार्यक्रम भारत की प्रतिरोध क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

बांग्लादेशियों को फंसा कर लाते हैं बांग्लादेशी

दिल्ली-नोएडा में चल रहा बड़ा किडनी रैकेट

दिल्ली-एनसीआर के कई नामी अस्पतालों से जुड़े हैं तार

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में किडनी रैकेट के मामले बढ़ते जा रहे हैं। छानबीन में हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली-एनसीआर के दो लोकप्रिय अस्पतालों के सिस्टम में खामियों का फायदा उठाया गया और किडनी प्रत्यारोपण के नाम पर ब्लैक मार्केटिंग की गई। पुलिस ने 10 आरोपियों के सिंडिकेट और एक सर्जन को गिरफ्तार किया था। 50 वर्षीय सर्जन डॉ. विजया राजकुमारी ने पिछले तीन सालों में नोएडा के अपोलो और यथार्थ हॉस्पिटल में 20 से 25 बांग्लादेशी रोगियों के किडनी प्रत्यारोपण किए थे।

पुलिस ने 1 जुलाई को सर्जन को गिरफ्तार किया था। हालांकि अब वह जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कोर्ट में सभी आरोपों से इन्कार कर दिया है। इस बीच पुलिस ने 2018 से 2024 तक नोएडा के अपोलो और यथार्थ अस्पताल में बांग्लादेशी रोगियों पर किए गए 125 से 130 किडनी प्रत्यारोपण का विवरण मांगा है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं और भारत के मेडिकल टूरिज्म में काम करने वाला एक ट्रांसलेटर भी शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अप्रैल में ही विदेशियों के लिए किए गए अंग प्रत्यारोपण से संबंधित एक चेतावनी जारी की थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस एक्टिव हुई और मामले की जांच शुरू हुई।

17 जून को इस मामले को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी। उसके बाद दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट तैयार की। दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 अगस्त को डॉक्टर राजकुमारी को जमानत दी। दिल्ली पुलिस के अनुसार डॉक्टर राजकुमारी मुख्य रूप से इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल से जुड़ी हुई थीं। नोएडा में अपोलो अस्पताल और दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो हैदराबाद स्थित अपोलो ग्रुप का हॉस्पिटल्स का हिस्सा है। इस मामले में अन्य आरोपी भी जमानत पर बाहर हैं। 12 सितंबर को दिल्ली की अदालत ने धोखाधड़ी और अपराधिक साजिश सहित कई धाराओं में और मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत चार्जशीट का संज्ञान लिया था।

भारत में अंग प्रत्यारोपण को काफी सख्ती से विनियमित किया जाता है और केवल करीबी ब्लड रिलेशन वाले लोगों को ही अंगदान करने की अनुमति होती है। इनमें माता-पिता, भाई बहन, बच्चे, दादी-दादा, पोते पोतिया और पति पत्नी ही शामिल हैं। इसके अलावा अन्य रिश्तेदार विशेष परिस्थितियों में ही दान कर सकते हैं, जो सरकार द्वारा नियुक्त समिति के अनुमोदित करने के बाद ही संपन्न होता है। वहीं विदेशी नागरिकों को अंगदान कराने के लिए फॉर्म 21 जमा करना होता है। यह एक तरीके से संबंधित व्यक्ति के दूतावास से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) होता है। इसमें व्यक्ति यह साबित करता है कि अंगदान प्यार से प्रेरित है, ना कि पैसे और जबरदस्ती से।

दिल्ली-ढाका रैकेट में मामला जो सामने आया है, उसमें पुलिस के अनुसार हर एक प्रत्यारोपण के लिए फॉर्म 21 को सुरक्षित बनाया गया और सिंडिकेट ने कथित तौर पर नकली पारिवारिक पृष्ठभूमि और गलत दस्तावेजों का उपयोग किया। इसका इस्तेमाल करके किडनी डोनर और रिसीवर के बीच संबंध बनाए गए। फार्म 21 के इस तरह का दुरुपयोग भारत में पहली बार हुआ है।

पता चला कि डॉक्टर राजकुमारी ने कथित तौर पर 1 जनवरी 2018 से 31 मार्च 2023 के बीच नोएडा के अपोलो अस्पताल में बांग्लादेशी रोगियों को मिलाकर कुल 66 किडनी प्रत्यारोपण की सर्जरी की। राजकुमारी ने कथित तौर पर 7 अगस्त 2022 से लेकर 13 मई 2024 के बीच नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल में विदेशियों पर 78 ऐसे ही ऑपरेशन किए और इनमें 61 बांग्लादेशी मरीज शामिल थे।

अपोलो अस्पताल (नोएडा) में 1 अप्रैल 2019 और 31 मई 2024 के बीच बांग्लादेशी मरीजों के लिए 90 फॉर्म 21 वेरिफिकेशन की समीक्षा की गई। केवल एक में करीबी रिश्तेदार पति या पत्नी शामिल थे। कथित तौर पर यह दावा करने के लिए कि दान प्यार से दिया गया था, पंद्रह अलग-अलग प्रकार के पारिवारिक वंशावली बनाई गई, जिनमें से ज्यादातर डोनर को दूर के रिश्तेदार के रूप में दर्शाया गया। 50 प्रतिशत मामलों में डोनर, रिसीवर की बहन का बेटा, 12 प्रतिशत मामले में पत्नी का भाई, 9 प्रतिशत मामले में मां की बहन का बेटा, 6 प्रतिशत मामले में पति की बहन का बेटा और 5 प्रतिशत मामले में पिता की बहन का बेटा था।

यथार्थ अस्पताल (नोएडा) में जांच के दायरे में आए 61 मामलों में से एक भी मामले में करीबी रिश्तेदार पति/पत्नी, भाई-बहन या बच्चा शामिल नहीं था। रिकॉर्ड में करीब 14 विभिन्न प्रकार की पारिवारिक वंशावली दिखाई गई। रिसीवर में 31 प्रतिशत मामलों में बहन का बेटा, 18 प्रतिशत मामले में पति की बहन का बेटा, 15 प्रतिशत मामले में पत्नी की बहन का बेटा, 15 प्रतिशत मामले में मां की बहन का बेटा और 5 प्रतिशत मामले पत्नी का भाई बताया गया।

पुलिस के अनुसार इनमें से अधिकांश मामलों में रिसीवर के करीबी रिश्तेदारों को जाली दस्तावेजों का उपयोग करके गलत तरीके से अयोग्य समझा गया ताकि मनगढ़ंत पारिवारिक वंशावली के माध्यम से नकली डोनर्स का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा व्यापक कार्यप्रणाली ऐसे अन्य रैकेटों से बहुत अलग नहीं थी। बांग्लादेश के गरीब व्यक्तियों को 4-5 लाख रुपए में किडनी दान करने के लिए लालच दिया जाता है और रिसीवर से लगभग 25 लाख रुपए वसूला जाता है।

गिरफ्तार बांग्लादेशियों ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि प्रत्येक प्रत्यारोपण के लिए लगभग 8 लाख रुपए कमा रहे थे।

पुलिस ने जिस ट्रांसलेटर को गिरफ्तार किया है, उसकी पहचान रसेल के रूप में हुई है। वहीं उसके ही देश का एक और नागरिक गिरफ्तार हुआ था। उनके लैपटॉप पर एक टेंपलेट के माध्यम से दस्तावेजों में हेरफेर किया गया। उनके पास से एक प्लास्टिक बॉक्स, विभिन्न अधिकारियों की 20 मुहरें, डिजिटल हस्ताक्षर, बैंक खाते की जानकारी, पुलिस वेरीफिकेशन रिपोर्ट, राष्ट्रीय आईडी की प्रतियां, राजू डायग्नोस्टिक एंड लैबोरेट्री की मेडिकल रिपोर्ट, 991 वर्ड फाइलों वाली एक पेन ड्राइव जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार इन सभी का इस्तेमाल नकली फैमिली वंशावली बनाने में तैयार किया गया था। रसेल ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि बांग्लादेश हाई कमीशन के एक अधिकारी ने मरीजों की फाइलों को तेजी से निपटाने के लिए हर एक मामले के लिए 20,000 रुपए की रिश्वत ली थी।

नशा तस्करी पर कसा जा रहा शिकंजा

अब गुजरात में जब्त हुई 518 किलो कोकीन

अंकलेश्वर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने गुजरात के अंकलेश्वर में दवा कंपनी की तलाशी के दौरान 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपए है। मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि मामले में अब तक कुल 1289 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड का परिष्कृत किस्म का 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना (गांजा) बरामद किया जा चुका है। जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपए है। जबकि 12 आरोपी पकड़े गए हैं।

एक और 10 अक्टूबर को जब्त हुई 700 किलो कोकीन की जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने पाया कि ड्रग्स अंकलेश्वर की अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से लाए गए थे। इसके बाद रविवार को स्पेशल सेल की एक टीम को गुजरात भेजा गया और कंपनी के गोदाम से कोकीन बरामद की गई। साथ ही मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों से दुबई और यूके से चल रहे कथित अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के बारे में पूछताछ की जा रही है।

इससे पहले एक अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने महिपालपुर में गोदाम से 562 किलोग्राम कोकीन व थाईलैंड का परिष्कृत किस्म का 40 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) बरामद किया था। बाजार में इनकी अनुमानित कीमत 5,620 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई थी।

स्पेशल सेल ने ड्रग तस्करों के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलोग्राम अतिरिक्त कोकीन बरामद की गई थी।

मामले की जांच दिल्ली प्रवर्तन निदेशालय ने शुरू की थी। उसने दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में अलग-अलग जगहों पर तलाशी अभियान चलाया था। बताया जा रहा है कि अभी तक भारत में कुल 1289 किलोग्राम कोकीन पकड़ी जा चुकी है। इतनी मात्रा में देश से कोकीन बरामद होने पर देश की सुरक्षा एंजेंसियां हाई अलर्ट मोड में आ गई हैं। सभी राज्यों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। स्पेशल सेल ने अब नार्को टेरर का लिंक भी खंगालना शुरू कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई ग़लती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त ख़राब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरूरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ, व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेंगे। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 15 अक्टूबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 12:21 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 10:09 तक
योग : वृद्धि दोपहर 02:13 तक
करण : कौलव दोपहर 02:05 तक
चन्द्रराशि : कुंभ सायं 04:49 तक
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:00 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 05:46 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष
व्रत , पंचक चालू है

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में पिछले 10-12 सालों से पार्टी संगठन ही नहीं था : सैलजा

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव एवं हरियाणा में सिरसा लोकसभा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने सोमवार को कहा कि कार्यकर्ताओं की पहचान संगठन होता है, जो कांग्रेस में पिछले 10–12 सालों से नहीं था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अनपेक्षित हार के संबंध में रोहतक में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि कांग्रेस हार जाएगी, सबको पूरी उम्मीद थी कि हरियाणा में सरकार कांग्रेस की बनेगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या संगठन का न होना भी कांग्रेस की हार का एक कारण रहा, सुश्री सैलजा ने कहा कि संगठन होना जरूरी है, क्योंकि संगठन कार्यकर्ताओं की पहचान होती है, कांग्रेस का राज्य स्तर से लेकर ब्लाक स्तर तक संगठन था ही नहीं, संगठन से पार्टी का काम होता है, कार्यकर्ताओं को पहचान मिलती है।

उन्होंने दावा किया कि हार से कांग्रेस कार्यकर्ता निराश जरूर हैं, पर हताश नहीं है और पार्टी चिंता न करके इस पर चिंतन कर रही है। उन्होंने कहा कि 10 साल विपक्ष में बैठे रहना आसान नहीं होता, पर कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की, जिसके लिये वे कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करती हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि आलाकमान की तरफ से एक तथ्यान्वेषी समिति कार्यकर्ताओं के बीच जाकर हार के कारणों की तलाश करेगी, इसके बाद समिति की रिपोर्ट पर ही उच्चकमान निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि हार–जीत के कई कारण होते हैं, हार के कारणों की समीक्षा जारी है, पार्टी सभी से जानकारी लेगी, इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है। क्या इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन हार का कारण बनी, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठाया गया है, अब देखना है कि आयोग इस पर क्या संज्ञान लेता है। क्या प्रदेश संगठन में कोई बदलाव होने जा रहा है, इस पर उन्होंने कहा कि इस बारे में कुछ नहीं कह सकती, ये सब हाईकमान के अधिकार क्षेत्र का मामला है।

उन्होंने इस बात से इनकार किया कि कांग्रेस की बैठक में हार पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि यह हार आपसी फूट के कारण हुई है और उन्होंने इस पर काफी नाराजगी जताई थी, कुमारी सैलजा ने कहा कि यह अनकही बातें हैं, श्री गांधी की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है। यह पूछने पर कि 10 साल कांग्रेस विपक्ष में रही और अब अगले पांच साल फिर विपक्ष में बैठेगी, ऐसे में कार्यकर्ताओं का क्या होगा, के जवाब में उन्होंने कहा कि राजनीति का नाम ही संघर्ष है, जो कमियां रहीं, उन्हें दूर करेंगे, पांच साल तक जनता को कांग्रेस से जोडेंगे, सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर आवाज उठायेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस 36 बिरादरी की पार्टी है, वह सभी को साथ लेकर चलती है, पर सामाजिक रूप से कुछ बातें होती है। कांग्रेस में सब बातों को लेकर मंथन हो रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों की क्या इच्छा थी, उन्हें क्या दिखाया गया, लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी, इसे भी देखना होगा। कुछ कांग्रेस उम्मीदवारों का आरोप है कि वे हारे नहीं हराये गये हैं, इन बयानों पर उन्होंने कहा कि सबके अपने अपने अनुभव हैं, सभी जीतने के लिये ही चुनाव लड़ते हैं।

भाजपा के केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की विधायकों से बैठक कल : सैनी

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को बताया कि भारतीय जनता पार्टी के पर्यवेक्षकों की नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक बुधवार को होगी, जिसमें विधायक दल के नेता का चुनाव किया जायेगा।भाजपा ने रविवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को हरियाणा में विधायक दल का नेता चुनने के लिये केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की थी।

श्री सैनी सोमवार को गुवाहटी में कामाख्या मंदिर गये थे। वहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि पर्यवेक्षकों की विधायकों के साथ बैठक 16 अक्टूबर को होगी और नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को पंचकुला में दशहरा मैदान पर होगा। उनके साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन बड़ौली भी थे।

चुनाव के आठ अक्टूबर को आये नतीजों के अनुसार 90–सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटें जीती हैं और तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने की इस्तीफे की पेशकश

कहा– किसी और को दे दें जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने विधानसभा चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है। बाबरिया ने कहा कि पिछले सप्ताह हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के तुरंत बाद उन्होंने हाईकमान को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, लेकिन इस मामले में उन्हें कोई निर्णय नहीं बताया गया। बाबरिया ने कहा कि पिछले सप्ताह नतीजों के बाद मैंने इस्तीफा देने की पेशकश की थी।

मैंने हाईकमान को कहा था कि आप मेरी जगह किसी और को ला सकते हैं। मेरी तबीयत ठीक नहीं है और नतीजों के बाद यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। इसे ध्यान में रखते हुए मैंने हाईकमान से कहा था कि अगर आप ठीक समझें तो मेरी जगह किसी और को ला सकते हैं।

लोकसभा चुनावों के बाद भी मैंने दिल्ली के प्रभारी पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इसी तरह, हरियाणा के लिए भी कोई निर्णय नहीं लिया गया, लेकिन इस्तीफा देने की पेशकश करना मेरी जिम्मेदारी थी।

कांग्रेस हाईकमान ने पिछले गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार पर समीक्षा बैठक की और एक तथ्य–खोजी टीम बनाने का फैसला किया। बैठक के दौरान नेताओं ने हरियाणा में अप्रत्याशित नतीजों के संभावित कारणों पर चर्चा की और ऐसे नतीजों के पीछे के कारणों का पता लगाने तथा पार्टी उम्मीदवारों द्वारा लगाए गए ईवीएम में विसंगतियों की शिकायतों की जांच करने के लिए एक टीम गठित करने का फैसला किया। समीक्षा बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल, चुनाव के लिए एआईसीसी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत और अजय माकन के साथ–साथ राज्य के एआईसीसी सचिवों ने भाग लिया। हरियाणा के एआईसीसी प्रभारी बाबरिया बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए।

पूनियां के चंडीगढ़ पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

चंडीगढ़/जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हरियाणा प्रभारी एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के हीरो डा. सतीश पूनियां के सोमवार को हरियाणा पहुंचने पर उनका पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। गुरुवार को हरियाणा में नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होगा और सोमवार को डा पूनियां जब चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचे तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग भी मौजूद थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने डा पूनियां को गुलाब का फूल देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान श्री चुग डा. पूनियां के आगे कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते चल रहे थे और कार्यकर्ता डा पूनियां का स्वागत कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि डॉ. पूनियां अपने अपेंडिक्स के आपरेशन के चलते गत आठ अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम के दिन स्वास्थ्य लाभ के लिए जयपुर लौट आये थे। उस दिन जयपुर पहुंचने पर उनका जोरदार एवं भव्य स्वागत किया गया। हरियाणा में भाजपा की इस बार अप्रत्याशित जीत का श्रेय भाजपा के नेता और कार्यकर्ता डा पूनियां को दे रहे हैं और इसके चलते पिछले सात–आठ दिन में जीत के हीरो डा पूनियां से मिलने एवं उनका स्वागत के लिए राजस्थान के प्रदेश उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, शिक्षा मंत्री मदन दिलावार, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, कई सांसद एवं विधायक, भाजपा के प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल एवं श्रवण बगड़ी तथा अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा।

सडक़ हादसे में युवक की मौत

हिसार, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के उकलाना क्षेत्र के गांव साहू के पास रविवार देर रात एक कार के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव किनाला के साहिल (22) के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ, जब साहिल गाड़ी में सवार होकर कैथल से अपने गांव किनाला आ रहा था। जब वह गांव साहू के पास पहुंचा, तो गाड़ी अचानक से बेकाबू हो गयी। गाड़ी अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़े सीधे पेड़ से जा टकराई, जिस कारण गाड़ी पूरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गयी और साहिल गम्भीर रूप से घायल हो गया। साहिल को घायल अवस्था में इलाज के लिये उकलाना ले जाया गया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुये हिसार रेफर कर दिया गया। उसके बाद परिजन घायल अवस्था में साहिल को हिसार लेकर गये, लेकिन घायल साहिल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

आश्रयहीन और नि:शक्तों को अपना घर आश्रम में भर्ती किया जाएगा

केकड़ी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार की पहल पर पीड़ित मुक्त राजस्थान अभियान के तहत राज्य को आश्रयहीन, असहाय नि:शक्त लावारिस मुक्त करने के उद्देश्य से संस्था मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर भरतपुर और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशेष राहत अभियान सम्पूर्ण राजस्थान में एक साथ चलाया जायेगा।

केकड़ी के जिला समाज कल्याण अधिकारी इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को बताया कि केकड़ी जिले में 16 अक्टूबर को विशेष राहत अभियान की शुरुआत की जायेगी। इसके तहत सार्वजनिक, धार्मिक स्थल, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैण्ड आदि के आस–पास रह रहे और घूमते हुए लावारिस बीमार एवं लाचार महिला एवं पुरूष को अपना घर आश्रमों में भर्ती किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के लिये संस्था द्वारा केन्द्रीय हेल्प लाइन नम्बर 9950737673 एवं 8764396814 (अपना घर आश्रम अजमेर) एवं संभाग प्रभारी नरेन्द्र तिवारी 9414942415 जारी किया गया है। जिस पर कोई भी सेवा भावी नागरिक असहाय लाचार की सूचना दे सकेंगे। यह अभियान केकड़ी, सावर, देवली आदि क्षेत्र में 16 अक्टूबर को चलेगा। अपना घर आश्रम भरतपुर द्वारा इस अभियान के लिये 14 राहत दल बनाये गये हैं। इन दलों के पास कुल 35 एम्बुलेंस, 120 सेवासाथी, 14 प्रभारी लगाये गये हैं। इसके अलावा अभियान में राजस्थान में संचालित संस्था के सभी 22 आश्रमों के पदाधिकारी एवं स्टाफ अपने–अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिला एवं पुरूष प्रभुजनों को राहत प्रदान की जायेगी। महिला प्रभुजनों को सम्पूर्ण राजस्थान से भरतपुर, अजमेर, जयपुर एवं कोटा आश्रमों में प्रवेश दिया जायेगा।

जिला परिषद चेयरमैन दीप मलिक जाखौली के हाथ से छिटकी कुर्सी

अविश्वास प्रस्ताव पारित, 20 में से 17 पार्षदों ने विरोध में किया मतदान

अविश्वास प्रस्ताव के लिए की गई वोटिंग का परिणाम हुआ जारी

कैथल, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिला परिषद कैथल अध्यक्ष दीप मलिक जाखौली के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए की गई वोटिंग का सोमवार को परिणाम जारी किया गया। परिणाम के तहत अब दीपक मलिक उर्फ दीप जाखौली के हाथ से जिला परिषद की अध्यक्ष की कुर्सी छिटक गई है। अब जल्द ही नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

बता दें कि 20 में से 17 पार्षदों ने प्रस्ताव के लिए वोटिंग की थी। परिणाम में सामने आया कि सभी वोट चेयरमैन के खिलाफ पड़े हैं। गौरतलब है कि दीपक मलिक उर्फ दीप जाखौली विधानसभा चुनाव के दौरान ही कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। अध्यक्ष के खिलाफ इन 17 पार्षदों ने 27 जुलाई को वोटिंग की थी। परंतु मौके पर ही पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में अध्यक्ष की ओर से याचिका डालने पर हाईकोर्ट ने परिणाम पर रोक लगा दी थी।

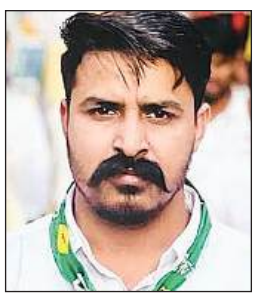

इस दौरान केवल पार्षदों ने वोटिंग ही की थी। इसके बाद विधानसभा चुनाव के बीच में हाईकोर्ट ने परिणाम घोषित करने का निर्णय सुनाया था, लेकिन आचार संहिता लगने के कारण प्रशासन ने इसे रोक लिया था, जो आज जिला सभागार में घोषित किया गया। लोकसभा चुनावों के बाद से जजपा समर्थित अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उसे हटाने की रणनीति रची गई। जिसके चलते 12 जुलाई को भाजपा समर्थित 15 पार्षदों ने डीसी को अविश्वास का शपथ पत्र दिया। अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 19 जुलाई को अविश्वास प्रस्ताव के लिए होने वाली वोटिंग पर रोक लगाने से इंकार कर दिया, परंतु चुनाव परिणाम घोषित करने के लिए उसके फैसले का इंतजार करने को कहा। कोर्ट ने इस पूरे मामले को लेकर सरकार से इसका जवाब मांगा था। जिला प्रशासन ने अब इस मामले में अपना जवाब पेश किया गया है, जिसमें अविश्वास को संवैधानिक व नियमों के मुताबिक बताया है। भाजपा समर्थित जिला परिषद के उपाध्यक्ष कर्मबीर कौल ने बताया कि 17 पार्षदों ने वोटिंग की थी। इसमें 12 से 13 भाजपा समर्थित पार्षद शामिल रहे हैं। जबकि अन्य चार से पांच पार्षद अन्य पार्टियों और निर्दलीय रहे हैं। उपाध्यक्ष ने बताया कि जिला प्रशासन अब चुनाव आयोग से पत्राचार कर जल्द ही नए अध्यक्ष के चुनाव की तिथि की घोषणा कर देगा। इसके बाद नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

डीग में डिप्थीरिया से सात बच्चों की मौत, टीकाकरण अभियान शुरू

भरतपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग जिले के कई क्षेत्रों में एक महीने में डिप्थीरिया से सात बच्चों की मौत एवं इस बीमारी के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और जयपुर चिकित्सा विभाग के दलों ने डीग जिले में गांव–गांव में बच्चों का टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

चिकित्सा सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस दौरान डिप्थीरिया से पीड़ित संदिग्ध बच्चों के लिये गये नमूने की जांच में 24 बच्चे पॉजिटिव पाये गये हैं, जबकि बड़ी संख्या में नमूने की जांच अभी बाकी है। सूत्रों ने बताया कि 14 सितंबर को सबसे पहले कामां इलाके में डिप्थीरिया से एक बच्चे की मौत की सूचना पर चिकित्सा विभाग ने कामां और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की जांच करना शुरू किया, जिसके बाद पहाड़ी क्षेत्र में भी एक बच्चे की मौत हो गयी।

बताया गया कि डिप्थीरिया फैलने की सूचना के बाद सर्वे तेज किया गया। इस बीच डिप्थीरिया की रफ्तार में गिरावट आने के बाद अचानक से फिर डिप्थीरिया फैलने लगा जिससे कामां में फिर से एक बच्चे एवं नगर में चार बच्चों की मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि कामां के सुमित (7), अकरीन (5) की मौत हो चुकी है, जबकि नगर में सुमित (6), मोनिश (3), शीजन (5), अल्फेज (3), पहाड़ी में आसिफा (3) की डिप्थीरिया से मौत हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि नवजात बच्चों से लेकर 16 साल के उम्र तक के बच्चों को होने वाली डिप्थीरिया बीमारी में बच्चों के गले में सूजन, खांसी, बुखार हो जाता है।

बच्चों ने देखी राजस्थान विधानसभा

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राज्य के विभिन्न जिलों के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर जयपुर आकर राजस्थान विधानसभा और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर ज्ञानवर्धन कर रहे है।

डीडवाना–कुचामन जिले की कुचामन सिटी के बी. आर. खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान के कक्षा छह से सारह तक के विद्यार्थीऔर शिक्षक ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा आये और विधानसभा जन दर्शन के तहत विधानसभा को देखा और अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात की। इस अवसर पर श्री देवनानी ने बच्चों से परिचय लिया। उनके विद्यालय, पढाई और खेल गतिविधियों की जानकारी ली। श्री देवनानी ने कहा कि बच्चे पढे, आगे बढ़े और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने बच्चों से कहा कि राष्ट्र प्रथम है। हमारे कार्यों में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव होनी चाहिए। श्री देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र पर गर्व की अनुभूति करें। श्री देवनानी ने इस वर्ष 18 मई से राजस्थान विधान सभा जन–दर्शन कार्यक्रम आरम्भ किया था। इस कार्यक्रम के तहत आमजन सुबह दस बजे से सांय पांच बजे तक विधानसभा के द्वार संख्या सात से आधार कार्ड की फोटो प्रति जमा कराकर विधानसभा में प्रवेश कर राजनीतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर सकते है। उन्होंने बताया कि विधानसभा जन–दर्शन के तहत आमजन का विधानसभा से जुडाव को बढावा मिल रहा है। राजस्थानी शैली एवं विशिष्ट वास्तुकला का दिग्दर्शन कराने वाली विधानसभा की अनूठी ईमारत में देश, प्रदेश के आमजन, शोधार्थी, पर्यटक और विद्यार्थी आसानी से भ्रमण कर राज्य के राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी का लाभ उठा रहे है।

करवा चौथ पर इस साल सिर्फ 1 घंटे 16 मिनट का ही मुहूर्त

करवा चौथ का व्रत हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण व्रत में से एक है । इस दिन सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं । इस व्रत को करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती है। करवा चौथ का व्रक कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय के साथ चंद्रमा देव और करवा माता की पूजा होती है।

इस व्रत में चंद्रमा की पूजा का बहुत महत्व है। चंद्रोदय होते ही महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण अपने पति के हाथ से जल ग्रहण करके करती हैं।

हिंदू पंचांग अनुसार कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस तिथि की शुरुआत 20 अक्टूबर 2024, रविवार को सुबह 6:46 से 21 अक्टूबर, सोमवार सुबह 4:16 तक है। इस साल 20 अक्टूबर 2024 को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा।

पंचांग अनुसार करवा चौथ की पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर 2024, रविवार को शाम 5:46 से शाम 7:02 तक है।

इस बार करवा चौथ का शुभ मुहूर्त केवल 1 घंटे 16 मिनट तक है।

सुहागिन महिलाएं इस दौरान करवा चौथ की पूजा कर सकती हैं।

चंद्रोदय का समय शाम 7:54 मिनट का है।

हिंदू धर्म में करवा चौथ के व्रत का बहुत महत्व है। करवा चौथ का व्रत पति-पत्नी के प्रेम का प्रतीक माना जाता है। सुहागिन महिलाएं करवा चौथ का व्रत अपने पति की लंबी आयु और अपने सुहाग की रक्षा के लिए करती हैं। इस व्रत को करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाओं को लाल रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए, क्योंकि लाल रंग सुहाग का प्रतीक है।

-सुहागिन महिलाओं को 16 श्रृंगार करके ही पूजा करनी चाहिए।

-चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण करें।

-अपने पति के हाथ से जल ग्रहण करें ।

-व्रत के दौरन किसी को अपशब्द नहीं बोलने चाहिए।

-व्रत के दौरन अन्न-जल का सेवन नहीं करना चाहिए।

कार्तिक मास 18 से

सुख-समृद्धि के लिए ऐसे करें पूजा, इन बातों का रखें ध्यान

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की शुरुआत होने वाली है। इस महीने भगवान विष्णु लंबे समय के विश्राम के बाद जागते हैं। इसलिए कार्तिक मास को धार्मिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इस महीने भगवान विष्णु और भगवान श्रीकृष्ण की उपासना करने से जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति मिलती है। साथ ही सुख और समृद्धि की प्राप्ति भी होती है। आइए जानते हैं कार्तिक मास कब से शुरू हो रहा है और इस महीने के नियम क्या हैं।

कार्तिक मास की शुरुआत 18 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसका समापन 15 नवंबर को होगा। इस महीने प्रतिदिन सुबह उठकर पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। यह महीना 'कार्तिक स्नान' के लिए भी महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इस महीने पवित्र नदी में स्नान करने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही भजन-कीर्तन, दीपदान और तुलसी के पौधे की पूजा करना भी शुभ माना जाता है।

कार्तिक के महीने में श्री हरि जल में वास करते हैं। यह महीना भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यधिक शुभ माना जाता है। मइस दौरान प्रतिदिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही तुलसी के पौधे की उपासना करना भी जरूरी है। सुबह और शाम तुलसी के पौधे के पास देसी घी का दीपक जलाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, अपनी श्रद्धानुसार गरीबों को गर्म कपड़े, भोजन, या धन का दान करना भी पुण्यकारी माना जाता है।

इस महीने तामसिक भोजन से परहेज करना चाहिए। किसी भी प्रकार की अपशब्द या गलत व्यवहार से बचना चाहिए। तन और मन की स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के पशु-पक्षी को नुकसान पहुंचाने से भी बचना चाहिए। इस माह में संयम और साधना का विशेष महत्व है, जो जीवन को पवित्रता और शांति प्रदान करती है।

दिवाली से पहले सफाई में घर से बाहर फेंक दें ये सामान

वरना नहीं आएंगी मां लक्ष्मी

सनातन धर्म में होली, दीपावली और दशहरा जैसे बड़े त्यौहार बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष दीपावली का पर्व कई जगहों पर 31 अक्टूबर तो कहीं-कहीं 1 नवंबर को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार कहा जाता है इस दिन भगवान श्री राम 14 साल का वनवास पूरा करने के बाद अयोध्या पहुंचे थे जिसकी खुशी में अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत भी किया था।

ऐसे में दीपावली से जुड़े कुछ वास्तु शास्त्र में नियम भी बताए गए हैं। कहा जाता है इस नियम का पालन करने से घर में माता लक्ष्मी का आगमन होता है और जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं रहती है, तो चलिए आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताते हैं कि दीपावली के दौरान वास्तु शास्त्र के किस नियम का पालन करना चाहिए। सनातन धर्म वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार प्रत्येक पाव और त्योहार में इस नियम का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। दीपावली का पर्व आने वाला है और दीपावली में ऐसा माना जाता है कि वास्तु शास्त्र के नियम का पालन करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। दीपावली के दौरान घर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि माता लक्ष्मी का वास साफ सफाई वाली जगह पर ही होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में टूटा हुआ शीशा रखने से नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। ऐसी स्थिति में दीपावली से पहले घर से टूटा हुआ शीशा निकाल दें। इसके अलावा बंद घड़ी भी निकाल देनी चाहिए।

यदि आपके घर अथवा मंदिर में किसी देवी देवता की खंडी प्रतिमा विराजमान हैं, तो उसे यह दीपावली से पहले किसी पवित्र नदी अथवा तालाब में विसर्जित कर दें।

वास्तु दोष के कारण हो सकती हैं बीमारियां

मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी वास्तु का प्रभाव पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि दवा-परहेज करने के बाद भी बीमारी व्यक्ति का पीछा ही नहीं छोड़ती। शास्त्रों में कहा जाता है कि प्रथम सुख निरोगी काया अर्थात शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति का प्रथम लक्ष्य है। यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ होता है तो वे अपने दैनिक कार्यों को सुचारू ढंग से करने में सक्षम रहता है। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर-मकान से जुड़े दोष व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं। यदि घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में टॉयलेट या फिर सीढ़ियां बनी होती हैं तो घर की मुख्य महिला ही नहीं, बल्कि अन्य सदस्यों को भी मानसिक तनाव या मस्तिष्क से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि घर की उत्तर एवं उत्तर-पूर्व दिशा का बंद होना और दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा का खुला होना भी एक गंभीर वास्तु दोष है। ऐसा होने पर घर के भीतर बीमारी और खर्च दोनों ही अत्यधिक बढ़ जाते हैं। किचन के चूल्हे पर खाना बनाते समय घर की महिला का मुंह भूलकर भी दक्षिण दिशा की तरफ नहीं होना चाहिए। ऐसी सूरत में कमर दर्द, सर्वाइकल, जोड़ों का दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व दिशा में सिर यानी पश्चिम दिशा में पैर करके सोना स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा होता है। दरअसल, सूरज पूर्व दिशा की ओर से निकलता है। सूरज की पहली किरण पूर्व दिशा में ही देखने को मिलती है।

ईशान कोण में बना शौचालय बहुत बड़ा वास्तु दोष माना जाता है। देवस्थान पर बना टॉयलेट घर की महिलाओं को न सिर्फ बीमार बनाता है बल्कि संतान सुख में भी कमी आती है। घर का ईशान

कोण ऊंचा हो और बाकी सभी दिशाएं उससे नीची हों तो घर की महिलाओं को गंभीर बीमारी होने की आशंका बनी रहती है। उत्तर दिशा की तरफ सिर करके सोने से माइग्रेन, साइनस, सिर दर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। बेड के सामने शीशा होने से सोते समय छवि दर्पण में नज़र आने से व्यक्ति धीरे-धीरे बीमार होने लगता है।

आइए वास्तु विशेषज्ञ से वास्तु के अनुसार जानते हैं वो कौन से कारण हो सकते हैं जिससे घर में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आती हैं।

अनिद्रा

वास्तुशास्त्र में पूर्व तथा उत्तर दिशा का हल्का और नीचा होना तथा दक्षिण व पश्चिम दिशा का भारी व ऊंचा होना अच्छा माना गया है। यदि पूर्व दिशा में भारी निर्माण हो तथा पश्चिम दिशा एकदम खाली व निर्माण रहित हो तो अनिद्रा का शिकार होना पड़ सकता है।

उत्तर दिशा में भारी निर्माण हो परन्तु दक्षिण और पश्चिम दिशा निर्माण रहित हो तो भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है। अनिद्रा से आपको कई तरह की बीमारियां घेर सकती हैं तो इस वास्तु का ध्यान रखकर आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

चक्कर, बेचैनी और सिरदर्द

गृहस्वामी अग्निकोण या वायव्य कोण में शयन करें या उत्तर में सिर व दक्षिण में पैर करके सोए तब भी अनिद्रा या बेचैनी, सिरदर्द और चक्कर जैसी परेशानी हो सकती है, जिसके कारण दिन भर थकान की समस्या हो सकती है। धन आगमन और स्वास्थ्य की दृष्टि से दक्षिण या पूर्व की ओर पैर करना अच्छा माना गया है।

हार्ट अटैक, लकवा, हड्डी और स्नायु रोग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिशा में प्रवेश द्वार या हल्की चाहरदीवारी अथवा खाली जगह होना शुभ नहीं है। ऐसा होने से हार्ट अटैक, लकवा हड्डी एवं स्नायु रोग संभव हैं। अतः यहां प्रवेश द्वार या खाली जगह छोड़ने से बचना चाहिए।

हड्डी के रोग

रसोई घर में भोजन बनाते समय यदि गृहणी का मुख दक्षिण दिशा की ओर है तो त्वचा एवं हड्डी के रोग हो सकते हैं। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके भोजन पकाने से पैरों में दर्द की संभावना भी बनती है। इसी तरह पश्चिम की ओर मुख करके खाना पकने से आंख, नाक, कान एवं गले की समस्याएं हो सकती है। पूर्व दिशा की ओर चेहरा करके रसोई में भोजन बनाना स्वास्थ्य के लिए श्रेष्ठ माना गया है।

वायु रोग और रक्त विकार

दीवारों पर रंग-रोगन भी ध्यान से करवाना चाहिए। काला या गहरा नीला रंग वायु रोग, पेट में गैस, हाथ-पैरों में दर्द, नारंगी या पीला रंग ब्लड प्रेशर, गहरा लाल रंग रक्त विकार या दुर्घटना का कारण बन सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए दीवारों पर दिशा के अनुरूप हल्के एवं सात्विक रंगों का प्रयोग करना चाहिए।

जोड़ों का दर्द और गठिया

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ध्यान रहे कि आपके भवन की दीवारें एकदम सही सलामत हों, उनमें कहीं भी दरार या रंग रोगन उड़ा हुआ या फिर दाग-धब्बे आदि न हों वरना वहां रहने वालों में जोड़ों का दर्द, गठिया, कमर दर्द, सायटिका जैसे समस्याएं हो सकती हैं।

■ ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

दीपावली पर घर लाएं यह चमत्कारी पौधा?

व्यापार और धन में होगी बढ़ोतरी, नौकरी में भी मिल सकता प्रमोशन

हम लोग अपने घरों में मनी प्लांट जैसे कई प्रकार के प्लांट्स लगाते रहते हैं। इनमें से कई पौधों को हम बिना वास्तु के नजरिए से भी लगा देते हैं। जबकि हर पौधा आपके घर और वास्तु को प्रभावित करता है। ऐसे में आज हम आपको एक चमत्कारी पौधे के बारे में बताएंगे। ये पौधा मनी प्लांट से भी ज्यादा चमत्कारी है और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकता है। इस पौधे का नाम क्रासुला है। जी हां क्रासुला के पौधे को कुबेर देवता का प्रिय पौधा माना जाता है। इसकी एक खास बात यह भी है कि इसे लगाने के लिए आपको कोई खास जगह की जरूरत नहीं होती। लेकिन सवाल यह है कि इस पौधे को कहां लगाएं और इसे लगाना क्यों फायदेमंद है।

क्रासुला को शुक्र ग्रह जो कि धन का योग बनाता है उससे जोड़ कर देखा जाता है। माना जाता है कि कुबेर देवता को यह पौधा काफी पंसद है और इसलिए इस पौधे को लगाने से घर में कुबेर देवता की कृपा आती है। इसके अलावा ये कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत करता है और धन लाभ में मदद करता है। लेकिन इसके लिए जरूरी यह है कि आप इसे सही दिशा में लगाएं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, कुबेर का पौधा लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। इस पौधे को लगाने से जुड़ी कुछ खास बातें-

क्रासुला का पौधा कहां लगाना चाहिए?

धन लाभ के लिए उत्तर दिशा में लगाएं: अगर आपको लगातार आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है या घर में पैसे की कमी बनी रहती है तो आपको इस पौधे को घर की उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इस पौधे को लगाते समय ध्यान रखें कि ये अंधेरे में ना रहे और इसकी पत्तियां हमेशा साफ रहें।

नौकरी में प्रमोशन के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें: क्या आप नौकरी में प्रमोशन चाहते हैं तो इस पौधे को घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें या फिर आप इस पौधे को ऑफिस में अपने डेस्क पर भी रख सकते हैं। ये आपके लिए प्रमोशन का योग बनाएगा।

बिजनेस में कैश काउंटर के ऊपर रखें ये पौधा: अगर आप बिजनेस कर रहे हैं तो आपको इस पौधे को कैश काउंटर के ऊपर रखना चाहिए। इससे कुबेर देवता का आशीर्वाद बना रहता है, इसके अलावा ये आपके बिजनेस को बढ़ाने और प्रॉफिट की ओर ले जाने में मदद करेगा।

समृद्धि के लिए इसे घर की बालकनी और छत पर रखें :अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में समृद्धि बनी रहे तो आप इस पौधे को घर की बालकनी और छत पर रख सकते हैं। दरअसल जितना ज्यादा ये पौधा खुशहाल रहता है यानी कि लगातार इसे धूप मिलती रहती है उतनी ही आपके घर में समृद्धि बनी रहती है।

नोट:- ध्यान रखें कि इस पौधे को घर के बंद हिस्सों, दरवाजों और बेड रूम लगाने से बचें, ऐसा करने से ये नकारात्मक ऊर्जा का कारण भी बन सकती है।

सुबह उठते ही भूलकर भी न देखें ये 5 चीजें, मानी जाती हैं बेहद अशुभ

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इसमें तमाम ऐसे कार्यों का जिक्र है, जिन्हें करने न करने की सलाह दी गई है। खासतौर पर सुबह उठते समय। जी हां, वास्तु शास्त्र कहता है कि, सुबह उठते ही कुछ चीजों को देखने से बचना चाहिए। ये चीजें अशुभता लाती हैं, जिससे इंसान परेशानियों की जद में आ सकता है। इसलिए ज्यादातर बड़े-बुजुर्ग अपने बच्चों को सुबह-सुबह सबसे पहले अपने हाथों की हथेलियों को देखने को कहते हैं। मान्यताओं के अनुसार, हथेलियों में मां लक्ष्मी का वास होता है परंतु क्या आप जानते हैं कि हमारी दिनचर्या में कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें सुबह उठते से ही नहीं देखना चाहिए? अब सवाल है कि आखिर वो कौन सी 5 चीजें हैं, जिन्हें सुबह उठते ही नहीं देखना चाहिए? क्या है इसकी वजह?

बंद घड़ी :- वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि घर में घड़ी बंद है या खराब हो गई है तो उसे सामने न रखें। यह अशुभता का कारण बन सकती है। बता दें कि, यदि आपको सुबह उठते ही बंद घड़ी दिखाई देती है तो यह संकेत माना जाता है कि कोई बड़ी समस्या आपके जीवन में आने वाली है।

खंडित मूर्ति:- ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, घर में किसी भी देवता की खंडित मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। यहां तक कि इन्हें पूजा घर में भी न रखें।

इसकी अनदेखी करने से जीवन में निगेटिव प्रभाव देखने को मिल सकता है। साथ ही मनुष्य के जीवन में कष्ट भी बढ़ सकते हैं।

टूटा आईना:- घर में टूटा आईना यानी सीसा भी नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि, यदि कोई व्यक्ति सुबह-सुबह उठने के साथ ही ऐसा आईना देखता है तो यह अशुभता का कारण बन सकता है। कहा जाता है इस अनदेखी करने वाले जातकों के बने बनाए काम के बिगड़ सकते हैं।

परछाई:- सुबह-सुबह उठकर परछाई भी नहीं देखनी चाहिए। फिर चाहें वो खुद की हो या किसी और की। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि सुबह आंख खुलते ही आप परछाई देख लेते हैं तो ये आपके लिए अशुभ हो सकता है। इसे मृत्यु, अस्वीकृति, घृणा या अंधकार से जोड़कर देखा जाता है।

जूठे बर्तन:- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सुबह जागते के साथ ही जूठे या गंदे बर्तन देखने से बचना चाहिए। इनसे रिश्तों में दरार पैदा होती है और घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। इसके अलावा इसे कंगाली का संकेत भी माना जाता है। इसलिए कोशिश करें रात को खाने के बाद बर्तन साफ कर लें।

राम चरण-कियारा आडवाणी की गेम चेंजर क्रिसमस पर नहीं होगी रिलीज

राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत गेम चेंजर अब क्रिसमस पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। फिल्म की नई रिलीज डेट का अनाउंसमेंट ऑफिशियल तौर पर किया गया है। फिल्म निर्माता दिल राजू ने दशहरा के अवसर पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें बताया गया कि गेम चेंजर अब कब रिलीज होगी। तो आइए जानते हैं फिल्म की नई रिलीज डेट।राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर गेम चेंजर पहले क्रिसमस के मौके पर 2024 में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसकी रिलीज डेट को पोस्टपोन करते हुए इसे संक्रांति 2025 में रिलीज किया जा रहा है। हाल ही में फिल्म निर्माता दिल राजू ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई।

दरअसल भारत और विदेश में डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित कारणों की वजह से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। इसीलिए मेकर्स ने तय किया कि संक्रांति का टाइम सही रहेगा।इसके अलावा मेकर्स ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि गेम चेंजर का पोस्ट प्रोडक्शन का काम इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। वहीं मेकर्स ने एक और खूशखबरी दी कि दिसंबर के आसपास ही फिल्म का टीजर भी रिलीज किया जाएगा। राम चरण अभिनीत आगामी फिल्म गेम चेंजर, शंकर द्वारा निर्देशित है और कार्तिक सुब्बाराज की कहानी पर आधारित है।

इस राजनीतिक ड्रामा में राम चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने आसपास की भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था को साफ करने के लिए काम करते हैं। राम के अलावा, इस पॉलीटिकल ड्रामा फिल्म में कियारा आडवाणी, एसजे सूर्या, अंजलि, जयराम, श्रीकांत, सुभलेखा सुधाकर, सुनील, नासर और कई अन्य कलाकार खास रोल में हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो राम चरण निर्देशक बुची बाबू सना के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसे अस्थायी रूप से आरसी 16 नाम दिया गया है। यह फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा है जिसमें जाह्नवी कपूर और शिव राजकुमार अहम रोल में हैं।

आलिया भट्ट की जिगरा की बढ़ी कमाई

आलिया भट्ट एक बार फिर अपनी दमदार एक्टिंग के साथ पर्दे पर लौट आई हैं। वेदांग रैना के साथ उनकी फिल्म जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक ओपनिंग की थी। वहीं दूसरे दिन अब जिगरा के कलेक्शन में इजाफा होता दिखाई दिया है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और वेट्टैयन के साथ क्लैश के बावजूद फिल्म ने दो दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।सैकनिल्क की मानें तो जिगरा ने पहले दिन 4.55 करोड़ के कलेक्शन के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म की रफ्तार थोड़ी बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6.50 करोड़ की दमदार कमाई कर ली। ऐसे में भारत में जिगरा ने अब दो दिन में कुल 11.05 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है।जिगरा का सामना बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से हुआ था। जिगरा का कलेक्शन फिलहाल राजकुमार राव की फिल्म से कम है। जहां जिगरा ने दो दिन में 11.05 करोड़ रुपए कमाए हैं तो वहीं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के दो दिन का कलेक्शन 12 करोड़ रुपए है। इसके अलावा साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन भी 10 अक्टूबर से सिनेमाघरों में है। ये फिल्म ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है और सिर्फ शनिवार को ही इसने 26.1 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था।जिगरा में आलिया भट्ट और वेदांग रैना लीड रोल्स में हैं। फिल्म को वासन बाला ने डायरेक्ट किया है। रिलीज के बाद फिल्म पर दिव्या खोसला की फिल्म सवी की कॉपी करने का आरोप लगाया जा रहा है। दिव्या खोसला ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाते हुए जिगरा के मेकर्स को इनडायरेक्टली निशाने पर लिया है।

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट शूटिंग के बीच खाली समय में क्या करती हैं? किया खुलासा

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने आखिरकार दुनिया के साथ साझा किया है कि जब उनके पास शूटिंग के बीच खाली समय होता है तो वह तस्वीरों के लिए पोज देती हैं और तस्वीरें लेती हैं।जेनिफर ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत जगहों और खाने की कुछ तस्वीरें साझा की। पहली तस्वीर में जेनिफर कैमरे के सामने पोज देती हुई और लेंस की तरफ देखकर मुस्कुराती हुई दिख रही थी। दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री बीच पर सफेद कवर में बैठी हुई दिख रही थी। तीसरी तस्वीर में अभिनेत्री की सिल्हूट की तस्वीर थी। आखिरी तस्वीर में उनके खाने की तस्वीर थी। प्लेट पर लिखे रेस्टोरेंट के नाम से ऐसा लगता है कि अभिनेत्री गोवा में हैं।उन्होंने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, अगर आपने कभी सोचा है कि शूटिंग के बीच में जब मुझे खाली समय मिलता है तो मैं क्या करती हूं? तो यह बिल्कुल वैसा ही है!अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की, जिसमें वह एक सोफे पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और उन्होंने काले रंग का सूट और गले में सोने की चेन पहन रखी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा: स्थिर मन और स्थिरता के बीचविंगेट ने 1995 की फिल्म अकेले हम, अकेले तुम से बतौर बाल कलाकार अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने 2002 में शाका लाका बूम-बूम से टेलीविजन पर शुरुआत की। यह बच्चों का फैंटेसी एडवेंचर टेलीविजन शो है, जिसमें विशाल सोलंकी और हंसिका मोटवानी मुख्य भूमिका में हैं।मुंबई में जन्मी अभिनेत्री ने कुसुम में सिमरन, कोई दिल में है में प्रीति, कसौटी जिंदगी की में स्नेहा बजाज गिल, क्या होगा निम्मो का में नताशा, कहीं तो होगा में स्वेतलाना की भूमिका निभाई हैं।मेडिकल ड्रामा दिल मिल गए में उनकी भूमिका ने उन्हें प्रमुख स्टारडम हासिल करने में मदद की। शो संजीवनी - ए मेडिकल बून के सीक्वल में उनके पूर्व पति करण सिंह ग्रोवर, शिल्पा आनंद, करण वाही और मोहनीश बहल भी शामिल थे।फिक्शन के अलावा, 39 वर्षीय अभिनेत्री ने रियलिटी शो में भी काम किया है। उन्हें जरा नच के दिखा की विजेता घोषित किया गया था। उन्होंने नचले वे विद सरोज खान, कॉमेडी का महा मुकाबला, लाफ्टर के फटके और देख इंडिया देख जैसे रियलिटी शो की मेजबानी भी की है।वह कानूनी ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में भी काम कर रही हैं।

दूसरे दिन बढ़ा राजकुमार की फिल्म का कलेक्शन

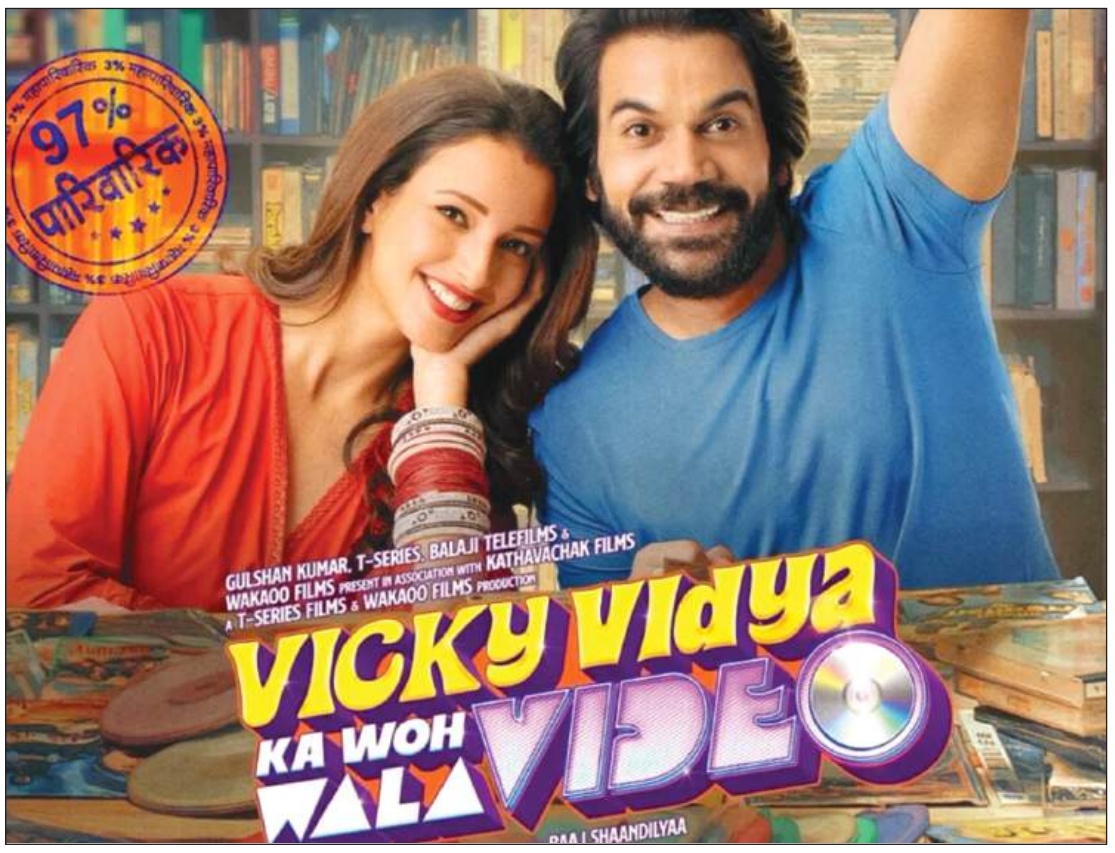

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी और अब दूसरे दिन भी फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है। पहले शनिवार विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में इजाफा देखने को मिला है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5.25 करोड़ रुपए से खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म की कमाई बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6.75 करोड़ रुपए बटोरे। इस तरह दो दिन में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 12 करोड़ रुपए कमा लिए हैं।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा से टकराई है।

राजकुमार राव की फिल्म ने दूसरे दिन जहां 6.75 करोड़ कमाए तो वहीं जिगरा सिर्फ 6.50 करोड़ ही कमा पाई। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने दो दिन के कलेक्शन के साथ जिगरा को पछाड़ दिया है। जहां राजकुमार राव की फिल्म ने 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया तो वहीं जिगरा ने दो दिन में 11 करोड़ रुपए ही कमाए है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को राज शांडिल्य ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 90 के दशक के दौर के एक कपल की कहानी दिखाती है जिनका सुहागरात का वीडियो वाली सीडी चोरी हो जाती है। राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी फिल्म में लीड रोल में हैं। इसके अलावा विजय राज, मल्लिका शेरावत, टिकी तलसानिया और अर्चना पूरन सिंह अहम रोल अदा करते दिखाई दिए हैं।

शहनाज गिल ने सजना वे सजना गाने पर किया जमकर डांस

अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों सजना वे सजना गाने पर थिरकती हुई नजर आ रही हैं। फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में शहनाज का छोटा सा कैमियो है।शहनाज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। जिसमें वह अपने कोरियोग्राफर शाजिया सामजी और पीयूष भगत के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री इस गाने का हुकस्टेप करती नजर आ रही हैं, जो मूल रूप से करीना कपूर खान और राहुल बोस अभिनीत 2003 की फिल्म चमेली का है।उन्होंने कैप्शन में लिखा, ले तेरी होगी यार, सजना वे सजना।इस गाने के नए वर्जन में शहनाज और राजकुमार राव हैं। इसे सुनिधि चौहान और दिव्या कुमार ने गाया है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में तृप्ति डिमरी, मल्लिका शेरावत, राकेश बेदी और विजय राज भी हैं। फिल्म एक ऐसे जोड़े की कहानी है जो अपनी पहली रात को यादगार के तौर पर फिल्माने का फैसला करते हैं। उन्हें सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन जब तक वह सीडी, जिसमें उन्होंने अपना वीडियो स्टोर किया था, सीडी प्लेयर के साथ चोरी नहीं हो जाती।शहनाज के करियर पर प्रकाश डाले तो उन्होंने 2015 के म्यूजिक वीडियो शिव दी किताब से अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। 2017 में, उन्होंने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल इंग्लैंड से अपनी शुरुआत की।वह काला शाह काला, डाका, होन्सला रख, किसी का भाई किसी की जान और हाल ही में थैंक यू फॉर कमिंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।शहनाज कई संगीत वीडियो में दिखाई दी हैं - मार कर गई, पिंडन दियां कुडिय़ां, जे हां नी करनी, पुत्त सरदारन दे, लख लांहटा, विया दा चा, जट्ट जान वरदा, गुस्से हो के नहियो सरना, जट्टी हद सेखड़ी, गुंडे इक वार फेर, पेग पौन वेले। गेडी रूट, शोना शोना, और आदत। उनके पास पाइपलाइन में सब फर्स्ट क्लास भी है।अभिनेत्री को बिग बॉस 13 के बाद स्टारडम मिला। शो के विजेता और दिवंगत स्टार सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों ने खूब पसंद की और उन्हें प्यार से सिडनाज़ कहा जाने लगा।

'ये मेरी आखिरी' लास्ट कीमोथेरेपी से पहले हिना खान ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

पसीज उठा फैंस का दिल

हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रही हैं। इस जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिए एक्ट्रेस कीमोथेरेपी के सेशंस ले रही हैं जिसकी वजह से उन्हें काफी साइड इफेक्ट्स भी हो रहे हैं। हिना समय-समय पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैंस संग अपनी हेल्थ अपडेट साझा करती रहती हैं। उन्होंने अपने वीडियोज और फोटोज के जरिए बताया था कि कीमोथेरेपी की वजह से उनके सिर के बाल झड़ गए और वो अन्य कई बीमारियों से भी जूझ रही हैं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में बताया कि अब उनकी कीमो-थेरेपी का बस लास्ट सेशन बचा हुआ है। इस दौरान उनकी आंखों पर बस अब एक आखिरी पलक बची हुई है। वो अपने पोस्ट में लिखती हैं, 'क्या आप जानना चाहते हैं कि इस वक्त मेरी प्रेरणा क्या है? मेरी आंखों के ऊपर ये मेरी लंबी और खूबसूरत पलकें जिन्होंने हमेशा मेरी आंखों की सुंदरता निखारी है'।

वो आगे लिखती हैं, 'ये बहादुर, अकेले बची मेरी आ-खिरी पलक जिसने मेरे साथ सबकुछ बहुत बहादुरी से झेला है। मेरी कीमोथेरेपी की लास्ट साइकिल अब बहुत नजदीक है। ये मेरी आखिरी पलक मेरी प्रेरणा है। हम इससे जरूर उभरेंगे'। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनकी जन्म से ही लंबी और खूबसूरत पलके हैं। उन्हें दशकों लंबे करियर के दौरान कभी भी शूटिंग के लिए आर्टिफीशियल पलकों की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि अब वो शूटिंग के लिए लैशेज का इस्तेमाल करती हैं।

दुबई में थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी के नारे से गूंज उठा यूपी डायस्पोरा

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत डबल इंजन की सरकार ने दुबई में प्रवासी निवेशकों के बीच उत्तर प्रदेश में निवेश करने की दिशा में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। सीएम योगी के विजन और क्रियान्वयन की सफलताओं का दुबई साक्षी बना और इस दिशा में दुबई के इंडिया क्लब में इन्वेस्ट यूपी और यूपी डायस्पोरा की ओर से आयोजित यूपी डायस्पोरा इन्वेस्टर मीट एक बड़ा माध्यम साबित हुआ। इस कार्यक्रम में निवेशकों ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में निवेश करने को लेकर रुचि दिखाई। इरफ़ान इजहार ने अलीगढ़ में रिजॉर्ट तो युसूफ खान ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक्स में निवेश की इच्छा दिखाई। वहीं राजेश अग्रवाल ने पुरखों के नाम अपनी पुश्तैनी जमीन हॉस्पिटल हेतु दान करने की इच्छा जाहिर की। इसके साथ ही, दुबई के मदीना ग्रुप ने यूपी से फल सब्जियों के लिए यूपी में सेंटर खोलने को लेकर रुचि प्रकट की। इन्वेस्टर मीट के बाद इरानियन स्पोर्ट कॉम्पलेक्स में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में डबल इंजन सरकार की नीतियों

और योगी सरकार की 25 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसीज को प्रमोट किया। इस दौरान हजार से ज्यादा यूपी के प्रवासी उत्तर प्रदेश की विकासगाथा को सुनकर उत्साहित हो उठे और आयोजन स्थल थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी के नारे से गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उपलब्ध कराये गए मेक इन इंडिया के अवसरों, इंफ्रा एवं उनके द्वारा स्टाम्प विभाग में अनिवासियों की सुविधा के लिए उठाये गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस विषय में इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट के अवसर पर शॉर्ट फिल्म का मंचन भी किया गया तथा विभिन्न विषयों पर पीपीटी के माध्यम से प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किए गए। उत्तर प्रदेश के सिंगल विंडो सिस्टम व इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन भी दिया गया। कार्यक्रम में दुबई के यूपी डायस्पोरा को अपने पूरे ग्रुप के साथ एक बार काशी, मथुरा, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज भ्रमण कर आकर देखने का न्यौता भी दिया गया, ताकि वह यहां पर आकर देश-विदेश के लोगों में उत्तर प्रदेश को मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर प्रोजेक्ट कर सकें।

कार्यक्रम में सीएम योगी के विजन अनुसार, यूपीडीएफ के दुबई कल्चरल फोरम ने दुबई में सफल भारतीय एवं उत्तर प्रदेश के सफल प्रवासियों पर जो दुबई में रह देश दुनिया में सफलता का परचम लहरा रहें हैं उनके संघर्षों और सफलता पर एक एक किताब संग्रह निकालने की घोषणा की, ताकि भारत के युवा उद्यमी उनके इस साझा किये गए संघर्षों और अनुभवों से काफी कुछ सीख सकें। सांस्कृतिक कार्यक्र में लखनऊ से आये लोक गायक दीपक त्रिपाठी के गानों और यूपी की कंचन अवस्थी नृत्य पर पूरा हाल झूम उठा। कार्यक्रम में मथुरा के चार्टर्ड अकाउंटेंट और वर्तमान में यूपी डायस्पोरा यूपी कनेक्ट के महासचिव साहित्य चतुर्वेदी नेतृत्व में मथुरा के कलाकारों द्वारा भव्य रामलीला का आयोजन भी हुआ। दुबई में यूपी कनेक्ट के चेयरमैन डॉ राजेश अग्रवाल, वाईस चेयरमैन चंद्रशेखर भाटिया, नदीम ज़ैदी और हुमैर सिद्दीकी उपस्थित रहे। इस दौरान, यूएई के पूर्व मंत्री मोहम्मद सईद किंदी में भारत की जी भर प्रशंसा की और पूरे समय कार्यक्रम में उपस्थित रह डायस्पोरा का हौसला बढ़ाया।

ग्रेटर नोएडा में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू होगा

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) की जल्द स्थापना होगी, जो ग्रेटर नोएडा के यातायात प्रबंधन और सुरक्षा में तीसरी आंख के तौर पर कार्य करेगा। परियोजना के अंतर्गत, 227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए ग्रेटर नोएडा के 357 लोकेशंस पर की जाएगी हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना की जाएगी जिससे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चप्पे-चप्पे की निगरानी हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि आईएसटीएमएस की स्थापना के जरिए क्षेत्र के यातायात प्रबंधन को अधिक कुशल व सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न तकनीकों की एकीकरण प्रक्रिया पर फोकस किया जाएगा। इस परियोजना में एक व्यापक यातायात प्रबंधन प्रणाली, वीडियो निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली व सार्वजनिक सूचना प्रणाली विकसित होगी। वहीं, प्रक्रिया के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसी) की भी होगी स्थापना जिससे नागरिकों व यहां आने वाले आगंतुकों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वार इस प्रक्रिया को पूरा कराया जाएगा।

इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) को सेफ सिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एससीएमसी) नाम से भी जाना जाता है। आईटीएमएस का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और यातायात प्रबंधकों को नागरिकों, संपत्तियों, यातायात प्रवाह और यातायात भीड़/घटनाओं के बारे में वास्तविक समय और पूर्वानुमानित जानकारी प्रदान करना है। समाधान को विशेष रूप से महिला, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नागरिक सुरक्षा में सुधार लाने के साथ-साथ अनुकूली नियंत्रण और विश्लेषण के माध्यम से शहरी सड़कों की सुरक्षा और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किया जाएगा।

वीडियो निगरानी कैमरों, स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल नियंत्रण, गतिशीलता में आसानी, आपातकालीन सेवाओं का प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स, रूटिंग और डिस्पैचिंग सेवाएं, सार्वजनिक सूचना प्रणाली आदि को प्रक्रिया के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा। यातायात प्रबंधन प्रणाली में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों के पारिस्थितिकी तंत्र के उचित कामकाज के लिए सभी आवश्यक घटक होंगे। प्रक्रिया के अंतर्गत 12 महीने के अंदर आईटीएमएस प्रणाली को रोलआउट करने का टाइम पीरियड निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि नोएडा व गाजियाबाद में पहले से ही इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली को लागू किया जा चुका है।

सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाते हुए, परियोजना के अंतर्गत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट के जरिए रियल टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग की जाएगी जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। प्रणाली के लागू होने से ट्रैवल टाइम में कमी लाने में मदद मिलेगी। चौराहों पर यातायात के सामान्य प्रवाह को विनियमित और बनाए रखने के लिए परिवहन बुनियादी ढांचे की दक्षता में वृद्धि की जाएगी जिससे भीड़भाड़ में कमी, यात्रा समय में कमी, ईंधन की खपत व कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। ऑपरेशनल एफिशिएंसी में बढ़ोत्तरी, कस्टमर सर्विसेस में इजाफा, रियल टाइम इनफॉर्मेशन एक्सेस, यूजर फ्रेंडली इंटरफेस तथा इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) को लागू करने का माध्यम बनेगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव

अयोध्या की इस सीट और कटेहरी सीट को लेकर भाजपा का बड़ा फैसला

इन चेहरों पर दांव लगाएगी पार्टी

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा के उप चुनावों को लेकर दिल्ली में भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की बैठक हुई। बैठक में यह तय हुआ कि भाजपा कटेहरी और मझवां सीट पर पिछड़े चेहरे पर दांव लगाएगी। सुरक्षित सीट होने की वजह से मिल्कीपुर से कोई दलित चेहरा उतरेगा।

मिल्कीपुर और कटेहरी सीट जीतना भाजपा के लिए सबसे अधिक प्रतिष्ठा का सवाल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद इन दोनों सीटों की जिम्मेदारी अपने कंधे पर ले रखी है। इसलिए भाजपा इन दोनों सीटों पर कोई खतरा मोल नहीं नहीं लेना चाहती है।

बैठक में एक-एक सीट पर जातीय समीकरण और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रदेश के नेताओं ने केन्द्रीय नेतृत्व को अब तक की तैयारियों की जानकारी दी। बताया कि पहले चरण के प्रचार, संपर्क और संवाद का कार्यक्रम पूरा हो चुका है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी द्वारा सभी सीटों पर किए गए कार्यक्रमों, विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ ही अब तक की गई जनसभाओं की जानकारी भी दी गई। केंद्रीय नेतृत्व को 8-9 सीटें जीतने का भरोसा भी दिया गया है।

बैठक में सपा और बसपा द्वारा उतारे गए उम्मीदवारों के लिहाज से रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। खास कर उन सीटों पर चुनाव जीतने को लेकर अधिक प्रभावी तरीके से काम करने पर सहमति बनी है, जिन पर सपा का कब्जा है।

बैठक में नौ सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति बनने के बाद कटेहरी और मझवां सीटों पर दावेदारी करने वाले संजय निषाद को मनाने की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को सौंपी गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीनों नेताओं से संजय निषाद को समझाने के लिए कहा है। दरअसल इन दोनों सीटों पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने दावा कर रखा है। भाजपा निषाद को सिर्फ एक सीट देने पर विचार कर रही है, वह भी प्रत्याशी भाजपा के ही सिंबल पर ही चुनाव लड़ेगा। हालांकि निषाद इस फार्मूले पर सहमत नहीं हैं।

मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन पर कट्टरपंथी मुस्लिमों का तांडव

उपद्रवियों द्वारा युवक की हत्या के बाद भड़का दंगा

बहराइच, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए बवाल ने बड़ा रूप ले लिया है। सोमवार सुबह एक बार फिर से बहराइच में आगजनी और तोड़फोड़ की गई। कई दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की गई। बाइक के शोरूम और एक अस्पताल में आग लगा दी गई है। वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया है। दवाइयों को जला दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी हिंसा बढ़ गई है। चंदपैया और कबड़ियापुरवा गांव में भी आगजनी हुई है। कई घर जलाए गए हैं। वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया है। तीस उपद्रवी हिरासत में लिए गए हैं। सीएम योगी के निर्देश पर एसीएस होम एवं एडीजी लॉ एंड ऑर्डर मौके पर पहुंचे हैं। छह कंपनी पीएसी बहराइच भेजी गई है।

युवक रामगोपाल मिश्र की हत्या से भड़का लोगों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदर्शन और हिंसक होता जा रहा है। बाइक के शोरूम में आग लगा दी गई है। कारों को भी फूंका गया है। लोग लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर उतर गए हैं। उधर, परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझाया है। परिजन कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने दंगाइयों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ताजा हालात पर रिपोर्ट मांगी है। अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए कहा है।

इससे पहले, बहराइच सांप्रदायिक हिंसा में जान गंवाने वाले रामगोपाल मिश्रा का पोस्टमार्टम सुबह सात बजे पूरा हुआ। इसके बाद शव उनके घर की तरफ रवाना किया गया था। इस घटना के बाद इलाके में तनाव है। महराजगंज और महसी इलाके के निजी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। बहराइच की सांप्रदायिक हिंसा में देर रात मुख्य आरोपी सलमान समेत कई लोगों पर एफआईआर की गई। 20 से 25 लोगों के हिरासत में लेने की खबरें हैं। पूजा कमेटी देर रात तक इस बात पर अड़ी रही कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो। आरोपियों को फांसी देने के नारे देर रात सड़कों पर गूंजते रहे।

बहराइच में महसी तहसील के महराजगंज कस्बे में गाने को लेकर मुस्लिम समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस पर मुस्लिमों ने जमकर पथराव किया और रामगोपाल मिश्रा (24) को घर के अंदर घसीट ले गए। उसे बुरी तरह पीटा, चाकुओं से काटा और फिर गोली मार दी। उसे बचाने पहुंचे राजन (28) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में करीब दर्जनभर लोग जख्मी हुए। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया। शहर में सैकड़ों जगह प्रतिमा विसर्जन रोक दिया गया। मामला बढ़ता देख छह थानों की पुलिस व पीएसी तैनात कर दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महसी तहसील की प्रतिमा शांति पूर्वक विसर्जन के लिए जा रही थी। महराजगंज कस्बे में पहुंचने पर कस्बा निवासी सोनार अब्दुल हमीद अपने बेटे सबलू, सरफराज व फहीम के साथ मौके पर पहुंचे और गाली गलौज शुरू कर दी। प्रतिमा के साथ चल रहे लोगों ने जब इसका विरोध किया तो छतों से पथराव शुरू कर दिया गया। इसके बाद विसर्जन रोक समिति सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान हमीद व उनके साथ मौजूद हजारों की भीड़ मौके पर पहुंची और उपद्रव शुरू कर दिया। रामगोपाल मिश्रा हत्याकांड में मुस्लिम समुदाय के 6 लोग नामजद किए गए हैं। पुलिस ने अब्दुल हमीद, सरफराज, फहीम, साहिर खान, ननकऊ और मारूफ अली को नामजद करते हुए 4 अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

रामगोपाल मिश्रा की हत्या जिस जुलूस में हुई, उसके साथ पुलिस बल चल रहा था। लेकिन पुलिस ने रामगोपाल को बचाने की कोई कोशिश नहीं की। उल्टा पुलिस ने हिंदुओं पर ही लाठियां बरसाईं। हरदी थाने के एसएचओ सुरेश कुमार वर्मा और महसी चौकी इंचार्ज शिव कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

माहौल बिगाड़ने वाले बचेंगे नहीं: मुख्यमंत्री

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रतिमा विसर्जन का कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए और धार्मिक संगठनों से संवाद कर समय पर प्रतिमा विसर्जन कराया जाए। उन्होंने जनता को सुरक्षा की गारंटी देते हुए प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर मौजदूगी सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिनकी लापरवाही से इस प्रकार की घटना घटित हुई, उनकी पहचान की जाए और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

दीपोत्सव में झारखंड से दीप जलाने पहुंचेंगे 150 आदिवासी

अयोध्या में 25 लाख दीप प्रज्वलन का रिकॉर्ड बनेगा

अयोध्या, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासनिक खेमे के अलावा डॉ राम मनोहर लोहिया विवि ने भी इस दिशा में युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। इस बार दीपोत्सव कुछ खास ही होने वाला है। इसमें झारखंड के 150 आदिवासी भी दीप जलाने के लिए पहुंच रहे हैं। यह आदिवासी स्वयंसेवक के रूप में घाटों पर जुटेंगे। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में 2017 से राम की पैड़ी पर दीपोत्सव की शुरुआत हुई थी।

उसके बाद से यहां दीपोत्कीसव के जरिए प्रतिवर्ष नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। ऐसे में, इस बार मुख्यमंत्री ने 25 लाख दीये जलाने का ऐलान किया है जिसके लिए 28 लाख दीपों को सरयू नदी के किनारे तटों पर बिछाया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अयोध्या नगरी को सजाने के काम शुरू कर दिया गया है।

राम की पैड़ी पर इस बार स्थानीय नागरिकों को भी शामिल करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए वहां पर चौड़े-चौड़े प्लेटफॉर्म वाली सीढियां बनाई जा रही हैं, जो बिल्कुल स्टेडियम की तरह है।

इस बार दीयो की संख्या बढ़ते ही घाटों की संख्या बढ़ा दी गई है। 51 से 55 कर दिया गया है। चौधरी चरण सिंह व भजन संध्या स्थल व अन्य घाटों को दीप जलाने के लिए शामिल किया गया है। वहीं 90 हजार लीटर सरसों के तेल के प्रयोग होने की बात बताई जा रही है।

दीपोत्सव में दीयो की संख्या बढ़ते ही रुई की बाती का इंतजाम भी किया जाने लगा है। बताया जाता है 40 लाख रुई की बाती लगेगी। स्वयंसेवक 25 से राम की पैड़ी के घाटों पर दीये बिछाने का कार्य शुरू कर देंगे। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी डॉ एसएस मिश्र ने बताया हमारी तैयारियां तेजी से चल रही है। इस बार श्री राम भव्य महल में विराजमान हुए हैं। इसलिए दीपोत्सव को और भी भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

कलारीपयट्टू एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बने नीरज सिंह, महासचिव प्रवीण गर्ग

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी कलारीपयट्टू एसोसिएशन की स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग पदाधिकारियों चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष और प्रवीण गर्ग को महासचिव चुना गया। संजय सारस्वत को एडवाइजरी कमिटी का चेयरमैन बनाया गया। अध्यक्ष निर्वाचित होने के उपरांत नीरज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त और %मदर आफ मार्शल आर्ट% के रूप में विश्व विख्यात स्वदेशी खेल कलारीपयट्टू के प्रचार प्रसार के लिए हर संभव योगदान प्रदान करूंगा।

प्रदेश कमेटी के अन्य निर्वाचित सदस्यों में सेंट जोसेफ स्कूल के डायरेक्टर अनिल अग्रवाल, आनंदी मैजिक वर्ल्ड डायरेक्टर राहुल गुप्ता, एसआर इंस्टीट्यूट डायरेक्टर पीयूष सिंह चौहान को उपाध्यक्ष, अंशु माली शर्मा और भगवत पटेल, अनिमेष सक्सेना को वाइस चेयरमैन, प्रियंका अग्रवाल सीईओ, प्रमोशन एंड डेवलपमेंट कमेटी चेयरमैन राजीव श्रीवास्तव, अपर्णा मिश्रा को वाइस चेयरमैन, सौम्य गर्ग को कार्यकारी सचिव, मुस्तकीम अंसारी, वैभव कुमार, धर्मेंद्र सिंह को संयुक्त सचिव, नितेश सिंह को टेक्निकल चेयरमैन, मानसी जयसवाल टेक्निकल सेक्रेटरी, मनीष निगम, शिवंम मित्तल, हेमंत दीक्षित, प्रशांत सिंह, सागर सोनी, राजीव रंजन, बलविंदर सिंह, रचित अग्रवाल, निखिल सिंह, राजपाल यादव, निधि सिंह को चुनाव रिटर्निंग अफसर के रूप में उपस्थित हाई कोर्ट एडवोकेट रोहित पवार ने कार्यकारी सदस्य घोषित किया। यूपी ओलंपिक संघ से आब्जर्वर के रूप में मनीष कक्कड़ उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अपनी सभी विद्यालयों में खेल प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की घोषणा की। संजय सारस्वत ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा स्वदेशी खेलों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खेल व खिलाड़ियों को लाभ प्रदान कराए जाने के सुझाव दिए।

यह बता दें कि कलारीपयट्टू 2000 साल पुरानी एक मार्शल आर्ट है जिसका इस्तेमाल आत्मरक्षा के लिए किया जाता है। यह मार्शल आर्ट फॉर्म शेर और बाघ जैसे जंगली जानवरों की कच्ची शक्ति, राजसी ताकत और अंतर्निहित लड़ाई तकनीकों से प्रेरणा लेता है। हम कथकली जैसे नृत्य रूपों में भी कलारीपयट्टू का प्रभाव देख सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए भारतीय ए टीम घोषित, तिलक वर्मा होंगे कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने मस्कट, ओमान में 18 से 27 अक्टूबर 2024 तक खेले जाने वाले आगामी एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए सोमवार को भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। बल्लेबाज तिलक वर्मा को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अभिषेक शर्मा टीम के उप कप्तान होंगे। भारत ए को ग्रुप बी में ओमान, पाकिस्तान ए और यूएई के साथ रखा गया है जबकि अफगानिस्तान ए, बांग्लादेश ए, हांगकांग और श्रीलंका ए को ग्रुप ए में रखा गया है। भारत ए 19 अक्टूबर, 2024 को ओमान के मस्कट में क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में पाकिस्तान ए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारत 21 अक्टूबर को यूएई और 23 अक्टूबर को ओमान से भिड़ेगी। भारत ए की टीम इस प्रकार है: तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा (उपकप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, रमनदीप सिंह, नेहल वढेरा, आयुष बदोनी, अनुज रावत (विकेटकीपर), साई किशोर, रितिक शौकीन, राहुल चाहर, वैभव अरोरा, अंशुल कंबोज, आकिब खान, रसिक सलाम।

कैमरन ग्रीन के पीठ की होगी सर्जरी, भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर के लिए सर्जरी होगी, जिससे वह भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। टीम के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रिकवरी का समय लगभग छह महीने होने का अनुमान है। सर्जरी के लिए आगे बढ़ने का फैसला कैमरनके एक ऑलराउंडर के रूप में दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ग्रीन को इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिससे भारत के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा था कि ग्रीन इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों से सर्जरी करवानी चाहिए, जिन्होंने पहले भी तेज गेंदबाजों की मदद की है। विकल्प यह था कि सर्जरी के बिना ही उन्हें ठीक किया जाए और ग्रीन को भारत सीरीज में केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने दिया जाए। हालांकि, ग्रीन की स्थिति अधिक जटिल थी, इसलिए सर्जरी बेहतर थी।

नेपाल के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए यूएसए टीम घोषित, अली खान की वापसी, टेलर बाहर

न्यूयॉर्क। पूर्व कप्तान स्टीवन टेलर को इस सप्ताह के अंत में नेपाल के खिलाफ होने वाली टी20आई सीरीज के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है, वहीं तेज गेंदबाज अली खान की वापसी हुई है। 31 वर्षीय टेलर, विश्व कप और नीदरलैंड में 50 ओवर की सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। वह नीदरलैंड में टी20आई टीम का हिस्सा थे, लेकिन सीरीज से पहले एकदिनी श्रृंखला में चोट लगने के बाद उन्हें आराम दिया गया था। विश्व कप के बाद से अपनी पिछली 7 पारियों में 13 की औसत से रन बनाने वाले नीतीश कुमार को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। कनाडा के पूर्व कप्तान, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप में टीम की अगुवाई की थी, ने भारत के खिलाफ 27 रनों की प्रभावशाली पारी के बाद अपना फॉर्म खो दिया। समित पटेल एक बार फिर कमर की चोट के कारण छह सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे, जिससे वह टी20 सीरीज के बाद 50 ओवर की त्रिकोणीय सीरीज से भी बाहर हो जाएंगे। हालांकि यूएसए अपने करिश्माई तेज गेंदबाज अली खान से उत्साहित होगा। 33 वर्षीय खिलाड़ी नीदरलैंड दौरे को छोड़ने और पैर की चोट के कारण एक्शन से बाहर रहने के बाद विश्व कप के बाद पहली बार यूएसए की टीम में खेलने के लिए तैयार है, जिसके कारण उन्हें ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ सीपीएल सीजन से बाहर होना पड़ा। एरॉन जोन्स नामीबिया दौरे के बजाय यूएसए के साथ सेंट लूसिया किंग्स के लिए सीपीएल में खेलने को प्राथमिकता देने के बाद फिर से टीम में शामिल हो गए हैं।

महिला एचआईएल : ऐतिहासिक नीलामी के लिए 350 से अधिक खिलाड़ी तैयार

एचआईएल नीलामी भारतीय महिला हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सात साल के अंतराल के बाद, बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 एक विस्तारित प्रारूप के साथ शानदार वापसी कर रही है, जिसमें पुरुष और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं। मंगलवार को होने वाली ऐतिहासिक महिला नीलामी हॉकी की दुनिया में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो खेल के विकास और महिला हॉकी की बढ़ती प्रमुखता को प्रदर्शित करती है।

एचआईएल ढांचे के भीतर एक विशेष महिला लीग की शुरुआत न केवल महिला एथलीटों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, बल्कि पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ समानता भी सुनिश्चित करती है, जिससे भारतीय हॉकी के लिए अधिक समावेशी और प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। यह भारत में उन दुर्लभ उदाहरणों में से एक है जहां एक प्रमुख खेल लीग के पुरुष और महिला दोनों संस्करण एक साथ चलेंगे।

नीलामी में 250 से अधिक घरेलू महिला खिलाड़ी और 70 से अधिक विदेशी खिलाड़ी महिला एचआईएल के उद्घाटन सत्र में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

इस आयोजन में भारत की शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें अनुभवी गोलकीपर सविता, टीम की कप्तान सलीमा टेटे, उभरती ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और फॉरवर्ड लालरेम्सियामी शामिल हैं।

इसके अलावा, योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे नीलामी में और भी रोमांच बढ़ गया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, डेलफिना मेरिनो (अर्जेंटीना), चार्लोट स्टेपेनहोर्स्ट (जर्मनी), मारिया

ग्रेनाटो (अर्जेंटीना), राचेल लिंच (ऑस्ट्रेलिया) और नाइक लोरेंज (जर्मनी) जैसी प्रसिद्ध खिलाड़ी भाग लेने के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय रूप से, एचआईएल 2024-25 के महिला संस्करण के पहले सत्र में कुल चार टीमें भाग लेंगी, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सत्र में दो और टीमें जोड़ी जाएंगी। हिस्सा लेने वाली टीमें सूरमा हॉकी क्लब, हरियाणा और पंजाब - जेएसडब्ल्यू, श्राची राहर बंगाल टाइगर्स, पश्चिम बंगाल - श्राची स्पोर्ट्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, नई दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट, ओडिशा वारियर्स, राउरकेला - नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद तूफान (सीजन 2) और बीसी जिंदल ग्रुप, मुंबई (सीजन 2) हैं।

प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों का अनिवार्य समावेश) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

खिलाड़ियों का चयन करने के लिए फ्रैंचाइज़ के पास 2 करोड़ रुपये का पर्स होगा, जिसमें एथलीटों को तीन बेस प्राइस स्लैब 10 लाख रुपये, 5 लाख रुपये और 2 लाख रुपये के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह न केवल हॉकी इंडिया लीग का पुनरुद्धार है, बल्कि भारत में महिला हॉकी के विकास का जश्न भी है। हमें पहली बार महिला नीलामी की मेजबानी करने पर गर्व है, जो न केवल टीमों के निर्माण के बारे में है, बल्कि विरासत बनाने के बारे में भी है। हम अपनी घरेलू प्रतिभाओं को कुछ सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए और अगली पीढ़ी के लिए नए नायक बनाते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। महिला एचआईएल 2024-25 भारतीय हॉकी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण होने का वादा करता है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खेल के विकास को आगे बढ़ाएगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह भारतीय हॉकी, खासकर महिला खेलों के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण है। महिला नीलामी और लीग हमारी महिला एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बहुत जरूरी मंच प्रदान करेगी। यह इरादे का एक शक्तिशाली बयान है, जो देश में महिला हॉकी के विकास के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा और सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ियों को शामिल करने से, महिला एचआईएल हॉकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और देश भर की युवा लड़कियों को प्रेरित करेगी।

केन्याई धावक रूथ चेपनगेटिच ने शिकागो में तोड़ा महिला मैराथन का विश्व रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केन्या की रूथ चेपनगेटिच ने रविवार को इतिहास रचते हुए शिकागो में महिलाओं की मैराथन का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले सर्वश्रेष्ठ से लगभग दो मिनट पीछे रहकर दो घंटे, नौ मिनट और 56 सेकंड का अनौपचारिक समय लेकर दौड़ पूरी की।

चेपनगेटिच ने शिकागो में अपना तीसरा खिताब जीता और इथियोपिया की टिगस्ट अस्सेफा के पिछले साल बर्लिन में बनाए गए 2: 11: 53 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इथियोपिया की सुतुमे केबेडे ने दो घंटे 16 मिनट और 36 सेकंड बाद रेखा पार की, जबकि केन्या की इरीन चेप्टाई (2: 17: 51) तीसरे स्थान पर रहीं।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद चेपनगेटिच ने कहा, मेरा सपना सच हो गया है,जिसका समय मूल रूप से 2: 09: 57 दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में इसे समायोजित कर दिया गया।

चेपनगेटिच ने शुरू से ही तेज रफ़्तार पकड़ी, पहले पाँच किलोमीटर 15 मिनट में दौड़ीं और आधे रास्ते तक उन्होंने खुद और केबेडे के बीच 14 सेकंड का अंतर बना लिया।

2019 की विश्व चैंपियन चेपनगेटिच रेस पूरी करने के बाद थककर झुक गईं और अपने प्रदर्शन को हमवतन केल्विन किप्टम को समर्पित किया, जिन्होंने एक साल पहले शिकागो में पुरुषों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था और चार महीने बाद एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी।

उन्होंने कहा, विश्व रिकॉर्ड मेरे दिमाग में था, शिकागो, जैसा कि मैंने पहले भी कहा, मेरे घर जैसा है।

केन्या के कोरिर ने जीता पुरुष वर्ग का खिताब

केन्या के जॉन कोरिर ने रविवार को 2 घंटे 2 मिनट 44 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय लेकर पुरुषों की शिकागो मैराथन का खिताब जीता। 27 वर्षीय कोरिर ने अपनी पहली बड़ी मैराथन जीत हासिल की। दूसरे नंबर पर इथियोपिया के मोहम्मद ईसा (2: 04: 39) और तीसरे नंबर पर केन्याई अमोस किप्रूटो (2: 04: 50) रहे।

एचआईएल नीलामी का पहला दिन : श्रीजेश ने कहा- हमने ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को विभिन्न फ्रैंचाइज़ियों के प्रमुख लोगों ने अपनी टीम की संरचना और नीलामी प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए, जिससे आने वाले सत्र के लिए उनका आत्मविश्वास और उत्साह झलका।

दिल्ली एसजी पाइपर्स के निदेशक और सहायक कोच पीआर श्रीजेश ने टीम के चयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने टीम की संतुलित प्रकृति पर जोर दिया, जिसमें अनुभवी विदेशी और प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल है।

श्रीजेश ने कहा, हमने एक अच्छी टीम चुनी है, जिसमें एक विदेशी गोलकीपर भी शामिल है। ज़्यादातर, हमने भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, जिससे डिफेंस और मिडफील्ड में पर्याप्त खिलाड़ियों के साथ एक संतुलित टीम तैयार हुई है। अह हमें फॉरवर्ड और मिडफील्ड पोजीशन पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

टीम के साथ अपनी परिचितता को दर्शाते हुए, उन्होंने कहा, मैं उन खिलाड़ियों को जानता हूँ जो हमारे साथ हैं; वे मेरे जूनियर हैं। एक खिलाड़ी आपको खेल नहीं जिता सकता; जीत तो टीम को ही मिलती है।

दिल्ली एसजी पाइपर्स के कोच ग्राहम रीड, जो टोक्यो ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक विजेता कोच थे, ने कहा, भारत में वापस आकर बहुत अच्छा लगा। मैं सभी भारतीय खिलाड़ियों, खासकर युवा खिलाड़ियों और रोहित से खुश हूं। श्रीजेश, शिवा और फिजियो के साथ हमारी टीम में कुछ सुधार हुआ है। ओलंपिक के बाद मैंने शायद लाखों बातें कही हैं; भारतीय हॉकी बेहतर से बेहतर होती जा रही है। मुझे हॉकी इंडिया को इसे एक साथ लाने के लिए बधाई देनी होगी। यह खेल के लिए अद्भुत है। यह हॉकी के लिए बहुत बढ़िया है, दर्शकों के लिए बहुत बढ़िया है, हॉकी को टीवी पर वापस देखना अच्छा होगा।

तेलंगाना के नितिन ने मध्य प्रदेश के श्रृषभ को दी मात राजस्थान के प्रेम सिंह ने दिल्ली के शौर्य को हराया

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योनेक्स सनराईज डा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में रविवार को क्वालिफाइंग राउंड खेले गये। शहर के कई स्टेडियमों प्रतियोगिता दोपहर बाद से शुरू होकर देर शाम तक चलती रही। इसमें खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखाया।

एकल मुकाबले में तेलंगाना के नितिन राघवेन्द्र ने मध्यप्रदेश के ऋषभ को कड़ी टक्कर में 12-15, 15-8, 15-9 से हरा दिया।

राजस्थान के प्रेम सिंह चौहान ने दिल्ली के शौर्य को सीधे मुकाबले में 19-17, 15-12 से हराया।

हरियाणा के जसकरन सिंह ने उप्र के अरुण श्रीवास्तव को कड़ी टक्कर में 15-5, 10-15, 15-3 से मात देकर बढ़त बना ली। उत्तरांचल के तुशार भंडारी ने उप्र के आर्यन चौधरी को 15-8, 15-12 से हरा दिया।

तेलंगाना के अभिनव कृष्णा ने दिल्ली के विशु 15-5, 15-9 से मात

दे दी। वहीं तमिलनाडु के किर्थी लक्ष्मी को उत्तराचंल के कनक को कड़ी टक्कर में 15-10, 7-15, 15-7 से हरा दिया।

जम्मू-कश्मीर उन्नाती ने उप्र के गरीमा रावत को 15-9, 15-5 से हरा दिया। आंध्र प्रदेश के फरीहा सनी ने हरियाणा के कोमल को 15-6, 15-9 से मात दे दी।

महिला टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा-हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर सके

शारजाह, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ रन से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह और दीप्ति शर्मा अपनी साझेदारी के दौरान कुछ ढीली गेंदों को सही से हिट नहीं कर सकीं,जिसके कारण अंतत: टीम की हार हुई।

एनाबेल सदरलैंड के शानदार अंतिम ओवर की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को शारजाह में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप मैच में मात्र नौ रन से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर यह था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं थी और उसके पास कुछ बेहतरीन ऑलराउंडर भी थे। हरमनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी पूरी टीम योगदान देती है, वे एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहते हैं, उनके पास कई ऑलराउंडर हैं जो योगदान देते हैं। हमने भी अच्छी योजना बनाई थी और हम खेल में मौजूद थे। उन्होंने आसानी से रन नहीं दिए और इसे मुश्किल बना दिया। वे एक अनुभवी टीम हैं। यह कुछ ऐसा है जो आपके नियंत्रण में नहीं है, आपको हमेशा अपने प्लेइंग इलेवन को तैयार रखना होता है, भले ही एक या दो खिलाड़ी बाहर हों। उन्होंने कहा, राधा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, वह खेल में थी और उसने अच्छा क्षेत्ररक्षण भी किया। आपको टीम में ऐसे

चरित्र की आवश्यकता होती है जो हमेशा मौजूद रहे। यह एक ऐसा लक्ष्य था जिसे हासिल किया जा सकता था। जब मैं और दीप्ति बल्लेबाजी कर रहे थे, तो हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर पाए। हम ऑस्ट्रेलिया से बहुत कुछ सीख सकते हैं। जो कुछ भी हमारे हाथ में था, हम उसे करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह हमारे नियंत्रण में नहीं था। अगर हमें एक और गेम खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन अन्यथा, जो भी टीम सेमीफाइनल में होने का हकदार है, वह वहां होगी। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्रेस हैरिस (40), कप्तान ताहलिया मैकग्राथ (32) और एलिस पैरी (32) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाए। भारत की तरफ से रेणुका सिंह, दीप्ती शर्मा ने 2-2 और श्रेयांका पाटिल, पूजा वस्त्राकर, और राधा यादव ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 54) के बेहतरीन अर्धशतक और दीप्ती शर्मा (29) व शैफाली वर्मा (20) की शानदार पारियों के बावजूद 20 ओवर में 9 विकेट पर 149 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया के लिए अन्नाबेल सदरलैंड, सोफी मोलीनेक्स ने 2-2 व मेगन शुट्ट,और एश्ले गार्डनर ने 1-1 विकेट लिया।

संपादकीय

पलस्तर गिर रहा

हालांकि सरकारी इमारतों के इस्तेमाल की समीक्षा इस बार पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कर रहे हैं, लेकिन यह सत्य है कि हम बजट फूंक कर तमाशा देखते हैं। नेता प्रतिपक्ष शिमला के ट्रॉमा सेंटर के बंद दरवाजों के भीतर हुई नियुक्तियों पर अंगुली उठा रहे हैं। बिना कुछ किए धरे, ट्रॉमा सेंटर की शिकायत अब आरोपों तक पहुंच गई है, तो 'तमाशबीन विकास' की आंखों में धूल झोंकने के लिए सभी दोषी हैं। उपर्युक्त ट्रॉमा सेंटर डेढ़ साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन इसी तरह टीएमसी में चाइल्ड-मदर केयर सेंटर सिर्फ एक रैंप न होने की वजह से अपनी कत्र्तव्यपरायणता भूल चुका है। हाय रे बजट कितना कोढ़ी और कितना असहाय हो जाता कि सरकारें बदलते ही पलस्तर गिर जाता है। उदाहरण के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कई अधूरे काम आधे रास्ते पर खड़े होंगे, तो इसलिए कि राजनीति की आंख में सदैव कोई बाल फंसा है जो प्रतिद्वंद्विता में प्रदेश के विकास को कसूरवार बना देता है। विकास की गाथा का चित्रण करते कई सरकारी होटल नीलाम हो गए, तो स्कूल से कालेज तक बंद होने के कगार पर खड़े हैं। यहां एक रोचक किस्सा धर्मशाला के कचहरी अड्डा में 56 लाख की लागत से स्थापित ओवरहेड ब्रिज का है, जो अपने निर्माण के चार सालों बाद भी सिर्फ एक ढांचा, विकास का उपहास और उद्देश्य का मजाक बना दिखाई देता है। यह योजनाकारों, नेताओं के उपकारों और बजट के डकारों का जीता-जागता उदाहरण है, जो काम नहीं करता, बल्कि शहर को बदनाम करता है। न इससे कोई गुजरा और न गुजर सकता है, फिर भी स्मार्ट सिटी की परियोजना मुस्करा रही है और निर्माण का पीडब्ल्यूडी महकमा अहंकार में है। कोई तो इंजीनियर होगा, किसी ने तो निर्णय लिया होगा, लेकिन जनता के सामने विकास का भूत बना यह ओवरहेड ब्रिज अब डरा रहा है। आश्चर्य यह होता है कि हिमाचल के मंदिरों की कमाई से स्कूल-कालेज चलाए जाते हैं या ट्राइबल इलाकों में जिम खोले जाते हैं। यहां प्रवासी पक्षियों को निहारने के लिए टावर ऐसी जगह खड़े किए जाते, जहां पंछियों की उड़ान होती नहीं। हमीरपुर में एक ऐसी जगह पर्यटक सूचना एवं स्वागत केंद्र बना दिया गया था, जहां सैलानी या तो आते नहीं या कुछ पूछते नहीं, नतीजतन वहां बनते ही यह इमारत कब्र बन गई। विकास को मात्र ईंट-पत्थर मानकर हिमाचल ने अपनी जरूरतें गंवा दीं या गुणवत्ता एवं नवाचार के लिए सोच ही नहीं पनपा। हमने एशिया का पहला वानिकी एवं बागबानी विश्वविद्यालय बनाया, लेकिन सियासी पूजा के लिए इससे बागबानी के दो कालेज छीन लिए, नतीजतन शिक्षा की उन्नत प्रणाली का बंटवारा मुख्य परिसर से ही टकराने लगा है। इसी तर्ज पर क्षेत्रीय कार्यालयों को विकास का सरगना बनाने की उम्मीदों ने बंटाधार कर दिया। हैरानी यह कि जो कार्यालय ढंग से एक पुल नहीं बना पा रहा है, वह किसी जोन का मुख्य कार्यालय हो गया। छोटे से प्रदेश में पीडब्ल्यूडी के चार जोन-चार मुख्य अभियंता, लेकिन नवनिर्माण का दिल व बजट कमजोर। इस पर तुर्रा यह कि हिमाचल की सरकारी कार्य संस्कृति में कामचोरी इतनी कि सुदूर क्षेत्रों में भाड़े पर नौकरी की सबलेटिंग होने की शिकायतें हैं। कुर्सी पर टंगा कोट कई मुख्यालयों की प्लानिंग में मशरूफ दिखाई देता है। किसी शख्स को फुर्सत नहीं कि जांचे कि लैब में जांच कैसी हो रही है। किसी को दर्द नहीं कि नवनिर्माण का पलस्तर क्यों गिर रहा। बस भाग रहा है विकास इमारतों की कतार बनकर और घोषणाओं का इश्तिहार बनकर।

नेता प्रतिपक्ष शिमला के ट्रॉमा सेंटर के बंद दरवाजों के भीतर हुई नियुक्तियों पर अंगुली उठा रहे हैं। बिना कुछ किए धरे, ट्रॉमा सेंटर की शिकायत अब आरोपों तक पहुंच गई है, तो 'तमाशबीन विकास' की आंखों में धूल झोंकने के लिए सभी दोषी हैं। उपर्युक्त ट्रॉमा सेंटर डेढ़ साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन इसी तरह टीएमसी में चाइल्ड-मदर केयर सेंटर सिर्फ एक रैंप न होने की वजह से अपनी कत्र्तव्यपरायणता भूल चुका है। हाय रे बजट कितना कोढ़ी और कितना असहाय हो जाता कि सरकारें बदलते ही पलस्तर गिर जाता है। उदाहरण के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कई अधूरे काम आधे रास्ते पर खड़े होंगे, तो इसलिए कि राजनीति की आंख में सदैव कोई बाल फंसा है जो प्रतिद्वंद्विता में प्रदेश के विकास को कसूरवार बना देता है। विकास की गाथा का चित्रण करते कई सरकारी होटल नीलाम हो गए, तो स्कूल से कालेज तक बंद होने के कगार पर खड़े हैं। यहां एक रोचक किस्सा धर्मशाला के कचहरी अड्डा में 56 लाख की लागत से स्थापित ओवरहेड ब्रिज का है, जो अपने निर्माण के चार सालों बाद भी सिर्फ एक ढांचा, विकास का उपहास और उद्देश्य का मजाक बना दिखाई देता है।

बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ति मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्दनिवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता। हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं।

विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

दृष्टि कोण

देव संस्कृति का जीवंत दस्तावेज कुल्लू दशहरा

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव देवभूमि हिमाचल प्रदेश की देव संस्कृति की एक सशक्त एवं जीवंत पहचान है। दशहरा पर्व देवभूमि के आराध्य देव रघुनाथ (भगवान श्रीराम) के प्रति आस्था, स्थानीय देवताओं की पूजा, स्थानीय परम्पराओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हिमाचल की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत करता है। यह पर्व हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जो सात दिनों तक चलता है। जब देश के अन्य हिस्सों में दशहरा समाप्त होता है, तब कुल्लू में इसका शुभारंभ होता है। इस दौरान कुल्लू में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें विभिन्न देवी-देवता अपने देवालयों से आकर भाग लेते हैं। यहां की स्थानीय लोक संस्कृति, लोक कला, हस्तशिल्प और व्यंजन भी इस उत्सव का अभिन्न हिस्सा होते हैं। कुल्लू दशहरा के दौरान देव समाज और आम जनमानस रघुनाथ जी के समक्ष नतमस्तक होता है। इसलिए कुल्लू दशहरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह स्थानीय निवासियों के लिए एक गहन आध्यात्मिक अनुभव भी है, जो उनके धार्मिक विश्वासों और अनुभूतियों को मजबूती प्रदान करता है। इस उत्सव के दौरान, लोग अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों का पालन करते हैं, जो उनकी आस्था और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। देवी-देवताओं की भक्ति में लीन होकर लोग मानसिक शांति और संतोष का अनुभव करते हैं। वहीं, यह उत्सव उन्हें अपने धार्मिक कत्र्तव्यों को निभाने, एकजुट होने और साझा अनुभवों के माध्यम से एक मजबूत बंधन बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार कुल्लू दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक समर्पण का भी माध्यम बनता है। कुल्लू दशहरे की कहानी भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। रघुनाथ मंदिर के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह के अनुसार, विजयदशमी के दिन भगवान राम ने रावण की नाभि पर तीर मारा था और उसकी विशाल सेना पर विजय प्राप्त की थी। हालांकि, रावण की मृत्यु विजयदशमी के सात दिन बाद हुई थी, इसलिए कुल्लू में इस त्योहार को सात दिनों तक मनाने की परम्परा है। इस प्रकार कुल्लू दशहरा न केवल धार्मिक विश्वासों का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का भी जीता-जागता उदाहरण है। कुल्लू दशहरा की परम्परा अपने आरम्भ से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय कर चुकी है। इस साल कुल्लू दशहरे को शुरू हुए 364 साल हो जाएंगे। वर्ष 1660 में पहली बार कुल्लू दशहरा मनाया गया था। बताया जाता है कि तब कुल्लू में राजा जगत सिंह का राज हुआ करता था। 17वीं शताब्दी में कुल्लू दशहरे की शुरुआत करने का श्रेय भी राजा जगत सिंह को ही जाता है। साहित्यकार डा. सूरत ठाकुर बताते हैं कि इस संदर्भ में 1637 के एक प्रसंग का उल्लेख मिलता है। कुल्लू के राजा जगत सिंह से डरकर एक ब्राह्मण ने आत्महत्या कर ली थी। इससे राजा को ब्रह्म हत्या का दोष लगा। राजा जगत सिंह को भारी ग्लानि हुई और इस दोष के कारण राजा को एक असाध्य रोग भी हो गया था। इस बीमारी से मुक्ति के लिए पयोहारी बाबा किशन दास ने राजा को सलाह दी कि वो अयोध्या के त्रेतानाथ मंदिर से भगवान राम, माता सीता और रामभक्त हनुमान की मूर्तियां लाएं। इन मूर्तियों को कुल्लू के मंदिर में स्थापित करके अपना राजपाठ भगवान रघुनाथ को सौंप दें तो उन्हें ब्रह्म हत्या के दोष से मुक्ति मिल जाएगी। राजा जगत सिंह ने श्री रघुनाथ जी की प्रतिमा लाने के लिए बाबा किशनदास के चेले दामोदर दास को अयोध्या भेजा था। दामोदर दास जब अयोध्या से मूर्ति को चुराकर हरिद्वार पहुंचे तो पीछा कर रहे अयोध्या के पुजारियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी पिटाई के बाद उनसे मूर्तियां छीन लीं। जब अयोध्या के पंडित मूर्ति को वापस ले जाने लगे तो वो इतनी भारी हो गई कि कई लोग मिलकर भी इन मूर्तियों को नहीं उठा सके। वहीं, जब इन्हें पंडित दामोदर ने उठाया तो मूर्ति फूल के समान हल्की हो गई। ऐसे में पूरे प्रकरण को स्वयं भगवान रघुनाथ की लीला जानकर अयोध्या के पुजारियों ने मूर्तियों को कुल्लू लाने दिया। स्वस्थ होने के बाद राजा ने अपना जीवन और राज्य भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया और इस तरह से यहां दशहरे की शुरुआत हुई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बहुत से देवता करीब 150 से 200 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करने के बाद देवता कुल्लू दशहरा में भाग ले रहे हैं। इसके लिए देवी-देवताओं के रथ सजकर तैयार हो चुके हैं। देवता के कारकूनों, हरियानों और देवलुओं ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सफर लंबा होने से देवता दशहरा से करीब चार से पांच दिन पहले देवालय से कुल्लू दशहरा मैदान के लिए रवाना हो गए हैं। इस बार बाह्य सराज से देवता शमशरी महादेव और जागेश्वर महादेव करीब दो दशक बाद दशहरा में आ रहे हैं।

कुछ अलग

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए।

देश दुनिया से

शोध और नवाचार में भारत की ऊंचाई

हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टरों में सूचीबद्ध हैं और भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। जीआईआई 2024 के अनुसार, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, सिंगापुर और यूके दुनिया की सबसे अधिक नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं हैं, जबकि चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस पिछले एक दशक में सबसे तेजी से ऊपर आने वाले देश हैं। यदि हम बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों को भी देखें तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स' के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा जारी वैश्विक बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है। निःसंदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक सम्पदा की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है। विगत अगस्त माह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के खेतों में जाकर जारी की गई 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्मों से कृषि नवाचार का नया अध्याय लिखा गया है। निश्चित रूप से शोध एवं नवाचार के मद्देनजर भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्टअप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधीकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया गया है। सुपरकंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर तैयार किए गए हैं। इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं।

भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है।

आप का नजरिया

'रावण' आज भी जिंदा है...

सदियों से रावण मर रहा है। यह सिलसिला त्रेता युग से जारी है। हर साल भारत और दुनिया के कई हिस्सों में रावण समेत मेघनाद और कुंभकर्ण के भी पुतले जलाए जाते हैं। 'विजयादशमी' पर्व मनाया जाता है। अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के जश्न दीपावली तक जारी रहते हैं। तसल्ली रहती है कि हमने धर्म, बुराई, राक्षसत्व, पापाचार, अत्याचार आदि का दहन कर दिया। उनका अस्तित्व ही मिटा दिया, लेकिन ये जश्न और सोच बाहरी और दिखावटी हैं। दरअसल रावण हमारे भीतर की कामनाओं और राक्षसत्व का ही प्रतीक है, लिहाजा बार-बार उसका दहन कर हम उल्लास और पर्व मनाते हैं। रावण ने साधु के वेश में माता सीता का अपहरण किया था, लेकिन उनकी पवित्रता और पतिव्रता स्वरूप को छुआ तक नहीं था। रावण ने अपहरण के जरिए अपनी नियति तय की थी। आज अपहरण ही नहीं, 3-4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं। उनके साथ बर्बरता की जाती है और अंततः उनकी हत्या भी कर दी जाती है। हमारे दौर की यह एक आम प्रवृत्ति बन गई है। ऐसे बलात्कारियों के भीतर कौनसा रावण बैठा है? रावण तो ऐसा नहीं था। वह प्रकांड पंडित, वेद-पुराण ज्ञाता, महापराक्रमी योद्धा, ब्रह्म-महादेव का अंतरंग भक्त, त्रिकालदर्शी आदि, न जाने क्या-क्या था, लेकिन उसे असुर, दैत्य, राक्षस समुदाय का माना गया। यह भी सवालिया है, क्योंकि रावण महान ऋषि विश्रवा और असुर कैकसी की संतान था, लिहाजा भारतीय सांस्कृतिक व्यवस्था के अनुसार, उसे किस वर्ण की संतान माना जाना चाहिए? बहरहाल हम रावण के ऐतिहासिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि को यहीं छोड़ते हैं। दरअसल हमारा सरोकार 'रावणत्व' भाव से है, जो कई शक्लों, किस्मों, नस्लों, दुर्भावनाओं, पापाचार, अत्याचारों आदि के रूप में आज भी जिंदा है। रावण का पार्थिव शरीर मारा जा चुका है, लेकिन उसके प्रतीक-स्वरूप पुतले आज भी जलाए जा रहे हैं। फिर भी रावण जिंदा है। हम जो आतंकवाद, अलगाववाद, धर्म और जातिवाद, नफरती हिंसा, नफरती राजनीति, नफरती आह्वान और सर कलम कर देने के फतवे आदि देख-सुन और महसूस कर रहे हैं, वे आखिर क्या हैं? वे 'रावणत्व' ही हैं। जो मानवीय भाव होने चाहिए, वे मर चुके हैं, लेकिन आज इनसान, दूसरे इनसान को, मार रहा है, राख कर रहा है, मानवता का ही हत्यारा बन चुका है। यह क्या है? बांग्लादेश में सरेआम जो कुछ हो रहा है, क्या उसका कोई बुनियादी कारण या तर्क है? कट्टरपंथ के उकसावे में आकर, कुछ कठमुल्लाओं के भडक़ाने पर, कथित मुसलमानों की एक जमात हिंदुओं की हत्या कर रही है। उनके पूजास्थलों को अपवित्र कर रही है, तोड़-फोड़ भी की जा रही है। इन हिंसक हरकतों का हासिल क्या है? बांग्लादेश के हालात के समानांतर भारत में प्रधानमंत्री मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सरसंघचालक मोहन भागवत को 'बंटेंगे, तो काटे जाएंगे' सरीखे बयान देने पड़े हैं। हिंदुओं के एकजुट होने के आह्वान किए जा रहे हैं। यह विभाजन क्या है? भारत में भी हिंदू-मुसलमान के आधार पर सियासत की जा रही है।

शक्तिकांत दास ने धन प्रेषण की लागत और समय कम करने की वकालत की

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को विदेश से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण है। दास ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने नई दिल्लीं में 'सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स' विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण शुरुआती बिंदु है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि ऐसे धन प्रेषणों की लागत और समय को कम करने की अपार संभावनाएं हैं।

शक्तिकांत दास ने कहा कि इसके अलावा डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। दास ने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक और क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा-पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है।

आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और डेटा उल्लंघन की घटनाएं बढ़ सकती हैं। शक्तिकांत दास ने कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम शमन उपाय करने चाहिए। अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक के लाभों का लाभ उठाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

थोक महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल की वजह से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर सितंबर महीने में 1.84 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त महीने में यह 1.31 फीसदी थी। सितंबर 2023 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सितंबर महीने में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने अगस्त में यह दर घटकर 1.31 फीसदी पर आ गई थी। जुलाई में थोक महंगाई दर 2.04 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा कि सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम बढ़ने की वजह से थोक महंगाई दर बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों की कीमतें सितंबर महीने में बढ़कर 9.47 फीसदी हो गई है, जबकि अगस्त में यह 3.26 फीसदी रही थी। हालांकि, सितंबर में ईंधन और बिजली की कीमतों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने यह 0.67 फीसदी थी। वहीं, थोक मूल्य सूचकांक के प्राइमरी आर्टिकल की सलाना मुद्रास्फीति दर बढ़कर 6.59 फीसदी हो गई है, जो अगस्त में 2.42 फीसदी रही थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई दर 1.22 फीसदी से घटकर एक फीसदी पर आ गई है ।

सीसीपीए ने ओला को रिफंड के विकल्प और रसीद देने का आदेश दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को उपभोक्ता अनुकूल बदलाव लागू करने का निर्देश दिया है। इस आदेश में रिफंड के विकल्प देना और 'ऑटो राइड' के लिए रसीदें देना भी शामिल है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सीसीपीए ने राइड हेलिंग प्लेटफॉर्म यानी टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को रिफंड मोड के संबंध में उपभोक्ताओं को विकल्प मुहैया करने के लिए तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया है। नियामक ने साथ ही ओला को अपने प्लेटफॉर्म मंच के जरिए बुक की गई सभी 'ऑटो राइड' के लिए बिल जारी करने का आदेश भी दिया है। मंत्रालय के मुताबिक प्राधिकरण की मुख्य आयुक्त निधि खरे के नेतृत्व में सीसीपीए ने यह पाया कि ओला की रिफंड नीति में केवल भविष्य की राइड के लिए कूपन कोड दिए गए थे, जबकि उपभोक्ताओं को बैंक खाते में रिफंड का विकल्प भी नहीं दिया गया था। सीसीपीए ने ओला को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को रिफंड का अपना पसंदीदा तरीका चुनने की अनुमति देने वाला तंत्र लागू करे। सीसीपीए ने उपभोक्ताओं को रिफंड सीधे उनके बैंक खाते में या कूपन के माध्यम से करने का विकल्प देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही ओला को निर्देश दिया गया है कि वह अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से बुक की गई सभी ऑटो राइड के लिए उपभोक्ताओं को बिल या रसीद या चालान प्रदान करे, ताकि इसकी सेवाओं में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

एलआईसी ने पॉलिसी के नियम बदले योजना में एंट्री उम्र घटाई!

नई दिल्ली । देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि यह सेविंग प्लान भी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देशभर में दुर्गा...

पुलिस ने भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोंडा में दुर्गा पूजा के दौरान पथराव उत्तर प्रदेश के गोंडा के मसकनवा बाजार इलाके में बुधवार (9 अक्टूबर, 2024) को दुर्गा पूजा पंडाल में मूर्ति स्थापित करने के बाद देवी की आंखों पर से पट्टी हटाई गई थी। इस मूर्ति की स्थापना बीते कई सालों से की जाती है। इस मौके पर यहां बड़ी संख्या में हिंदू इकट्ठा थे। पूजा अर्चना के बाद कुछ हिंदू बच्चे इस पंडाल के बाहर पटाखे फोड़ने लगे। पटाखों की आवाज सुन कर पास में रहने वाले मुस्लिम भड़क गए। मुस्लिम परिवार के लोग बाहर निकल कर हिंदुओं को गालियां देने लगे और हमलावर हो गए। उन्होंने पहले हिंदुओं पर पथराव किया और फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में मुन्ना, सुल्तान और असलम तथा बाकी लोगों के मुस्लिम परिवार शामिल थे। मुस्लिमों की इस पत्थरबाजी में लगभग 10-12 हिंदू गंभीर रूप से घायल हो गए। मुस्लिमों को जब हिंदुओं ने शांत करने की कोशिश की तो वह और उग्र हो गए तथा आसपास से बाकी मुस्लिमों को भी बुलाया।

कुशीनगर में दुर्गा मूर्ति पर पथराव

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों ने मूर्ति पर पथराव किया। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। हिंदू समुदाय ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हैदराबाद में मंदिर में घुस कर देवी की प्रतिमा तोड़ी

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में सोमवार 14 अक्टूबर को कुर्मागुडा इलाके में मुथ्यालम्मा मंदिर की देवी प्रतिमा को कट्टरपंथियों ने खंडित कर दिया। इस घटना से स्थानीय हिंदू समुदाय में भारी नाराजगी है। हिंदू समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। यह घटना पासपोर्ट कार्यालय के पास हुई। स्थानीय लोगों ने एक हमलावर को पकड़ लिया, लेकिन बाकी लोग भागने में कायमाब हुए। पकड़े गए उपद्रवी को मार्केट पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है। तेलंगाना भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया, सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट डिवीजन में मुथ्यालम्मा मंदिर की मूर्ति को खंडित कर दिया गया है। कांग्रेस के शासन में हिंदू और उनके मंदिर सुरक्षित नहीं हैं। हाल के दिनों में तेलंगाना में हिंदू मंदिरों पर यह एक और हमला है। राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और दोषियों को गिरफ्तार करना चाहिए। वायरल वीडियो में भी दिख रहा है कि मंदिर में सब कुछ बिखरा पड़ा है और मूर्ति भी खंडित है। मूर्ति के अलावा मंदिर के बाक़ी इलाके को भी नुकसान पहुंचा है। इस घटना से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान हुआ है।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी भी इस घटना के बाद मंदिर पहुंचे। उन्होंने भी राज्य सरकार पर प्रश्न खड़े किए। उन्होंने कहा, भाग्यनगर में नवरात्रि के दौरान हिंदू विरोधी ताकतों द्वारा कई मंदिरों और पंडालों में देवी दुर्गा माता की मूर्तियों को नष्ट करने की घटनाएं राज्य सरकार की लापरवाही और कानून व्यवस्था नियंत्रित कर पाने की विफलता दर्शाती है।

हावड़ा के श्यामगंज में हिंसा

हावड़ा के श्यामगंज में रविवार को मुस्लिम उपद्रवियों की भीड़ ने हिंदू पंडालों पर हमला किया। मुस्लिम भीड़ ने दुर्गा पूजा पंडालों को नष्ट करना चालू कर दिया। उन्होंने मूर्तियों को आग लगा दी और कई पंडालों को तबाह किया। यह मुस्लिम भीड़ उस घाट पर भी पहुंची जहां देवी मूर्तियों का विसर्जन होना था। यहां इस भीड़ ने पथराव किया। आगजनी की भी सूचना आ रही है। बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

कोलकाता में माइक की आवाज पर बवाल

कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल में मुस्लिमों ने माइक की आवाज को लेकर विवाद खड़ा किया। अजान के दौरान माइक की आवाज को बंद करने की मांग करते हुए इस्लामी कट्टरपंथियों ने पूजा समारोह को बाधित किया। आयोजकों ने उनकी बात मानने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हंगामा शुरू कर दिया। 11 अक्टूबर की सुबह न्यू बंगाल स्पोर्टिंग क्लब द्वारा जब अष्टमी और नवमी के अनुष्ठान किए जा रहा था, तब आज दोपहर 1.13 बजे लगभग 50-60 उपद्रवी लोग आए और उन्होंने पूजा को रोकने को कहा और पूजा को भंग करने का प्रयास किया। उन्होंने धमकी दी कि अगर पूजा नहीं रोकी गई तो वो मां दुर्गा की प्रतिमा को तोड़ देंगे। इस दौरान उन्होंने धक्का-मुक्की की और हमारी महिला सदस्यों के खिलाफ गलत शब्दों का भी इस्तेमाल किया।

असम के करीमगंज में मजहबी हिंसा

असम के करीमगंज में दुर्गा पूजा के दौरान मजहबी हिंसा भड़क उठी। इस्लामी कट्टरपंथियों ने पूजा स्थल पर पथराव किया, जिसके बाद दोनों समुदायों के बीच झड़पें शुरू हो गईं। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और स्थिति को काबू में लाया। पुलिस ने इस मामले में सहाबुल अहमद (21 साल), अब्दुल अहद (18 साल) और एक नाबालिग को भी गिरफ्तार किया है।

झारखंड के गढ़वा में पत्थरबाजी

झारखंड के गढ़वा में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन जुलूस को मुस्लिम समुदाय द्वारा रोके जाने पर मजहबी तनाव फैल गया। यहां 2 अलग-अलग घटनाओं में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हिंदू पक्ष जिस रास्ते से जुलूस निकालना चाह रहा था, उस पर मुस्लिम समुदाय ने ऐतराज जताया। यहां रविवार 13 अक्टूबर को हिंदू समुदाय के लोग हर वर्ष की तरह प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए निकले थे। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने प्रतिबंधित रास्ता बताकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद यात्रा पर पथराव भी हुआ।

चक्रधरपुर में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन रुका

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस का डीजे पुलिस ने जब्त कर लिया। पूजा समितियों को डीजे बजाकर जुलूस विसर्जन के लिए नहीं निकालने दिया गया। इसके बाद देवी प्रतिमाओं के जुलूस रात भर सड़क पर खड़े रहे। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में पुलिस ने रविवार 13 अक्टूबर को दुर्गा पूजा समिति की डीजे वाली गाड़ी को जब्त कर लिया था। पुलिस ने विसर्जन जुलूस में बजाने के लिए ले जाई जाने वाली यह गाड़ी थाने में खड़ी कर ली थी। पुलिस का कहना था कि डीजे बजाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, वह कोर्ट-सरकारी आदेश का हवाला दे रही थी।

यह डीजे आदर्श दुर्गा पूजा समिति का था। इसे छोड़ने की दोपहर से मांग चल रही थी। लोगों का कहना था कि यदि पुलिस डीजे नहीं छोड़ती तो दुर्गा पूजा का विसर्जन नहीं होगा। इस पूजा समिति के समर्थन में बाकी समितियां भी आ गईं। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने डीजे नहीं छोड़ा। इसके बाद जब सहमति बनी भी तो फिर बवाल हो गया। कई प्रतिमाओं का जुलूस बाहर निकल आया था, उन्हें रोड पर ही रोक दिया गया और बवाल जारी रहा। मौके पर डीएम और एसपी भी पहुंचे लेकिन कोई बात नहीं बन सकी। आदि शक्ति दुर्गा प्रतिमा को ही केवल रविवार रात को विसर्जित किया जा सका। बड़ी संख्या में दुर्गा प्रतिमाएं सोमवार को भी नहीं विसर्जित हो पाईं। पुलिस और प्रशासन का कोई भी कदम काम नहीं आया। दुर्गा पूजा समितियां प्रशासन से काफी नाराज हैं। बताया गया कि बाद में डीजे छोड़ने के बाद भी कई प्रतिमाएं खड़ी ही रहीं।

त्रिपुरा में दुर्गा पूजा से पहले ही हिंसा

त्रिपुरा में दुर्गा पूजा शुरू होने के पहले ही इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हिंसा करके पूजा बाधित करने की कोशिश की। यहां इस्लामिक कट्टरपंथियों की भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों पर हमला किया। इस दौरान फायरिंग भी हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। हमलावरों ने हिंसा रोकने पहुंची पुलिस को भी निशाना बनाया। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। यहां रविवार को दुर्गापूजा के लिए हिंदू समुदाय के कुछ लोग सड़क पर चंदा मांग रहे थे। इसी दौरान एक मुस्लिम ड्राइवर से उनकी बहस हो गई, जो बाद में बड़े विवाद में बदल गई। थोड़ी देर में ड्राइवर के समर्थन में आसपास के इलाकों से इस्लामिक कट्टरपंथियों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ के हाथों में लाठी-डंडे और अन्य हथियार थे। उन्होंने न केवल चंदा मांग रहे हिंदुओं पर हमला किया, बल्कि आसपास के निवासियों पर भी हमला कर दिया।

बेलगावी में विसर्जन यात्रा में

बवाल, दुर्गा प्रतिमा खंडित

कर्नाटक के बेलगावी में दुर्गा पूजा के बाद प्रतिमा को विसर्जन को ले जा रहे हिंदुओं पर हमला किया गया। हिंदुओं ने आरोप लगाया कि उनके विसर्जन जुलूस पर मुस्लिमों ने हमला किया और बाद में दुर्गा प्रतिमा भी खंडित कर दी। मामले में पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। बेलगावी के सोलापुर गांव में रविवार 13 अक्टूबर को यह घटना हुई। यहां रविवार को हिंदू दुर्गा पूजा के बाद प्रतिमा को विसर्जित करने के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान फिरोज नाम के युवक से उनका विवाद हो गया। इसके बाद मुस्लिम भीड़ इकट्ठी हुई और विवाद चालू गया। इसी दौरान दुर्गा प्रतिमा को खंडित कर दिया गया। यहां मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों पर लाठी चार्ज किया और शान्ति व्यवस्था बहाल की। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। प्रतिमा खंडित होने के चलते हिंदू काफी आक्रोशित हैं।

जम्मू कश्मीर...

और लद्दाख हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।याचिकाकर्ता रविंदर कुमार शर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कहा कि बिना चुनाव के नियुक्त किए गए उपराज्यपाल द्वारा इस तरह का फैसला काफी असर डाल सकता है। सिंघवी ने दलील दी कि यह मुद्दा बुनियादी ढांचे का है। अगर एलजी 5 लोगों को मनोनीत करते हैं तो उनकी संख्या 47 हो जाती है। वहीं हम 48 हैं। आपको केवल एक ही व्यक्ति को लाना है।

दरअसल पांच विधायकों के मनोनयन ने विवाद को जन्म दे दिया है, कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल का कदम लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों पर हमला है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019, उपराज्यपाल को महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए विधानसभा में दो सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार देता है, जबकि 2023 में एक संशोधन द्वारा तीन और मनोनीत सदस्य जोड़े गए, दो कश्मीरी पंडित और एक पाकिस्तान नियंत्रित जम्मू और कश्मीर का प्रतिनिधि।

रविंदर शर्मा की याचिका में जम्मू और कश्मीर में सरकार गठन से पहले सदस्यों को मनोनीत करने की उपराज्यपाल की शक्ति को चुनौती दी गई है, जिसमें तर्क दिया गया है कि इससे विधानसभा में शक्ति संतुलन अनुचित रूप से बदल जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने इस मनोनयन पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करता है। जम्मू कश्मीर विधानसभा में 90 निर्वाचित सदस्य हैं। जम्मू कश्मीर रिऑर्गनेजाइशन एक्ट 2019 में विस्थापित कश्मीरी लोगों और पीओके के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपराज्यपाल द्वारा 5 और विधायकों को नामिनेट करने का प्रावधान है। इसकी वजह से बहुमत का आंकड़ा 45 से बढ़कर 48 हो गया है।बहरहाल, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले शपथ ग्रहण समारोह से इंडी गठबंधन एकजुटता और मजबूती का संदेश देने की तैयारी में है। उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं के साथ ही कई राज्यों के सीएम को न्यौता भेजा जा सकता है। इंडी गठबंधन नेकां-कांग्रेस की जीत को भाजपा के एजेंडा को ही हार के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। ऐसे में नेकां उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं से संपर्क साध रही है। नेकां से जुड़े सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नाम न्यौता वाली सूची में शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को भी बुलाया जा सकता है। हालांकि, ये सारे नाम नेकां मुखिया डॉ. फारूक अब्दुल्ला तय कर रहे हैं। नेकां के एक जिम्मेदार पदाधिकारी का कहना है कि सूची तैयार है। शपथ ग्रहण की तिथि तय होते ही सभी मेहमानों को समारोह में शामिल होने का न्यौता भेजा जाएगा।

भारत ने कनाडा...

भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया। हमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की वर्तमान कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने उच्चायुक्त और अन्य लक्षित राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। यह भी बताया गया कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद के लिए ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

दारू से नायडू...

पिछले साल सरकार को शराब बिक्री से 30,000 करोड़ रुपए मिले थे। इस साल शेष छह महीनों के लिए, सरकार 17,000 करोड़ रुपए से अधिक की उम्मीद कर रही है।राजस्व (आबकारी) के प्रधान सचिव मुकेश कुमार मीणा के अनुसार, राज्य सरकार को पूरे राज्य में 3,396 निजी शराब की दुकानों के लिए लगभग 90,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें 2 लाख रुपए गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क के रूप में सरकारी खजाने में लगभग 1,800 करोड़ रुपए का योगदान है। राज्य सरकार को शराब की दुकानों से छह किस्तों में लाइसेंस शुल्क के रूप में सालाना 2,084 करोड़ रुपए मिलेंगे। मीणा ने कहा कि सभी शराब दुकान लाइसेंस धारकों से सामूहिक पहली किस्त की राशि 335 करोड़ रुपए मंगलवार तक मिल जाएगी। इसके अलावा, अधिकारी ने कहा कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान केवल नकद मोड के विपरीत, उपभोक्ताओं को शराब की दुकानों पर नकद, यूपीआई और भुगतान के सभी तरीकों से पेमेंट किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने पिछले महीने सरकारी स्वामित्व वाली खुदरा दुकानों से जुड़ी पुरानी उत्पाद शुल्क नीति को खत्म कर दिया और एक नई नीति पेश की, जिसमें बार के अलावा निजी दुकानों को भी शराब बेचने की अनुमति दी जाएगी। सरकार ने राज्य भर में 3,396 दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए और ड्रॉ के माध्यम से दुकानों का आवंटन सोमवार को किया गया। विधानसभा चुनावों के दौरान, तब विपक्ष में रहे नायडू ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर ऊंची कीमतें तय करने का आरोप लगाया था जो शराब की गुणवत्ता के अनुरूप नहीं थी। नायडू सरकार द्वारा लाई गई नई नीति के अनुसार, शराब का सबसे सस्ता ब्रांड 99 रुपए प्रति 180 एमएल बोतल पर उपलब्ध होगा।

पद के दुरुपयोग का ...

ट्रस्ट कि अपील रिजेक्ट करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, जजमेंट पढ़ते समय ऐसा लगता होता है कि आपका मुवक्किल वास्तव में शहरी विकास मंत्रालय का प्रभारी कैबिनेट मंत्री था और वह अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री था। उसने जमीन एक पारिवारिक ट्रस्ट को आवंटित करवाई, जिसके वह आजीवन अध्यक्ष हैं। और, शुरू में लीज एक सरकारी संस्था के पक्ष में थी। उसे एक निजी ट्रस्ट से जोड़ दिया गया। एक सरकारी संस्था के लिए जो लीज थी, उसे एक निजी ट्रस्ट को कैसे दिया जा सकता है?सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के 18 मार्च 2024 के फैसले और आदेश में कोई कमी नहीं दिखती। लिहाजा स्पेशल लीव पिटीशन खारिज की जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल की दलीलों का संज्ञान लिया और यूपी सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि किसी भी बच्चे को उपयुक्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश से वंचित न किया जाए। कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि 2023 में पट्टे को रद्द करने का निर्णय बिना कोई वजह बताए लिया गया था। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने मुझे नोटिस जारी किया होता और कारण बताए होते, तो मैं इसका जवाब दे सकता था। क्योंकि, आखिरकार, मामला कैबिनेट के पास गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने (भूमि आवंटन पर) निर्णय लिया था। ऐसा नहीं है कि मैंने कोई निर्णय लिया। कपिल सिब्बल की दलीलों पर भी पीठ ने नरमी नहीं दिखाई। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, यह पद के दुरुपयोग का क्लीयर केस है।

उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा भूमि पट्टे को रद्द करने के 18 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली न्यास की याचिका खारिज कर दी थी। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारी समिति ने तब दलील दी थी कि सुनवाई का कोई अवसर दिए बिना ही पट्टा विलेख रद्द कर दिया गया। काई कोर्ट में राज्य की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता ने बिना कारण बताओ नोटिस के पट्टा रद्द करने का बचाव इस आधार पर किया था कि जनहित सर्वोपरि है। यह दलील दी गई थी कि उच्च शिक्षा (शोध) संस्थान के उद्देश्य से अधिगृहीत भूमि का उपयोग एक स्कूल चलाने के लिए किया जा रहा था। महाधिवक्ता ने विशेष जांच दल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि पट्टा रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को जवाब देने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था।

चिराग पासवान ...

इनमें सीआरपीएफ जवानों के अलावा चार से पांच एनएसजी कमांडो और कुछ पुलिसकर्मी तैनात होते हैं। इसके अलावा उनकी सुरक्षा में एक एस्कॉर्ट गाड़ी, एक पायलट वाहन और यात्रा के दौरान सुरक्षा के अलग-अलग दायरे तय कर दिए जाते हैं। इसके अलावा उनके घर पर 10 सशस्त्र गार्ड तैनात होंगे। चिराग को कई और जवानों की तरफ से सुरक्षा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि जेड श्रेणी की सुरक्षा उन्हीं लोगों को दी जाती है जिन्हें जान का गंभीर खतरा रहता है। अभी भारत में प्रमुख रूप से चार सुरक्षा श्रेणियां हैं। इनमें जेड प्लस (36 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), जेड (22 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), वाई (11 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) और एक्स (2 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) शामिल हैं। इसके अलावा भारत के प्रधानमंत्री को एसपीजी सुरक्षा मिलती है, जो कि देश में सुरक्षा श्रेणियों का उच्चतम स्तर है। कुछ स्थितियों में पीएम के परिवार को भी इसी सुरक्षा घेरे में रखा जाता है।

रोहिंग्या घुसपैठिए...

ब्लैक से संभवत: यहां पैसे देकर अवैध तरीके से घुसपैठ करने से संबंधित है। यूनुस ने बताया कि वह बांग्लादेश बॉर्डर के जरिए भारत में घुसा। उन्होंने कहा कि वहां कुछ लोग उसे मिले, जिन्होंने उसे बॉर्डर पार कराया और वहां से वह बंगाल में रहने लगा।यूनुस ने बताया कि बॉर्डर पार कराने वालों ने कुछ लोगों से पैसा भी लिया और कुछ लोगों को बिना पैसे का ही बॉर्डर पार करा दिया। यूनुस ने बताया कि वह उसके साथ अधिकांश लोग म्यामांर में लड़ाई शुरू होने के बाद 2016 में भारत में आए। उसका कहना है कि कुछ लोग तो भारत में साल 2012 में ही आ गए थे और तभी वे यहां रह रहे हैं। यूनुस का दावा है कि उसके पास यूएन का रिफ्यूजी कार्ड है।

हालांकि, जब पत्रकारों ने उससे रिफ्यूजी कार्ड दिखाने के लिए कहा तो वह बोला कि वह घर पर है और घर कहीं और है। यूनुस ने बताया कि इलाके में कुछ भी होता है तो उसे खबर कर दिया जाता है कि घर से बाहर नहीं निकलना है। यूनुस ने बताया कि म्यामांर से भागे हुए रोहिंग्या हैदराबाद, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में रह रहे हैं। इस मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों से जब पूछा गया कि वे पढ़ाई करके क्या करेंगे तो 99 प्रतिशत ने कहा कि वे हाफिज बनेंगे और अल्लाह की सेवा करेंगे। इन बच्चों को जाकिर नाईक के बारे में अच्छे से पता है। लगभग 12 साल के एक बच्चे ने कहा कि जाकिर नाईक इसलिए अच्छा लगता है, क्योंकि वह लोगों को दीन (इस्लाम) के रास्ते पर लाता है। यानी लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण कराता है।

किशोर ने कहा कि जो अल्लाह को नहीं मानता है कि वह दोजख की आग में जलेगा। एक छोटे से बच्चे ने कलमा पढ़ कर सुनाया और कहा कि इसका मतलब है कि अल्लाह के सिवा और कोई भगवान नहीं है। यही बात एक किशोर ने भी कहा है। हालांकि, बच्चे हर शब्द बोलने से पहले अपने मौलवी या हाफिज की तरफ देख रहे थे। जाहिर है कि वो काफी सोचकर बोल रहे थे। दरअसल, इस मदरसे में पढ़ाने वाले यूनुस ने दावा किया कि रोहिंग्या मुस्लिम यूए के रिफ्यूजी कार्ड पर भारत में आकर रह रहे हैं।

वहीं, दूसरी तरफ वह कह रहा है कि बांग्लादेश सीमा के जरिए पैसे देकर कुछ लोगों की सहायता से भारत में घुसा था। इस तरह की विरोधाभासी बातें संदेह पैदा करती है। अगर यूनुस स्वयं स्वीकार करता है कि यहां 400 रोहिंग्या रहते हैं तो वास्तविक संख्या कितनी होगी, इसकी सही जानकारी शायद ही किसी को होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा का डीईसी डांडिया धमाल सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा के द्वारा 13 अक्टूबर-2024 को डीईसी डांडिया धमाल चैतन्यपुरी स्थित भाग्यश्री गार्डन फंक्शन हॉल में बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया।

शाखा सचिव सीए राजगोपाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस डांडिया का शुभारंभ माता रानी और महाराज श्री अग्रसेन जी के सुसज्जित दरबार में पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का श्रेय विशेष अतिथियों को जाता है, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से सभी का उत्साह बढ़ाया । इनमें डीईसी ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एवं इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक अनिरुद्ध गुप्ता, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, निवर्तमान उपाध्यक्ष एवं अग्रमंच के संपादक डॉ. दिलीप पंसारी, अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट- आत्मगौरव भवन के कोषाध्यक्ष महावीर अग्रवाल, प्रमुख ट्रांसपोर्ट उद्योगपति देविदत्त कोहली, कई वरिष्ठ नागरिक मुख्य रूप से शामिल थे। शाखा पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया। साथ ही समाज की मलकपेट, वनस्थलीपुरम और सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखाओं ने विशेष रूप से समारोह में भाग लिया।

400 से भी अधिक लोगों का डांडिया के लिए प्रवेश डोनर पास द्वारा किया गया, जिसके उपरांत सभी ने बेहतरीन म्यूजिक, चकाचौंध रोशनी बीच संपन्न होने वाले डांडिया और गरबा नृत्य के साथ स्वादिष्ट भोजन का लाभ उठाया। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ डांडिया नृत्य, दंपत्ति नृत्य, गरबा नृत्य, डांडिया परिधान, सामूहिक नृत्य, सुसज्जित डांडिया के साथ कई अन्य वर्गों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु पुरस्कार और उपहार वितरित किए गए, जिनका चयन करने के लिए न्यायाधीशों के तौर पर केशव अग्रवाल एवं इंदिरा अग्रवाल ने अपने आकलन दिए। उक्त डांडिया में भाग लेने वाली माताओं, बहनों, भाइयों और बच्चों के लिए भोजन के साथ ही उपस्थित लोगों में से लकी-ड्रा के तहत चुने गए भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप चाँदी भी प्रदान की गई। मंच का संचालन कोमल अग्रवाल एवं कार्यक्रम का संचालन श्वेता राजगोपाल अग्रवाल ने किया। कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, सचिव सीए राजगोपाल अग्रवाल, सह-सचिव ललित कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य दीपक बंसल ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद एवं सभी पुरस्कृत विजेताओं को बधाई देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ माधवधास झीरा मे त्रिदंडी श्री श्रीनिवास व्रतदर जियर स्वामी जी की चतुर्थ मासिक पुण्यतिथि निमित्त वेद पाठशाला के विद्यार्थियों को वस्त्रदान करते हुए मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, रिद्धिश जागीरदार, आलोक प्रसाद तिवारी, दुर्गाप्रसाद दुबे, मुकेश जैन चौहान एवं राजू वर्मा व अन्य।

राधे राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान जारी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद समाज सेवा, सहयोग की भावना से काम कर रहा है। उक्त विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य जगतनारायण अग्रवाल ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राधे राधे ग्रुप किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करता सब समता के भाव से कार्य करते है। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पब्लिक गार्डन नामपल्ली पर सोमवार को नियमित अन्नदान किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि आज की सेवा पावरपफ गर्ल्स क्लब की और से थी। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, धर्मेंद्र शर्मा, कृषिव गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, अनीता नाथानी, इंदिरा मित्तल, शिनु बंसल, वेनिका गुप्ता, संगीता अग्रवाल, माया अग्रवाल, निकिता शाह, निहारिका आदि उपस्थित थे।

आरपीएफ और जीआरपी टीमों के साथ ट्रैक पेट्रोलिंग और बढ़ाई जाए : अरुण जैन

अप्रिय घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाना बहुत जरूरी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों को आरपीएफ और जीआरपी टीमों की मदद से ट्रैक गश्त तेज करने की सलाह दी और पूरे रेलवे में हाल की अप्रिय घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। श्री जैन सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में दमरे के अपर महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।महाप्रबंधक ने ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के लिए अधिकारियों को सुरक्षा अभियान चलाने और लगातार फील्ड निरीक्षण करने और लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों, गार्डों और विशेष रूप से ट्रैकमैनों सहित सुरक्षा संबंधी कर्मचारियों को पटरियों पर गश्त करते समय सतर्क रहने और सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में आग से बचाव संबंधी सुरक्षा वस्तुओं जैसे धुआं पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी।

महाप्रबंधक ने यात्री शिकायत निवारण प्रणाली रेल मदद की भी समीक्षा की और अधिकारियों को यात्रियों की शिकायतों पर यथाशीघ्र ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने रनिंग स्टाफ के काम के घंटों की समीक्षा की और कर्मचारियों को सुचारू रूप से संभालने और सुरक्षित कार्य स्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए काम के घंटों पर अग्रिम योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लेवल क्रॉसिंग गेटों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने का भी निर्देश दिया, जिससे लोगों को बंद स्थितियों के दौरान एलसी गेटों पर अतिक्रमण से बचने के लिए जागरूक किया जा सके। महाप्रबंधक ने जोन पर समपार फाटकों को हटाने की स्थिति की भी समीक्षा की और संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कार्यस्थलों पर सभी प्रभागों और विभागों द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न सुरक्षा प्रक्रियाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने विभिन्न कार्यस्थलों पर काम करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में कर्मचारियों और एजेंसी श्रमिकों को नियमित परामर्श देने की सलाह दी। काम करते समय कर्मचारियों/एजेंसी के कर्मचारियों को विभिन्न सुरक्षा उपकरण और गियर जैसे दस्ताने, हेलमेट, बेल्ट आदि पहनने चाहिए।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज महिला वर्ग का महारास गरबा-डांडिया सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीमाली ब्राह्मण समाज (महिला वर्ग) द्वारा महारास गरबा-डांडिया का भव्य आयोजन श्रंग ऋषि भवन में किया गया। आयोजन में श्रीमाली समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं सब ने पारंपरिक नृत्य का भी खूब आनंद लिया और माताराणी के स्वरूप में कन्याओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में नन्द किशोर व्यास (बिलाल), रामदेव नगला, गोपाल भंडारी, नरेश व्यास एवं समाज के गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। अंत में सरोज धूत और अर्चना असावा द्वारा निर्णय पर विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

ललिता त्रिवेदी, रमा जोशी, रानी व्यास, मीनाक्षी व्यास, वीणा ओझा, अर्चना ओझा, स्वर्णा वोहरा, विजयलक्ष्मी वोहरा, वर्षा दवे, माधुरी दवे, विद्या जोशी, दीपा व्यास, भावना व्यास, रंजीता दवे, पूर्णिमा व्यास, भावना दवे, रेणुका वोहरा, कंचन जोशी एवं सीमा ओझा ने सभी सामाजिक सखियों का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

अत्तापुर में हर्षोल्लास से मनाया गया दशहरा महोत्सव

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर रामबाग राम मंदिर प्रांगण में दशहरा महोत्सव क्षेत्र के हजारों लोगों की मौजूदगी में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। राम मंदिर से आई पालकी में विराजमान भगवान रामचंद्र जी के द्वारा मंदिर प्रांगण में लगाई गई विशाल रावण पुतले को अग्निबाण मारा गया जिसे देखते ही देखते रावण धू धू एवं पटाखो की धमाकों के साथ जलकर धराशाई हो गया। मौजूद लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाकर खूब आनंद लिया। यहां मंदिर कमेटी के द्वारा आयोजित मेले में लोगों ने अपने बच्चों के मनोरंजन के लिए जमकर खरीदारी की। इस अवसर पर आयोजन कमेटी के प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह ने सभी को दशहरे की शुभकामनाएं दी। इसके अलावा समाजसेवी वनम श्रीराम रेड्डी ने मंच स्थापित अलाई-बलाई कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें मेले में पधारे तमाम गणमान्य लोगों को मंच पर स्वागत कर दशहरे की शुभकामनाएं दी तथा मंच के सामने आयोजित बतुकम्मा का अनेक महिलाओं ने फेरी लगाते हुए जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर हजारों लोग मौजूद रहे।

हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच की पांचवीं राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा पांचवीं राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कृष्ण मोहन सिंह (विभागाध्यक्ष श्री नर-हेजी महा विद्यालय नरही रसड़ा बलिया उत्तर प्रदेश) ने किया। यह कार्यक्रम गुग्गुल मीट द्वारा आनलाइन किया गया जिसकी मिटिंग आइडी कवि एवं हिंदी अध्यापक उमेश चंद यादव जी द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत नीलेश जैन शिखा द्वारा माँ सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम का संचालन अंजू पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन गंगा पचौरी ने किया।

इस कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपनी मधुर स्वर में रचना प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में हिंदुस्तान के अनेक राज्यों से साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया और अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

किसी ने गुरु, वीर रस तो किसी ने नारी शक्ति, प्रकृति प्रेम, हिंदी से प्यार, तिरंगा तो किसी ने सुहानी सुबह एवं बालिकाओं की शक्तिप्रधान कविताएं सुनाई। सभा के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मोहन सिंह जी ने काव्य साहित्य के इतिहास, काव्य की उपज एवं गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रकाश डालकर सबका ज्ञान वर्धन एवं मार्गदर्शन किया। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करने वाले विद्वान डॉ. कृष्ण मोहन सिंह, कवि उमेश चंद यादव, गंगा पचौरी, विनोद गिरि अनोखा, श्वेता प्रसाद, मुम्बई से अंजू पाण्डेय, छत्तीसगढ़ से विजेता शर्मा, नीलेश जैन शिखा, डॉ. इंद्रजीत सिंह, श्रीनिवास, इंदू झां आदि कवियों ने सभी को काव्य रस से सराबोर कर दिया। इस कार्यक्रम में प्रीति, विशाल, ज्योति आदि साहित्य प्रेमी भी शामिल हुए। सभी ने हिंदी साहित्य सेवक परिवार के इस पहल की खूब सराहना किया और कहा कि आगे भी साहित्यिक कार्यक्रम करते रहें। कार्यक्रम के अंत में कई सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया गया जिसमें नारी सुरक्षा एवं नैतिकता मुख्य विषय रहा।

आर कृष्णैया ने राज्यव्यापी छात्र विरोध प्रदर्शन का किया आह्वान

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर कृष्णैया ने तेलंगाना के छात्रों से 22 अक्टूबर को कक्षाओं का बहिष्कार करने और जिला कलेक्ट्रेट और एमआरओ कार्यालयों का घेराव करने का आह्वान किया है। विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य 4,000 करोड़ रुपए की फीस बकाया राशि का भुगतान और बढ़ती लागत के अनुरूप छात्र छात्रवृत्ति को 5,500 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपये करने की मांग करना है।

सोमवार को यहां एक बयान में, कृष्णैया ने कॉलेज प्रबंधन से अवैतनिक शुल्क के कारण डिग्री कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद करने के अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया, चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाई से छात्रों की शिक्षा गंभीर रूप से बाधित होगी।

उन्होंने कॉलेज मालिकों को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के खिलाफ भी चेतावनी दी, कहा कि अगर स्थिति बनी रहती है तो बीसी एसोसिएशन अपने आंदोलन को तेज करेंगे और सरकार को जवाबदेह ठहराएंगे। उन्होंने छात्र आंदोलन के प्रति अपर्याप्त प्रतिक्रिया के लिए राज्य सरकार की आलोचना की, जो पिछले चार महीनों से फीस बकाया और बढ़ी हुई छात्रवृत्ति के भुगतान की मांग कर रहा है। श्री कृष्णैया ने फीस भुगतान में देरी के कारण छात्रों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों पर प्रकाश डाला। कई छात्र अपने पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अपने प्रमाण पत्र प्राप्त करने में असमर्थ रहे हैं, जिससे उनके लिए उच्च शिक्षा कार्यक्रमों में सीटें सुरक्षित करना, नौकरियों के लिए आवेदन करना या विदेश में शिक्षा प्राप्त करना मुश्किल हो गया है। जो लोग फीस वहन नहीं कर सकते, वे विशेष रूप से वंचित हैं, जो अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए फीस प्रतिपूर्ति योजना पर निर्भर हैं। श्री कृष्णैया ने सरकार से छात्रों के बोझ को कम करने के लिए दो चरणों में फीस बकाया के लिए बजट जारी करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने छात्रवृत्ति राशि को 5,500 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये करने का आह्वान किया, यह बताते हुए कि वर्तमान दरें आठ साल पहले निर्धारित की गई थीं और वे वर्तमान जीवन यापन की लागत को नहीं दर्शाती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों की न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बढ़ी हुई छात्रवृत्ति आवश्यक है।

एफडीडीआई हैदराबाद का चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) हैदराबाद ने सोमवार को परिसर में अपने चौथे दीक्षांत समारोह की मेजबानी करते हुए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने स्नातकों के समर्पण की प्रशंसा की और उन्हें तेजी से विकसित हो रहे फुटवियर, फैशन, खुदरा और चमड़े के सामान उद्योगों में सफलता के आवश्यक घटकों के रूप में नवाचार और उद्यमशीलता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में रचनात्मकता और नवीनता न केवल फायदेमंद हैं बल्कि बहुत आवश्यक हैं।तेलंगाना में उद्योग एवं वाणिज्य (आईएंडसी) के प्रमुख सचिव जयेश रंजन ने भी स्नातकों को बधाई दी और उनसे नेतृत्व की भूमिका निभाने और जिन उद्योगों में वे जा रहे हैं उनमें सार्थक योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने स्नातकों को सीमाओं से आगे बढ़ने और दूरदर्शिता के साथ नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आप भविष्य के पथप्रदर्शक हैं। फैशन, फुटवियर, रिटेल और चमड़े का सामान सहित अन्य विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर कुल 108 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इन स्नातकों ने उल्लेखनीय प्रतिभा, रचनात्मकता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया, जिससे उनकी शैक्षणिक यात्रा पर एक अमिट छाप छोड़ी गई जो उनके पेशेवर करियर में प्रतिध्वनित हो रहा है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, एफडीडीआई के कार्यकारी निदेशक डॉ नरसिम्हुगारी तेज लोहित रेड्डी ने स्नातकों को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों में नेतृत्व, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को परिवर्तन का एजेंट बनने, अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करके सतत विकास चलाने और अपने उद्योगों में स्थायी प्रभाव उत्पन्न करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण और रजत पदक प्रदान किए गए। ये उपलब्धियाँ उत्कृष्टता और दूरदर्शी सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एफडीडीआई हैदराबाद की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। एफडीडीआई हैदराबाद खुदरा, फुटवियर, फैशन और चमड़े के सामान डिजाइन में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अग्रणी है, जो भविष्य के दिग्गजों को सशक्त बनाता है। यह दीक्षांत समारोह अगली पीढ़ी के दिग्गजों, नवप्रवर्तकों और अग्रदूतों को आकार देने के अपने मिशन में एक और मील का पत्थर है।

श्री पहाडी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में श्री राज मित्र मण्डल, नाचारम द्वारा आयोजित श्री श्याम भजन संध्या के अन्तर्गत भजन प्रस्तुत करते हुए पंकज ओझा, विनायक ओझा एवं महेश जाजू। भजन गायकों एवं श्री राज मित्र मण्डल के सदस्यों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया साथ में प्रवीण अग्रवाल, विजय अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया एवं उपस्थित भक्तगण। अवसर पर श्री राज मित्र मण्डल द्वारा श्री श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के नवगठित ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन अरुण डाकोतिया एवं साथी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

सोया खरीद केंद्रों का लाभ उठाएं किसान : रामाराव पटेल

तानूर, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुधोल विधायक पवार रामा राव पटेल ने सोमवार को कहा कि हमें सरकारी समर्थन मूल्य प्राप्त करने के लिए तानूर हंगीरगा सोसाइटी के सोया खरीद केंद्रों का लाभ उठाना चाहिए। विधायक पवार रामाराव पटेल ने सोमवार तानूर मंडल केंद्र के हंगीरगा सोसाइटी के द्वारा डागेपल्ली पर उपस्थित गोदाम मे मुख्य अथिति के रुप में उपस्थित रहकर किसानो द्वारा उगाई गई सोया खरेदी केंद्र का पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। इस मौक़े पर विधायक पवार रामाराव पटेल

ने मंडल क्षेत्र के किसानों को अवगत करते हुए कहा किसानो को सोया सरकारी समर्थन मुल्य बेसिक एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव सोसाइटी के तत्वावधान में तानूर मंडल हंगीरगा सोसाइटी केंद्र में किया जा रहा है। इसका भरपूर फायदा तानूर मंडल क्षेत्र के प्रत्येक किसान ले। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा उगाई जाने वाली सोया की बाजार में कीमत नहीं मिलने के कारण उन्होंने कृषि मंत्री के साथ बातचीत कर मुधोल निर्वाचन क्षेत्र मे सोया खरेदी केंद्रों को शुरू करने की माँग करने पर तेलंगाना के कृषि मंत्री ने मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल की माँग को गहराई से लेकर एग्रीकल्चर अधिकारियों को आदेश किए जाने की बात कही। विधायक पटेल ने सोया फसल उत्पन्न किसानो से काहा अपनी फसल 12 प्रतिशत नमी के साथ लाकर बेचना क्योंकि समर्थन मूल्य 4892 प्रति क्विंटल है। चूँकि सरकार प्रति एकड़ केवल 6 क्विंटल खरीद रही है, इसलिए किसानों ने समस्या बताई और कहा कि वे प्रति एकड़ 10 क्विंटल खरीदने पर विचार करेंगे। इस कार्यक्रम में सोसाइटी चेयरमैन नारायण राव पटेल, निदेशक गंगा चरण, मार्क फाइड डीएम प्रवीण रेड्डी, पैक्स सीईओ भुमैया और किसान उपस्थित थे।

अत्तापुर के शिव मंदिर में लगाया गया 83 फीट ऊंचा सनातनी ध्वज

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश में एक से बढ़कर एक ऊंचाई देते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा बहुत जगह लगे देखे हैं, लेकिन इस बार अत्तापुर के चिन्ना अनंतागिरी शिव मंदिर में राम भक्तों ने 83 फीट ऊंचा सनातनी धवज स्थापित कर कीर्तिमान स्थापित किया है।

बड़े ही विधि विधान के साथ अनेक गणमान्य लोगों की मौजूदगी में पूजा अर्चना कर जय श्री राम के नारे लगाते हुए ध्वज को लंबे पोल के शिखर पर चढ़ाया गया।

एनएचएम कर्मचारियों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए : आत्मकुरी चिरंजीवी

आसिफाबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएचएम में अनुबंध और आउटसोर्सिंग मोड के तहत काम करने वाले 78 विभिन्न संवर्गों में लगभग 17641 लोग काम कर रहे हैं। इसलिए उन्हें मूल वेतन और कैडर निर्धारण प्रदान करने और कर्मचारी और उनके परिवार के सभी सदस्यों पर लागू स्वास्थ्य कार्ड, स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से नौकरी की सुरक्षा प्रदान करने

के लिए डीएम और एचओ कार्यालय में एक ज्ञापन दिया गया है। इस अवसर पर एनएचएम अनुबंध एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष आत्मकुरु चिरंजीवी ने कहा कि महिला कर्मचारियों को वेतन के साथ 180 दिनों का मातृत्व अवकाश दिया जाना चाहिए। इसी तरह अनुबंध और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन बढ़ाने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। एनएचएम और वे समस्याओं का समाधान करेंगे, लेकिन कांग्रेस सरकार 10 महीने से इंतजार कर रही है। इसलिए इस माह की 15 तारीख से पहले कई बार कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए 7 माह की पीआरसी प्रस्तुत की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि अगर बकाया राशि नहीं दी गयी तो 16 तारीख को हम अपने संघ के तत्वावधान में महाधरना कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

अगर समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला तो हम घोषणा करना चाहेंगे कि हम बुधवार 16 अक्टूबर को एक दिवसीय महाधरना देंगे। इस कार्यक्रम में रामदास, गणेश, श्रेशमा व अन्य शामिल हुए।

प्रजावाणी आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जाए : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जा सके। सोमवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टोरेट भवन के सभाकक्ष में अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपक तिवारी एवं दसारी वेणु ने आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। सिरपुर-टी मंडल के परिगाम गांव के आनंद राव ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें कहा गया है कि उन्होंने सड़क ग्रेवलिंग और लिफ्ट सिंचाई कार्य किया है और संबंधित बिल जमा करने का अनुरोध किया है। आसिफाबाद शहर के राहुल कुमार ने टी-हब में फार्मासिस्ट के रूप में काम करने के दौरान भुगतान की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। रेबेना मंडल केंद्र के कृष्णचंद अग्रवाल ने गंगापुर गांव के उपनगर में पट्टाभूमि बेचे जाने के बाद शेष भूमि की सीमा निर्धारित करने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। आसिफाबाद कस्बे की जदी कार्ति किरन ने डीएससी- 2024 में रैंक आने के बावजूद नौकरी नहीं मिलने का कारण बताने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

मंचिरयाला जिले के मुत्यमपल्ली गांव कासिपेटा मंडल के बोइनी श्रीनिवास जिले में आईटीआई अनुदान की मांग को लेकर आवेदन दिया गया है। कागजनगर कस्बे की पोचम्मा बस्ती की सम्मु पारिजातम ने अपनी विधवा पेंशन दिलाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी तत्परता से निस्तारण करने की कार्यवाही करें। विगत प्रजावाणी कार्यक्रम के लंबित आवेदनों की प्रगति की विभागवार समीक्षा। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

कपास खरीदी नवंबर के प्रथम सप्ताह में शुरू होगी : आशीष सांगवान

मदनूर, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेडी जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिले में कपास की खरीद नवंबर के प्रथम सप्ताह में शुरू करने के लिए सभी प्रबंध किए जाएं। उन्होंने सोमवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व जिनिंग मिल मालिकों के साथ बैठक की। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में नवंबर के पहले सप्ताह में कपास की खरीदी शुरू कर दी जायेगी। कपास की प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,521 रुपए तय किया गया है। कृषि अधिकारियों की जानकारी के अनुसार जिले में करीब 2.36 लाख क्विंटल कपास संग्रहित होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि पहले से ही प्रति क्विंटल निजी कीमत 7500 रुपए से अधिक की जानकारी है। उन्होंने कहा कि जिले में मदनूर कृषि बाजार में 8 जिनिंग मिलें हैं और उन मिलों को खरीद कर भेजी जाती है। खासकर खरीदारी को लेकर मार्केटिंग अधिकारियों को व्यापक अभियान चलाने की सलाह दी गयी। उन्होंने कहा कि पहले की तरह तेलुगू और मराठी भाषा में रिकॉर्डिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विक्रय केन्द्रों पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किये जायें। मिलर्स को अग्निशमन यंत्र उपलब्ध रखने को कहा गया। उन्होंने कहा कि किसानों से खरीदे गए कपास का भुगतान तीन दिन के भीतर किया जाए। बाद में कलेक्टर द्वारा पोस्टर का अनावरण किया गया।अतिरिक्त कलेक्टर डी. श्रीनिवास रेड्डी, जिला विपणन अधिकारी राम्या, जिला कृषि अधिकारी तिरुमाला प्रसाद, सी.सी. मैं। प्रभारी ओबुल रेड्डी, डीएसपी, जिला अग्निशमन अधिकारी, वजन और माप अधिकारी, आरटीओ, विभिन्न अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

पित्ती ट्रस्ट, समता न्यास और अग्रवाल सेवा दल द्वारा छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्रों के वितरण का शुभारंभ

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु आवेदन की प्रक्रिया आरंभ होने के साथ ही भारी संख्या में लोगों ने आवेदन प्राप्त किये।

यहाँ अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 600 विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 8000 से 27000 रुपये तक की छात्रवृत्ति (निर्धारित नियमानुसार) प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृति सभी धर्म एवं जातियों के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति केवल 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ही प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र पहले आओ पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जा रहे हैं।

आवेदन पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड तथा अंक तालिका की मूल प्रति जांचने के बाद ही दिए जाएंगे। आवेदन पत्र वितरण सोमवार, 14 अक्टूबर को ट्रस्ट के सोमाजीगुडा स्थित कार्यालय, अग्रोहा बैंक हाईकोर्ट, कैलाश केडिया आदर्श नगर, उर्मिला अग्रवाल बंजारा हिल्स, प्रदीप अग्रवाल तंबाकू बाजार, दीपक गुप्ता तुरुप बाजार, सुधीर गुप्ता मोजमजाही मार्केट, सुरेंद्र गोयल काचीगुड़ा में किया गया । अवसर पर सभी वितरण केंद्रों पर भारी संख्या में लोगों ने पहुंच कर आवेदन प्राप्त किये। अभी तक करीब 400 के करीब आवेदन पत्रों का वितरण किया जा चुका है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र मंगलवार 22 अक्तूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता, सुप्रसिद्ध समाजसेवी शरद बी. पित्ती ने समस्त योग्य विद्यार्थियों से शिक्षा छात्रवृत्ति का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने दि. 14 से 18 अक्टूबर, 2024 तक लोकसभा सचिवालय के निजी सचिवों और स्टेनोग्राफ़िक सेवा अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल (आईएएस) जो मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि निजी सचिवों और स्टेनोग्राफ़िक सेवा अधिकारियों सहित लोकसभा सचिवालय के अधिकारी संसद सदस्यों को उनके कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी हमारी संसदीय प्रणाली की रीढ़ हैं और हमारे संसदीय लोकतंत्र के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, आइए हम अपने देश के शासन में उनके अमूल्य योगदान को पहचानें और उसकी सराहना करें। डॉ. शशांक गोयल ने बताया कि वर्तमान गतिशील परिदृश्य में, प्रशिक्षण कार्यक्रम से कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे, जिनमें उन्नत कौशल सेट, अद्यतन ज्ञान, बेहतर दक्षता, उन्नत संचार कौशल, नेतृत्व विकास आदि शामिल हैं। संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड), लोकसभा सचिवालय द्वारा की गई अभिनव पहल की सराहना करते हुए, डॉ शशांक गोयल ने डॉ मलिक को आश्वासन दिया कि डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान प्राइड को हर संभव तरीके से मदद करना जारी रखेगा।

डॉ. केपी मलिक, निदेशक, प्राइड, जो मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम में लोकसभा सचिवालय की महिला अधिकारियों का प्रतिशत लगभग 45% है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम न केवल अधिकारियों को अपनी क्षमताओं में सुधार करने में सहायक होगा, बल्कि उनकी महिला समकक्षों को अपने कार्य-जीवन संतुलन को बनाए रखने के तरीके और साधन सीखने में भी सशक्त करेगा, विशेष रूप से अपने काम और घर के प्रबंधन में।

डॉ. उषा रानी, पाठ्यक्रम निदेशक और केंद्र प्रमुख, सीडीएस ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने कहा, कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम की सामग्री से संबंधित विभिन्न संस्थानों और ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों के कई क्षेत्रीय दौरे शामिल हैं। उन्होंने सभा का स्वागत किया और उद्घाटन समारोह की कार्यवाही का संचालन किया।

एबिड्स स्थित राघव रत्ना टावर में अमृत चिट्स इंडिया प्रा. लिमिटेड के निदेशक एवं समाजसेवी अमृत कुमार जैन को दशहरे की शुभकामना देते हुए महिला कार्यकर्ता- ललिता, अंजम्मा, पावनी, स्वाति, सरिता, लाहिड़ी, ज्योति, मुस्कान, नागमणि रंजीता ने एवं अन्य।

दुर्गा पूजा, बतुकम्मा और नवरात्रि का भव्य उत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अपर्णा साइबरस्केप ने हाल ही में दुर्गा पूजा, बतुकम्मा और नवरात्रि का पहला भव्य उत्सव आयोजित किया। जो समुदाय के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कार्यक्रम में विभिन्न परंपराओं को एक साथ लाया गया। जिसमें भारतीय त्यौहारों की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित किया गया और निवासियों के बीच एकता और समावेशिता को बढ़ावा दिया गया। नवरात्रि पर देवी दुर्गा की पूजा गहरे श्रद्धा के साथ की गई। इसमें सुंदर एवं फूलों और पारंपरिक रूप से बनाई और सजाई गई मूर्ति की स्थापना शामिल थी। निवासियों ने प्रार्थनाओं, जप और अर्पणों में भाग लिया, अपनी भक्ति व्यक्त की और शक्ति और समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर निवासियों ने प्रसिद्ध धुनुची नृत्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। सिंदूर खेला समारोह का आयोजन भी किया गया जहां विवाहित महिलाएं एक-दूसरे पर सिंदूर (सूर्य-रक्त) लगाई जो देवी के प्रति उनके प्यार और सम्मान का प्रतीक है। दुर्गा देवी का विसर्जन नल्लागंडा झील पर आयोजित किया गया ।

राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी ने राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया।

संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ शशांक गोयल, आईएएस, जो मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि यह कार्यक्रम राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों को सशक्त बनाने के लिए है ताकि वे विकसित भारत की दिशा में भारत की यात्रा में सार्थक योगदान दे सकें। डॉ शशांक गोयल, आईएएस ने कहा, राज्यसभा सचिवालय के अधिकारी हमारे देश की विधायी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री कुशल कुमार पाठक ने कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य डोमेन ज्ञान प्रदान करना, नौकरी से संबंधित कौशल को समृद्ध और विविधतापूर्ण बनाना और अधिकारियों के मन में उनकी संबंधित भूमिकाओं के बारे में सही दृष्टिकोण बनाना है। उन्होंने कहा, प्रशिक्षण कार्यक्रम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में योगदान देने के लिए अधिकारियों को सशक्त बनाने में बहुत सहायक होगा। श्री पाठक ने कहा कि अधिकारियों की ओर से सीखना तभी संभव होगा जब उनका दिमाग खुला हो, वे संसाधन व्यक्तियों की बातों को उच्च स्तर की महत्ता के साथ सुनें और विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने अधिकारियों से साथी अधिकारियों के साथ बातचीत के माध्यम से व्यापक रूप से सीखने, नवाचारों को अपनाने, अर्जित ज्ञान का जमीनी स्तर पर उपयोग करने के लिए एक प्रभावी कार्य योजना विकसित करने और सबसे बढ़कर कार्यस्थल पर नैतिक होने का आह्वान किया। डॉ. बागदी गौतम, आईएएस, उप निदेशक (वरिष्ठ), एलबीएसएनएए ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया। डॉ. डीटी चारी, पाठ्यक्रम समन्वयक ने सभा का स्वागत किया। डॉ. केवी सत्या, संकाय, सीएमबी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर, उज्जैन में आगामी 6 नवंबर, 2024 को महर्षि श्रृंग-शांता माता धाम आश्रम के भूमि पूजन में अतिथि के रूप में पधारने के लिए श्रीश्री महामंडलेश्वर श्री प्रभुदास को आमंत्रित करते हुए उज्जैन से पधारे प्रवीण तुकार तिवारी, महेश तडवा तिवाडी, रितेश शर्मा। साथ में हैं रामदेव नागला, दामोदर लाल जोशी माणिकचंद पांडिया, लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित, नरेश कोलरिया व अन्य।

प्रयागराज के 9 स्टेशनों की क्षमता और सुविधा में होगा विस्तार

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।
महाकुंभ 2025 की तैयारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और रेलवे प्रशासन ने व्यापक स्तर पर योजनाएं बनाई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ की तैयारियों पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं। महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव हो, इसके लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनमें विशेषकर रेल यातायात और स्टेशन की सुविधाओं में विस्तार शामिल है।

महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार और रेलवे प्रशासन मिलकर व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की क्षमता और सुविधाओं में विस्तार के साथ-साथ विशेष ट्रेनों का संचालन, पैदल मार्ग की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाएं यह सुनिश्चित करेंगी कि महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक हो।

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज के 9 प्रमुख रेलवे स्टेशनों की सुविधा और क्षमता में विस्तार किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज जंक्शन, नैनी जंक्शन, छिवकी जंक्शन, रामबाग जंक्शन, झूंसी जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन और प्रयागघाट जंक्शन पर मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की व्यापक योजना तैयार की गई है।

ज्योतिष
ASTROLOGY
नाकौड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,973.05
+591.69 +0.73% ↑
एनएसई :25,127.95
163.70 (0.66%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,250/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,570/- (प्रति किलोग्राम)

थलसेना प्रमुख जापान यात्रा पर रवाना

भारत और जापान मजबूत करेंगे रक्षा संबंध

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।
भारत के थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जापान और भारत के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के मकसद से पूर्वी एशियाई देश की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। सेना प्रमुख 14 से 17 अक्टूबर तक जापान की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे हिरोशिमा भी जाएंगे, जहां वे हिरोशिमा शांति पार्क में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। वह शांति पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सेनाध्यक्ष की यह यात्रा भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग की मजबूत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनरल द्विवेदी सोमवार को जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज से बातचीत करेंगे और इसके बाद टोक्यो में भारतीय दूतावास में दोनों देशों के बीच संबंधों पर एक चर्चा में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह मंगलवार को इचिगाया में रक्षा मंत्रालय में जापान के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से भी बातचीत करेंगे। रक्षा मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि इस यात्रा के दौरान वह जॉइंट सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल योशिदा योशिहिदे, जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोरिशिता यसुनोरी; एक्यूजिशन, टेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक एजेंसी (एएलटीए) के कमिश्नर इशिकावा ताकेशी के साथ बैठकें करेंगे।

इन बैठकों का मकसद भारत और जापान के बीच मजबूत सैन्य सहयोग को और प्रगाढ़ बनाना है। जनरल द्विवेदी इचिगाया में रक्षा मंत्रालय में एक स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे और जेजीएसडीएफ द्वारा उन्हें सलामी दी जाएगी। वह बुधवार को जेजीएसडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ फूजी स्कूल का दौरा करेंगे जहां वह फूजी स्कूल के कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल कोडामा यासुयुकी के साथ बातचीत करेंगे।

अपनी यात्रा के अंतिम चरण में वह 17 अक्टूबर को हिरोशिमा जाएंगे। बयान में कहा गया है कि जनरल द्विवेदी की यात्रा का उद्देश्य भारत और जापान के बीच सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने के अलावा दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

भारत-कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास सम्पन्न

चमोली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।
भारत-कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास काज़िंद-2024 का 8वां संस्करण सूर्या विदेश प्रशिक्षण नोड, औली, उत्तराखंड में सम्पन्न हुआ। यह अभ्यास 30 सितंबर से 13 अक्टूबर 2024 तक आयोजित चला। संयुक्त अभ्यास के समापन समारोह में कजाकिस्तान सेना के उप प्रमुख कर्नल डी खमितोव, कजाकिस्तान सेना के दक्षिणी कमान के क्षेत्रीय बल कमांडर कर्नल नुरलान करिबयेव और भारतीय सेना के ब्रिगेडियर उपिंदर पाल सिंह, कमांडर 116 इन्फैंट्री ब्रिगेड ने भाग लिया।भारत और कजाकिस्तान के रक्षा संबंधों के तहत साझा सैन्य अभ्यास और वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार जारी है। पिछला संस्करण जुलाई 2023 में कजाकिस्तान में आयोजित किया गया था। 120 कर्मियों वाली भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन और भारतीय वायुसेना के अलावा अन्य सेवाओं के कर्मियों द्वारा किया गया था। 60 कर्मियों वाली कजाकिस्तान टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से सैन्य बल, वायु रक्षा बल और एयरबोर्न असॉल्ट सैन्य कर्मियों द्वारा किया गया था। दोनों देशों के साझा सैन्य अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के अमुरूप एक उप पारंपरिक परिदृश्य में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। संयुक्त अभ्यास अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में संचालन पर केंद्रित रहता है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No.15812057P Hav VIPIN CHAND SATI of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from **KAMALA DEVI** to **KAMLA DEVI.**

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732334P Sub PARAMJIT SINGH of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my son name is changed from **AMAN PREET SINGH** to **AMANPREET SINGH.**

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6941418Y Hav GIRIN CHANDRA RAY of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana. hereby state that my mother name is changed from **SARE SELA ROY** to **SUROBHI RAY.**

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732331F Sub Gune Shekhar M of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name is changed from **G POOJA** to **POOJA G** and another daughter name is changed from **G RITIKA** to **RITHIKA G.**

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6941468K Hav SK ANWAR KHAN of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my Mother Name is Changed From **ANSARA BEGAM** to **ANSARA BIBI.**

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 735216M Sub Janardhan Singh Yadav of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my Mother Name is Changed From **RAJMATI DEVI** to **RAMRAJIYA DEVI.**

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732969N Sub Biswajit Mandal of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my Father name is changed from **PHANINDRANATH** to **PHANINDRANATH MANDAL** and Mother Name is Changed From **INARTI MANDAL** to **BHARATI MANDAL.**

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.6941455M Hav Biplab Ghosh, R/o.Vill:Sadipur, Po:SadiKhandiar, Dist:Murshidabad, West Bengal-742303 that my mother name & DOB is changed from **ASHAMA GHOSH**, DOB:**14-3-1965** to **ASIMA GHOSH**, DOB:**07-04-1965** and Father Name and DOB is Changed from **BASUDEV GHOSH**, DOB:**06-09-1955** to **BASUDEB GHOSH**, DOB:**05-02-1956.**

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.6941453F Hav Vinod Kumar K, R/o.Vill: Kummanam, Po:Elampara, Teh:Thalassery, Dist:Kannur, Kerala-670595 hereby state that Mother Name and DOB is changed from **LEELA P**, DOB: **07-09-1963** to **P LEELA**, DOB:**01-01-1961.**

शिक्षा और रोजगार क्षेत्रों में दिव्यांगों को समर्थन देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

सीताक्का ने तेलंगाना दिव्यांग जॉब पोर्टल का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 14 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की पंचायती राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीताक्का ने सोमवार को सचिवालय में तेलंगाना दिव्यांग नौकरी पोर्टल का उद्घाटन किया।

श्रीमती सीताक्का ने आयोजन के हिस्से के रूप में महिला कल्याण निदेशालय की हेल्पलाइन में कार्यरत दस व्यक्तियों को नियुक्ति आदेश सौंपे। श्रीमती सीताक्का ने अपने संबोधन में दिव्यांग लोगों के लिए उपलब्ध सीमित रोजगार के अवसरों पर जोर दिया और अन्य समुदायों की तुलना में उनके सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, शारीरिक विकलांगताएं हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। कई लोग कुपोषण और दुर्घटनाओं के कारण विकलांग हो जाते हैं। इसलिए हमने यह ऑनलाइन जॉब पोर्टल लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को नौकरी के अवसर प्रदान करना है।

उन्होंने निजी क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण का भी आह्वान किया और कहा कि दिव्यांग लोगों को नौकरी की तलाश में कई कंपनियों में नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर पंजीकरण करें और योग्यता के आधार पर रोजगार के अवसर उनके लिए उपलब्ध होंगे। श्रीमती सीताक्का ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार दिव्यांग व्यक्तियों के समर्थन के लिए कल्याण निधि का 5 प्रतिशत आवंटित कर रही है और निजी क्षेत्र की नौकरियों में उनके लिए 4 प्रतिशत आरक्षण सुरक्षित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम पिछले 01 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 4 प्रतिशत करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा आवास जैसी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण शामिल है।

श्रीमती सीताक्का ने पुष्टि की कि सरकार कल्याण, शिक्षा और रोजगार क्षेत्रों में दिव्यांगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उपकरणों के लिए इस वर्ष 50 करोड़ रुपये के बजट आवंटन की घोषणा की। उन्हें कहा कि दिव्यांगों को अधिकारियों के पास जाने की जरूरत नहीं है। वे अपनी चिंताओं को सीधे हमारे साथ साझा कर सकते हैं और हम उनका समाधान करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है।

उन्होंने कहा, हम दिव्यांग लोगों को उन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जिनके बारे में वे भावुक हैं और उन्हें उनकी ताकत के आधार पर रोजगार खोजने या स्व-रोज़गार बनने में सहायता करेंगे। मंत्री ने ऑनलाइन जॉब पोर्टल को एक प्रमुख विकास बताया, जो दिव्यांग लोगों को कंपनियों में आए बिना नौकरियों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अनुमति देता है।

कंपनियां इस प्लेटफॉर्म के जरिए उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्तियां करेंगी। मंत्री ने दिव्यांग समुदाय से एकजुट रहने और अपने सामने आने वाली किसी भी समस्या के बारे में रिपोर्ट करने का भी आग्रह किया। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि सरकार हमेशा आपकी समस्याओं को हल करने के लिए काम करेगी। श्रीमती सीताक्का को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी गई, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के सचिव वकाती करुणा और दिव्यांग सहकारी निगम के अध्यक्ष वीरैया ने दिव्यांग समुदाय के कल्याण के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा की। श्री वीरैया ने उन्हें दिव्यांगों के लिए आत्मीय मित्र बताया, जबकि दिव्यांग बुजुर्ग सशक्तिकरण विभाग की संयुक्त निदेशक शैलजा और दिव्यांग समुदाय के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

केटीआर ने विकाराबाद में नौसेना के रडार स्टेशन का किया विरोध

हैदराबाद, 14 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने विकाराबाद जिले के रामागुडंम वन क्षेत्र में नौसेना के लिये बहुत कम फ्रीक्वेंसी (वीएलएफ) रडार स्टेशन के निर्माण पर कड़ा विरोध जताया है।

श्री राव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि राज्य सरकार ने मूसी नदी के सौंदर्यीकरण के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपए की परियोजना शुरू की है, लेकिन साथ ही उसने वीएलएफ रडार परियोजना (वीएलएफ) को भी मंजूरी दे दी है। इस बारे में उनका दावा है कि इससे नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा है।

उन्होंने सरकार के विरोधाभासी दृष्टिकोण पर सवाल उठाया और तेलंगाना के लिए इस परियोजना के लाभों पर स्पष्टता की मांग की, जबकि उस पर राज्य के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया।

केटीआर ने रामागुंडम में रडार की स्थापना से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर जोर दिया और कहा कि इस परियोजना से 12 लाख पेड़ नष्ट हो जाएंगे और 2,900 एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण होगा। उन्होंने तेलंगाना के वनों से भरे, कम आबादी वाले इलाके में रडार स्टेशन बनाने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया और मुसी नदी संरक्षण के लिए मुखर समर्थन के बावजूद इस परियोजना पर सहमति जताने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान सरकार ने लगातार रडार परियोजना का विरोध किया और इसके बजाय हरिता हरम जैसी पहल पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे राज्य का वन क्षेत्र बढ़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि श्री रेड्डी सरकार ने सत्ता में आने के तुरंत बाद ऐसे कदम क्यों उठाए जिससे करीब 2,900 एकड़ वन भूमि नष्ट हो गई।

केटीआर ने बताया कि केंद्र सरकार ने गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री के आसपास 150 किलोमीटर के दायरे को पारिस्थितिकी-संवेद-नशील क्षेत्र घोषित किया है। उन्होंने तर्क दिया कि मूसी नदी की रक्षा के लिए भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, जिसका उद्गम विकाराबाद के जंगलों में है और मांग की कि पारिस्थितिकी को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए इस क्षेत्र को पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया जाए।

शरारती तत्वों ने सिकंदराबाद के मुथयालम्मा मंदिर में मूर्ति तोड़ी, तनाव व्याप्त

हैदराबाद, 14 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट में मुथ्यालम्मा मंदिर में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा मंदिर में स्थापित मूर्तियों को तोड़ने के बाद जिले में तनाव की स्थिति बनी हुई है।घटना की जानकारी प्राप्त होने के बाद सोमवार सुबह बड़ी संख्या में लोग मंदिर में एकत्रित हो गये और अपना गुस्सा एवं रोष व्यक्त किया। मंदिर में कथित तोड़फोड़ के विरोध में स्थानीय निवासियों ने सोमवार को मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचीं भाजपा नेता माधवी लता ने भी स्थानीय लोगों के साथ प्रदर्शन में हिस्सा लिया। हालांकि इसके कुछ ही देर बाद पुलिस की तरफ से उन्हें और अन्य भाजपा नेताओं को हिरासत में ले लिया गया है। वहीं हिरासत में लिए जाने से पहले भाजपा नेता माधवी

लता ने कहा, जिसे चोरी करनी है, वह बैंक में जाएगा, न कि इतने छोटे मंदिर में, मूर्तियों को लूटकर उन्हें कुछ नहीं मिलेगा। यह डकैती लोगों की आस्था को चुराने के लिए की गई है।पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाये रखने और किसी भी तरह के टकराव को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद के साथ स्थिति का आकलन करने के लिए मंदिर का दौरा किया। किशन रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों से घटना का ब्योरा भी मांगा। उन्होंने कहा- आज सुबह करीब 4 बजे मुस्लिम समुदाय का एक व्यक्ति मंदिर में घुस गया और माता की मूर्ति तोड़ दी। यह शर्मनाक है। कुछ लोगों ने उसे देखा, पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।किशन रेड्डी ने आगे कहा- हैदराबाद में अलग-अलग जगहों पर ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, कुछ लोग हैदराबाद में तनाव पैदा करने और सांप्रदायिक दंगे बढ़ाने के लिए जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं इस मुद्दे को देखने के लिए सीएम से भी बात करूंगा। अब पुलिस कमिश्नर को मौके पर बुलाया गया है। इस पर विस्तृत जांच होनी चाहिए, आने वाले दिनों में हैदराबाद के सभी मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। जरूरत पड़ने पर पिकेट लगाए जाने चाहिए और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए। कैंट विधायक नारायणन श्री गणेश भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से बातचीत की। पुलिस सूत्रों के अनुसार तोड़फोड़ मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

हैदराबाद में मंदिर-पंडालों में तोड़फोड़ की यह दो दिन में दूसरी घटना है। इससे पहले 12 अक्टूबर को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में एक पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया था। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा था। सेंट्रल जोन के डीसीपी अक्षेश यादव ने बताया था कि वह व्यक्ति आवारा था और उसे भूख लग रही थी और भोजन की तलाश में उसने प्रसाद को हिला दिया जिससे मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, भाजपा नेताओं ने इसे साजिश बताया था।

तेलंगाना में वर्षा होने के आसार

हैदराबाद, 14 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान गरज के साथ वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने सोमवार को बताया कि अगले सात दिनों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों या कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में एक या दो स्थानों पर बारिश हुई।

किशन रेड्डी ने वारंगल के भद्रकाली मंदिर में की पूजा अर्चना

वारंगल, 14 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री और तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को वारंगल के भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि केन्द्रीय मंत्री बनने के बाद वह पहली बार भद्रकाली मंदिर के दर्शन के लिए यहां आये हैं।

श्री रेड्डी ने यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद भद्रकाली मंदिर का उनका यह पहला दौरा है। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद जम्मू-कश्मीर चुनावों की देखरेख सहित अन्य जिम्मेदारियों के कारण उनके दौर में देरी हुई। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देवी भद्रकाली का आशीर्वाद लिया है। उन्होंने देश में कई मंदिरों को विकसित करने में सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिनमें तेलंगाना में जोगुलाम्बा, भद्राचलम, रामप्पा और बालकम्पेट अम्मावारी मंदिर शामिल हैं।

उन्होंने कहा, अयोध्या और वाराणसी में मंदिरों के विकास के अलावा, हम पंच मंदिरों के विकास पर काम कर रहे हैं। देश भर में 150 मंदिरों का विकास कार्य चल रहा है।

श्री रेड्डी ने त्योहारों में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर बल दिया और कहा कि इस तरह की भागीदारी से बुजुर्गों, संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने कहा, वंचितों के घरों में शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के निर्माण से लेकर चंद्रमा पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक, मोदी सरकार व्यापक विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.